नई दिल्ली । शुक्रवार, 17 जुलाई, 2026
आषाढ़ शुक्ल पक्ष तृतीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :192 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
नई दिल्ली संस्करण
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल जापान ओपन : विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी हान यू को हराकर...
@ विचार परमाणु संयंत्र का डाटा लीक हो गया, क्या ऐसी साइबर...
@ व्यापार कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते सपाट बंद हुआ बाजार...

पुरी रथ यात्रा में भगदड़ एक की मौत, कई घायल

भव्य वार्षिक रथ यात्रा देखने के लिए लाखों लोग एकत्रित हुए थे

एजेंसी ■ भुवनेश्वर

गुरुवार को ओडिशा के पुरी में रथ यात्रा उत्सव के दौरान कथित भगदड़ जैसी स्थिति में दम घुटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हालांकि, अभी तक श्रद्धालु की मौत या भगदड़ जैसी स्थिति की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पुरी में घटनास्थल पर मौजूद एक श्रद्धालु ने बताया कि मरीचि कुंड चौक के पास या तो बाहरी घेरे की रस्सी की बैरिकेड गिर गई, या कुछ लोग अपना संतुलन खो बैठे और सड़क पर गिर गए।

उन्होंने बताया कि उन्होंने लगभग 40 से 50 लोगों को एक-दूसरे के ऊपर गिरते देखा, जिससे कई श्रद्धालु घायल हो गए और चार से पांच को गंभीर चोटें आई हैं।

उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने लगभग 20 लोगों को बचाया और उन्हें एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, और अब उन्हें पता चला है कि एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है।

इसके अलावा, सूत्रों ने यह भी दावा किया कि गुरुवार को श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ और लगातार बारिश के बीच घुटन और विभिन्न चोटों की शिकायत करने वाले लगभग 200 मरीजों को अब तक पुरी के अस्पतालों और अस्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं में भर्ती कराया गया है।

गुरुवार को पवित्र तटीय शहर पुरी में भव्य वार्षिक रथ यात्रा देखने के लिए लाखों लोग एकत्रित हुए। विश्व प्रसिद्ध वार्षिक रथ यात्रा उत्सव की शुरुआत निर्धारित समय से पहले ही दिन में दिव्य भाई-बहनों और अन्य देवी-देवताओं के लिए 'पहंडी बीजे' अनुष्ठान के साथ हुई।

'पहंडी बीजे' अनुष्ठान के दौरान, पवित्र भाई-बहनों और अन्य देवी-देवताओं को 12वीं शताब्दी के श्री जगन्नाथ मंदिर से उनके संबंधित सजे-धजे रथों तक भव्य जुलूस में ले जाया गया। इस जुलूस में घंटा, कहली और तेलिंगी बाजा जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मनमोहक और दिव्य ध्वनि गूंज रही थी। पुजारियों ने पवित्र वैदिक मंत्रों का जाप किया और पारंपरिक ओडिसी कलाकारों ने अपने मनमोहक नृत्य प्रदर्शनों से देवताओं का उनके जन्मस्थान माने जाने वाले गुंडिचा मंदिर में नौ दिवसीय प्रवास के लिए स्वागत किया।

हालांकि 'पहंडी बीजे' की रस्में निर्धारित समय से पहले शुरू हो गईं, लेकिन गुरुवार को उनके समापन में दो घंटे से अधिक की देरी हुई।

केजरीवाल ने सरकार से की सोनम वांगचुक को शिक्षा मंत्री बनाने की मांग!

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नीट-यूजी 2026 परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक विवाद को लेकर देश की राजनीति गरमा गई है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर युवाओं के नेतृत्व में चल रहे विरोध प्रदर्शन और पर्यावरणविद तथा शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक के आमरण अनशन को अब राजनीतिक समर्थन भी मिलने लगा है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गुरुवार को प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा और कहा कि यदि युवाओं की आवाज और इस आंदोलन को नजरअंदाज किया गया, तो आने वाले चुनावों में सरकार को इसकी बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ सकती है।

केजरीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार को छात्रों की चिंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार ने समय रहते इस मुद्दे का समाधान नहीं किया, तो आगामी चुनावों में उसका वही हाल हो सकता है, जैसा 2014 में तत्कालीन सरकार का हुआ था। इस दौरान केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक अलग तरह का राजनीतिक सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से हटाया जाना चाहिए और उनकी जगह शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक को देश का नया शिक्षा मंत्री बनाया जाना चाहिए।

उधर, सोनम वांगचुक का जंतर-मंतर पर आमरण अनशन गुरुवार को 19वें दिन में प्रवेश कर गया। वांगचुक का कहना है कि जब तक शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही तय नहीं होती, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता नहीं आती और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका अनशन जारी रहेगा।

इसी बीच वांगचुक की बिगड़ती सेहत को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका पर भी गुरुवार को महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की खंडपीठ ने कहा कि हर नागरिक का जीवन अनमोल है और सरकार की जिम्मेदारी है कि उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य की जंतर-मंतर पर रोजाना क्लीनिकल मॉनिटरिंग की जाए। यदि सरकारी डॉक्टरों को किसी भी तरह के चिकित्सकीय हस्तक्षेप की आवश्यकता महसूस हो, तो बिना देरी के उन्हें आवश्यक इलाज उपलब्ध कराया जाए।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को भरोसा दिलाया कि डॉक्टरों और चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम पहले से ही रोजाना वांगचुक के स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त मेडिकल टीम भी तैनात की जाएगी।

टेरर फंडिंग मामले में ईडी की 13 जगहों पर छापेमारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने गुरुवार को देश के 5 राज्यों में एक साथ बड़ी कार्रवाई की है। पश्चिम बंगाल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र में 13 ठिकानों पर छापेमारी की गई है। यह कार्रवाई कथित टेरर फंडिंग और अवैध घुसपैठ नेटवर्क से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के सिलसिले में हुई है। ईडी की लखनऊ टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से यह तलाशी अभियान चलाया है।

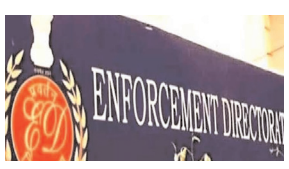

संदिग्ध संस्थानों की जांच जारी

जांच एजेंसी ने दिल्ली के बाटला हाउस, मदनपुर खादर, सहारनपुर, रायगढ़ और बंगाल के कई जिलों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। मदनपुर खादर स्थित सन शाइन हेल्थ एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी और नॉर्थ 24 परगना के कुछ मदरसों व अकादमी की भी जांच हो रही है। अधिकारियों के मुताबिक, इन संस्थानों के माध्यम से संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था।

क्या है पूरा मामला ?

अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश एटीएस द्वारा दर्ज एक एफआईआर के आधार पर की गई है। इस गिरोह पर रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में अवैध घुसपैठ कराने का आरोप है। संदिग्धों पर जाली भारतीय पहचान-पत्र बनाने और उन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों में बसाने की साजिश रचने का भी आरोप है।

पैसों का नेटवर्क और संदिग्ध लेनदेन

ईडी की शुरुआती पड़ताल में एक गहरा फाइनेंशियल नेटवर्क सामने आया है। कुछ चैरिटेबल ट्रस्टों को भारी मात्रा में विदेशी चंदा मिला था। इन पैसों को कई बैंक खातों और म्यूल अकाउंट के जरिए इधर-उधर किया गया। संदिग्धों ने जांच से बचने के लिए नकद निकासी और छोटे ट्रांजैक्शन का सहारा लिया था।

खड़े ट्रैक्टर से टकराई स्कूटी, चार की मौत

राष्ट्रीय राजमार्ग के नो पार्किंग पर खड़ा था ट्रेक्टर

विश्व केसरी ■ छत्तीसगढ़

कुम्हारी में गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्ग-रायपुर नेशनल हाईवे पर सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से तेज रफ्तार स्कूटी टकरा गई। हादसा इतना भयावह था कि स्कूटी पर सवार दो मासूम बच्चों समेत चार लोगों ने दम तोड़ दिया, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, घायल को अस्पताल पहुंचाया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है।

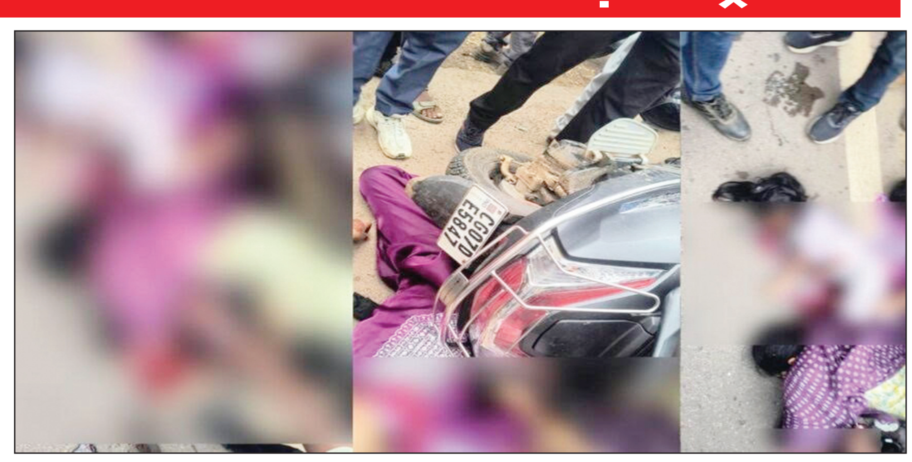

कुम्हारी थाना क्षेत्र में हुए इस दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। बताया जा रहा है कि स्कूटी पर एक ही परिवार के पांच लोग सवार थे। इसी दौरान उनकी स्कूटी सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दो बच्चों समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और घायल बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। मामले की जांच जारी है।

मामा के घर रायपुर जा रहे थे सभी

पुलिस के मुताबिक, भिलाई-3 निवासी अमृता निर्मलकर (28) स्कूटी चला रही थीं। उनके साथ कुल पांच लोग बसंत विहार, रायपुर स्थित अपने मामा के घर जा रहे थे। इसी दौरान ऑक्सीजन सिलेंडरों से लदे खड़े ट्रैक्टर (CG 07 NA 0930) के पीछे स्कूटी जा घुसी।

हादसे में अमृता निर्मलकर (28), लक्ष्मी निर्मलकर (26), 7 वर्षीय यासना और 4 वर्षीय डाली की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 8 वर्षीय भावेश गंभीर रूप से घायल है, जिसे एम्स रायपुर में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर लिया है और चालक भोला यादव को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सुपेला मॉर्च्युरी भेजा गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की। घायल भावेश (8) को तत्काल अस्पताल भेजा गया है।

यूक्रेन के शहरों पर रूस ने दागी 13 मिसाइलें और 151 ड्रोन

दो की मौत और कई घायल : जेलेंस्की

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कीव में रूसी मिसाइल हमले में दो लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस ने 13 मिसाइलें दागीं, जिनमें आठ बैलिस्टिक मिसाइलें थीं, और 151 ड्रोन भी इस्तेमाल किए। जेलेंस्की ने कहा कि मॉस्को बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए डर फैलाने की कोशिश कर रहा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'पिछली रात रूस के मिसाइल हमले में कीव में दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। मैं उनके परिवारों और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। पांच लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है।'जेलेंस्की ने कहा कि रूसी हमले में एक रिहायशी ऊंची इमारत, गोदाम और कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। खारकीव क्षेत्र में हुए रूसी हमलों में चार लोग घायल हुए हैं। इस इलाके पर ड्रोन और गाइडेड एयर बम से हमला किया गया। कई आम लोगों के घर और पूरी तरह नागरिक इस्तेमाल की जगहों को नुकसान पहुंचा है, जिनमें एक सिनेमा हॉल और टेनिस कोर्ट भी शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि सूमी में एक सार्वजनिक पार्क पर हमला किया गया, जबकि उसी क्षेत्र में ट्रैक्टरों के एक दल को भी निशाना बनाया गया। जापोरिज्जिया में कई अपार्टमेंट इमारतों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, विनित्सिया, झितोमिर, मायकोलाइव और दोनेत्स्क क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था से जुड़ी सुविधाओं को भी नुकसान पहुंचा है।

भारत-कतर रिश्तों में पूर्व अमीर के योगदान को किया याद

पीएम मोदी ने कतर के अमीर से की बात

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से फोन पर बातचीत की। पीएम मोदी ने पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन पर दुख जताया और भारत-कतर संबंधों में उनके योगदान को याद किया।

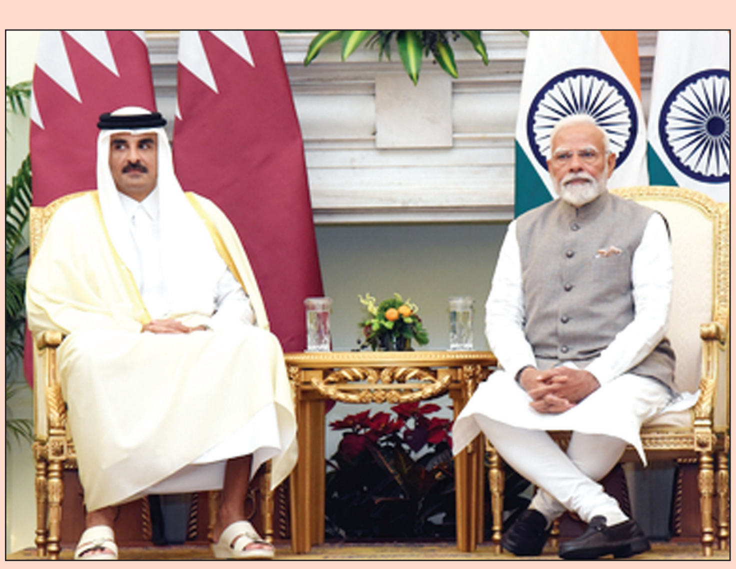

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'कतर के अमीर, शेख तमीम बिन हमद अल थानी से बात की और पूर्व अमीर, शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन पर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। मैंने भारत के प्रति उनके गहरे लगाव, कतर में रहने वाले भारतीय समुदाय के लिए उनके स्नेह और भारत-कतर संबंधों को मजबूत बनाने में उनके निरंतर योगदान को याद किया।'

पीएम ने कहा कि उनकी विरासत हमेशा हमारे दोनों देशों का मार्गदर्शन करती रहेगी और भारत-कतर की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने में मदद करेगी। कतर के 'फादर अमीर' के नाम से प्रसिद्ध शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का रविवार को 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

पूर्व अमीर के सम्मान में भारत सरकार ने सोमवार को 'एक दिन के राष्ट्रीय शोक' की घोषणा की थी। इस दौरान राष्ट्रपति भवन सहित सभी सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहा।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को भी शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें 'दूरदर्शी नेता' और 'भारत का सच्चा मित्र' बताया था।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, 'हम कतर के फादर अमीर, शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। उन्होंने कतर को विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। फरवरी 2024 में कतर यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात का मुझे सम्मान प्राप्त हुआ था। मैं कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी, शाही परिवार और कतर की जनता के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।' केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू मंगलवार को दोहा पहुंचे और कतर के मौजूदा अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से मुलाकात कर भारत की ओर से शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

कतर स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि किरेन रिजिजू ने भारत सरकार और भारतीय जनता की ओर से अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के समक्ष पूर्व अमीर के निधन पर गहरी संवेदना प्रकट की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भी व्यक्तिगत संदेश पहुंचाया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा से पारित हुआ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक-2026

जोखिम आधारित बिजनेस परमिशन व्यवस्था लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा

विश्व केसरी ■ छत्तीसगढ़

रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने उद्योग और कारोबार को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा ने 'छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026' पारित कर दिया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए जोखिम आधारित (रिस्क बेस्ड) एवं विश्वास आधारित (ट्रस्ट बेस्ड) बिजनेस परमिशन सिस्टम लागू होगा।

इस विधेयक का उद्देश्य उद्योगों एवं कारोबार की स्थापना और संचालन संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाना, अनावश्यक अनुपालनों को कम करना तथा विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अधिक पारदर्शी, तेज और उद्यम-अनुकूल व्यावसायिक वातावरण तैयार करना है। विधेयक के तहत उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का वर्गीकरण उनके आकार और गतिविधियों की प्रकृति के आधार पर विभिन्न जोखिम श्रेणियों में किया जाएगा। कम जोखिम वाले छोटे कारोबारों को सरल एवं त्वरित मंजूरी मिलेगी, जबकि अधिक जोखिम वाली परियोजनाओं के लिए आवश्यक तकनीकी परीक्षण और समयबद्ध स्वीकृति की व्यवस्था पूर्ववत जारी रहेगी। इससे छोटे कारोबारियों को बड़े उद्योगों जैसी जटिल प्रक्रियाओं से नहीं गुजरना पड़ेगा। नई व्यवस्था के अंतर्गत कम जोखिम वाले उद्यमों में बार-बार होने वाले विभागीय निरीक्षणों के स्थान पर सेल्फ सर्टिफिकेशन अथवा लाइसेंसधारी अभियंता, आर्किटेक्ट या अन्य अधिकृत पेशेवरों द्वारा प्रमाणन की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे अनुमतियों की प्रक्रिया तेज, सरल और अधिक जवाबदेह बनेगी। विधेयक के तहत हर वर्ष लाइसेंस या अनुमति के नवीनीकरण की अनिवार्यता समाप्त कर जोखिम आधारित अनुमति प्रणाली लागू की जाएगी। इससे उद्यमियों को अनावश्यक औपचारिकताओं से राहत मिलेगी और वे अपने कारोबार के विस्तार एवं संचालन पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

बिहार के हाई स्कूलों में शुरू होंगी 'बिहार स्कूल लाइव क्लासेज', छात्रों को मिलेगी नीट-जेईई की फ्री ऑनलाइन कोचिंग

विश्व केसरी

पटना। बिहार में माध्यमिक शिक्षा को तकनीक से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार ने एक नई पहल की है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को राजधानी पटना के राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, शास्त्रीनगर में 'बिहार स्कूल लाइव क्लासेज' का शुभारंभ किया। इसके साथ ही बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) की ओर से संचालित ऑनलाइन कोचिंग क्लासेज के तहत इंजीनियरिंग (जेईई) और मेडिकल (नीट) प्रवेश परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई।

कार्यक्रम के दौरान सीएम सम्राट चौधरी ने राज्य के सभी हाई स्कूलों में 'बिहार स्कूल लाइव क्लासेज' शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने 'बिहार स्मार्ट लाइव क्लास रूम' के लोगो का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर राजधानी के 10 चयनित सरस्वती विद्या निकेतन (मॉडल स्कूल) के विद्यार्थियों को लाइव शिक्षण व्यवस्था से जोड़ा गया। विद्यालय में स्थापित दो अत्याधुनिक स्मार्ट क्लासरूम और इंटरएक्टिव पैनल आधारित शिक्षण प्रणाली का भी उद्घाटन किया गया।

उन्होंने विद्यालय परिसर में स्थित बायोलॉजी लैब, फिजिक्स लैब, आईसीटी लैब, आईएसएम लैब, स्पोर्ट्स रूम और म्यूजिक रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्राओं से बातचीत कर उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्रदान किए। इसके अलावा हॉकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विद्यालय की छात्राओं को सम्मानित करते हुए हॉकी किट भी वितरित की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समान रूप से आवश्यक हैं। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विभाग ने शिक्षा में नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सात स्वयंसेवी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इन संस्थानों के सहयोग से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन), स्टेम शिक्षा, गणित एवं विज्ञान, कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, कोडिंग, डिज़ाइन थिंकिंग, परियोजना आधारित शिक्षण, शिक्षक क्षमता निर्माण, एआई आधारित मूल्यांकन और डेटा आधारित शैक्षणिक प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में कार्य किया जाएगा। इन सभी सुविधाओं का लाभ विद्यार्थियों को निःशुल्क मिलेगा।

सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीक और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के समान अवसर उपलब्ध कराना है।

तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर यात्रियों को मिलेगा हाईटेक शॉपिंग अनुभव, एआई रोबोट करेगा मदद

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल (टी-2) पर यात्रियों के लिए ड्यूटी-फ्री शॉप को नए स्वरूप में शुरू किया गया है। पहले की तुलना में लगभग दोगुने क्षेत्र में फैली इस नई दुकान में यात्रियों को अधिक उत्पाद विकल्प, आधुनिक डिजिटल सुविधाएं और विशेष ऑफर्स मिलेंगे। एयरपोर्ट का संचालन टीआरवी (केरल) इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (टीआईएएल) द्वारा किया जाता है।

नई ड्यूटी-फ्री शॉप की सबसे बड़ी खासियत केरल की पहली एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित ग्राहक सहायता रोबोट है। यह रोबोट यात्रियों को उत्पादों की जानकारी, चल रहे ऑफर्स और खरीदारी संबंधी मार्गदर्शन देगा। इसके अलावा लॉन्च ऑफर के तहत यह रोबोट यात्रियों को 500 और 1,000 रुपए के डिजिटल गिफ्ट वाउचर भी उपलब्ध कराएगा, जिससे पात्र खरीदारी पर अतिरिक्त बचत की जा सकेगी।

ड्यूटी-फ्री स्टोर में अब अंतरराष्ट्रीय और प्रीमियम ब्रांडों के साथ कई नई लाइफस्टाइल श्रेणियां भी जोड़ी गई हैं। इनमें फैशन बैग, सनग्लासेस और घड़ियां शामिल हैं। इससे यात्रियों को पहले से अधिक खरीदारी विकल्प मिलेंगे।

स्टोर में पहली बार एक विशेष सुपरमार्ट सेक्शन भी शुरू किया गया है, जहां खाद्य और गैर-खाद्य दोनों प्रकार की आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध होंगी। इससे यात्री अपनी यात्रा और दैनिक जरूरतों का सामान एक ही स्थान पर खरीद सकेंगे।

टीआईएएल के प्रवक्ता ने कहा कि उन्नत ड्यूटी-फ्री स्टोर यात्रियों को विश्वस्तरीय खरीदारी सुविधाएं, डिजिटल नवाचार और ग्राहक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि केरल में पहली बार शुरू की गई इन नई पहलों से तिरुवनंतपुरम अंतराष्ट्रीय हवाईअड्डा एयरपोर्ट रिटेल क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगा।

डिजिटल सुविधाओं को बढ़ावा देते हुए ड्यूटी-फ्री शॉप ने एक और नई पहल की है। अब ग्राहकों को खरीदारी के बाद व्हाट्सएप पर डिजिटल हस्ताक्षरित बिल भेजे जाएंगे। इससे कागज रहित और सुविधाजनक खरीदारी अनुभव सुनिश्चित होगा।

यात्रियों के लिए कई आकर्षक ऑफर्स भी शुरू किए गए हैं। 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत चुनिंदा भारतीय ब्रांडों की खरीदारी करने वाले ग्राहकों को निश्चित उपहार मिलेगा।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अशोकनगर में बन रहे भाजपा दफ्तर का लिया जायजा

विश्व केसरी

अशोकनगर। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना के सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अशोकनगर में निर्माणाधीन भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

इस दौरान ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जिला पदाधिकारियों से कार्यालय की निर्माण योजना एवं प्रस्तावित सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने समीक्षा के दौरान कार्यालय के डिजाइन की सराहना करते हुए इसे आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकताओं के अनुरूप अधिक आधुनिक और फ्यूचर-रेडी बनाने पर बल दिया।

उन्होंने सुझाव दिया कि कार्यालय परिसर में अधिक खाली स्थान विकसित किए जाएं, ताकि कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों के लिए यह परिसर अधिक उपयोगी और सुविधाजनक बन सके। बैठक में जिला पदाधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री को मोर्चा कार्यालयों, लॉन, जनसभा एवं सार्वजनिक संबोधन के लिए मंच, वीआईपी प्रवेश द्वार तथा अन्य प्रस्तावित सुविधाओं की जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री ने निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने पर जोर दिया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक तिवारी सहित पार्टी के जिला पदाधिकारी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमृत भारत स्टेशन योजना : जैसलमेर रेलवे स्टेशन पर विश्वस्तरीय सुविधाएं, 17 जुलाई को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

विश्व केसरी

जैसलमेर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार यानी 17 जुलाई को देशभर के 75 पुनर्विकसित अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। इसी क्रम में उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के जैसलमेर, बाड़मेर और गोटन रेलवे स्टेशनों का भी उद्घाटन होगा।

जैसलमेर रेलवे स्टेशन पर स्थानीय स्तर पर उद्घाटन समारोह दोपहर 2:30 बजे आयोजित किया जाएगा, जबकि प्रधानमंत्री दोपहर 3:30 बजे वर्चुअल माध्यम से स्टेशन का लोकार्पण करेंगे।

जैसलमेर रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उनके साथ जैसलमेर विधायक छोटू सिंह भाटी, भाजपा जिलाध्यक्ष दलपतराम हिंगड़ा, भाजपा शहर अध्यक्ष अरुण पुरोहित सहित कई जनप्रतिनिधि और रेलवे अधिकारी मौजूद रहेंगे।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान बताया करीब 140 करोड़ रुपए की लागत से जैसलमेर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया गया है।

स्टेशन को आधुनिक यात्री सुविधाओं से लैस किया गया है, जिसमें वातानुकूलित प्रतीक्षालय, 16 बेड और सात कमरों वाली डॉर्मिटरी, तीनों प्लेटफॉर्म पर एंड-टू-एंड शेल्टर तथा बेहतर यात्री सुविधाएं शामिल हैं।

उन्होंने आगे बताया कि स्टेशन पर पिट लाइन भी तैयार हो चुकी है, जिससे ट्रेनों के रखरखाव का कार्य शुरू हो गया है। पार्किंग और वेटिंग रूम की आउटसोर्सिंग व्यवस्था भी पूरी कर ली गई है। जैसलमेर रेलवे स्टेशन पर पहले यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

रेलवे के मुताबिक, पिछले एक वर्ष में जोधपुर-दिल्ली के बीच रुणिचा एक्सप्रेस और स्वर्ण नगरी एक्सप्रेस जैसी नई ट्रेनों के संचालन से यात्रियों, विशेषकर रक्षा बलों के अधिकारियों और जवानों को लाभ मिला है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जैसलमेर स्टेशन का आधुनिकीकरण पर्यटन को नई गति देगा और स्थानीय व्यापार, रोजगार तथा क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

कक्षा 9 से तीसरी भाषा पढ़ाना छात्रों पर बढ़ाता है दबावः सुप्रीम कोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सीबीएसई के तीन-भाषा फॉर्मूले के तहत कक्षा 9 से तीसरी भाषा शुरू किए जाने पर चिंता जताई। अदालत ने कहा कि बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों पर इस स्तर पर नई भाषा थोपना अनावश्यक मानसिक दबाव बढ़ा सकता है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि तीसरी भाषा की पढ़ाई कक्षा 6 से शुरू की जानी चाहिए।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और आर. महादेवन की पीठ तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें राज्य के प्रत्येक जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) स्थापित करने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया था।

सुनवाई के दौरान तीन-भाषा नीति का मुद्दा सामने आने पर न्यायमूर्ति

नागरत्ना ने कहा, 'कृपया 9वीं कक्षा में नई भाषा शुरू मत कीजिए। तीसरी भाषा 5वीं या 6वीं कक्षा से शुरू की जा सकती है और 9वीं तक उसका अध्ययन पूरा हो जाना चाहिए। देखिए, छात्रों पर कितना दबाव होता है। अपनी सरकार को इस बारे में सलाह दीजिए। मेरे भीतर का छात्र अभी भी जिंदा है।'

जब अदालत को बताया गया कि सीबीएसई स्कूलों में तीसरी भाषा कक्षा 9 से अनिवार्य होती है, तो पीठ ने कहा कि यह छात्रों पर अनावश्यक शैक्षणिक बोझ डालता है।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, 'यह ठीक नहीं है। 9वीं कक्षा पहले से ही तनावपूर्ण होती है। इसी समय नई भाषा क्यों शुरू की जाती है? इसे 6वीं कक्षा से शुरू किया जाना चाहिए।

उन्होंने अपने छात्र जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके स्कूल में कन्नड़, हिंदी या संस्कृत को तीसरी भाषा के रूप में चुनने का विकल्प था और भाषा सीखने की शुरुआत जितनी जल्दी हो, उतना बेहतर होता है।

पीठ ने कहा कि अधिकांश छात्र 8वीं कक्षा के अंत से ही 10वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी शुरू कर देते हैं। ऐसे में 9वीं में नई भाषा जोड़ना उनके लिए अतिरिक्त दबाव पैदा करेगा।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सीएम डीके शिवकुमार की 'जेल' वाली टिप्पणी पर पलटवार किया

विश्व केसरी

बेंगलुरु। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके. शिवकुमार के जेल भेजे जाने वाले हालिया बयानों पर पलटवार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री प्रस्तावित 'बिदादी टाउनशिप प्रोजेक्ट' से जुड़े विवाद के बीच जनता की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि जेल जाना मेरे लिए कोई नई बात नहीं है, और कुछ लोग यह पचा नहीं पा रहे हैं कि मैं मुख्यमंत्री बन गया हूं।उन्होंने प्रस्तावित बिदादी टाउनशिप प्रोजेक्ट को लेकर चल रहे विवाद के बीच केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और उनके पिता, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा पर तीखा हमला किया।

उन्होंने बेंगलुरु में मीडिया से बात करते हुए कहा कि कोई भी शिवकुमार को जेल भेजने की कोशिश नहीं कर रहा है। गलत काम या भ्रष्टाचार का दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून के नतीजों का सामना करना पड़ेगा।

जोशी ने कहा कि डीके शिवकुमार को कोई जेल नहीं भेजेगा। अगर वह किसी गलत काम या भ्रष्टाचार के कारण जेल जाते हैं, तो कोई उन्हें रोक नहीं सकता। वह अब जेल की बात क्यों कर रहे हैं? क्या आपने कुछ गलत किया है? यह सहानुभूति पाने की कोशिश लगती है। मुख्यमंत्री को याद रखना चाहिए कि वह कोई तानाशाह या राजा नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री होने से कोई तानाशाह या राज्य का राजा नहीं बन जाता। उन्हें यह समझना चाहिए और उसी के अनुसार व्यवहार करना चाहिए। साथ ही उन्होंने सीएम शिवकुमार से केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों का जवाब देने का आग्रह किया।

प्रस्तावित टाउनशिप प्रोजेक्ट का जिक्र करते हुए जोशी ने कहा कि राज्य सरकार को किसानों की जमीन जबरदस्ती लेने के बजाय उन्हें मनाना चाहिए।

उन्होंने पूछा कि किसानों की जमीन लेने और टाउनशिप विकसित करने के बजाय, सरकार को उन्हें मनाना चाहिए।

गुजरात के कच्छ में कुछ ही मिनटों के अंतराल पर भूकंप के तीन झटके, दहशत में आए लोग

विश्व केसरी

गांधीनगर। गुजरात के कच्छ जिले में गुरुवार दोपहर कुछ ही मिनटों के अंतराल पर भूकंप के तीन झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.6 और 3.2 दर्ज की गई। फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईएसआर), गांधीनगर के अनुसार पहला झटका दोपहर 2:20 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 3.6 थी। इसका केंद्र कच्छ के खावड़ा से 32 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पूर्व में स्थित था। भूकंप की गहराई 22.6 किलोमीटर दर्ज की गई।

इसके करीब तीन मिनट बाद 2:23 बजे दूसरा झटका आया, जिसकी तीव्रता 3.2 मापी गई। इसका केंद्र धोलावीरा से 32 किलोमीटर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में था और इसकी गहराई 12.9 किलोमीटर रही। इसी स्थान पर एक और हल्का भूकंपीय कंपन भी दर्ज किया गया।

लगातार आए इन झटकों से आसपास के इलाकों में लोगों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। हालांकि, अब तक किसी प्रकार के नुकसान या हताहत होने की सूचना सामने नहीं आई है।

इससे पहले 22 अप्रैल 2026 को गुजरात के आणंद और आसपास के इलाकों में 3.4 तीव्रता का भूकंप आया था। शाम करीब 4:35 बजे आए उस भूकंप का केंद्र आणंद से लगभग 36 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था। उस दौरान भी किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं मिली थी।

वहीं, 21 अप्रैल को सौराष्ट्र क्षेत्र के राजकोट जिले में 3.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। इससे पहले 29 मार्च को अमरेली जिले में 3.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका केंद्र अमरेली से करीब 42 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में 11.6 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

इसके अलावा 28 और 29 मार्च के बीच अमरेली जिले के सावरकुंडला और मितियाला क्षेत्र में लगातार भूकंपीय गतिविधियां दर्ज की गई थीं।

बेंगलुरुः क्लासरूम में गिरकर स्कूली छात्र की मौत, माता-पिता ने लापरवाही का लगाया आरोप

विश्व केसरी

बेंगलुरु। बेंगलुरु के एक प्राइवेट स्कूल में 12 साल के एक छात्र की क्लासरूम के अंदर गिरकर मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि स्कूल मैनेजमेंट की लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ। परिवार ने कोनानकुंटे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद गुरुवार को एफआईआर दर्ज की गई।

मृतक की पहचान अरहान पाशा के तौर पर हुई है, जो बैनरघट्टा रोड पर वीवर्स कॉलोनी में स्थित एक स्कूल का छात्र था।

हालांकि यह घटना 10 जून को हुई थी लेकिन परिवार द्वारा स्कूल प्रशासन पर आरोप लगाने के बाद ही यह मामला सामने आया। अभिभावक के अनुसार अरहान दोपहर का खाना खाकर स्कूल गया था और बिल्कुल ठीक लग रहा था।

परिवार के एक सदस्य ने कहा, 'स्कूल जाने से पहले उसने अपने पिता को बाय कहा था। हमने कभी नहीं सोचा था कि वह आखिरी बार होगा जब हम उसे जीवित देख पाएंगे।

परिवार का आरोप है कि अरहान ने अपनी क्लास टीचर को बताया था कि उसे अच्छा महसूस नहीं हो रहा है और चक्कर आ रहे हैं। हालांकि, उनका दावा है कि उसकी बात को नजरअंदाज कर दिया गया और उसे चुप रहकर अपनी सीट पर वापस जाने के लिए कहा गया।

दुखी माता-पिता ने आरोप लगाया, 'हमारे बेटे ने अपने टीचरों को बताया था कि वह ठीक महसूस नहीं कर रहा है। बाद में दूसरे बच्चों ने हमें बताया कि टीचर ने उसकी देखभाल करने के बजाय उसे बैठने के लिए कहा। हम मैनेजमेंट और स्टाफ पर भरोसा करके अपने बच्चों को स्कूल भेजते हैं लेकिन उन्होंने पूरी तरह से लापरवाही दिखाई।

शिकायत के अनुसार, बाद में अरहान क्लास रूम की बेंच पर गिर पड़ा। परिवार का आरोप है कि घटना की जानकारी मिलने से पहले वह लगभग 45 मिनट तक स्कूल परिसर के अंदर ही रहा।

हर्षोल्लास–धूमधाम के साथ निकली प्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा

राज्यपाल डेका और मुख्यमंत्री साय भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में हुए शामिल, प्रदेश की खुशहाली की कामना की

विश्व केसरी

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आयोजित भव्य रथयात्रा महोत्सव में शामिल हुए। दोनों ने विधिवत पूजा–अर्चना कर भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा पारंपरिक 'छेरा–पहरा' की रस्म निभाते हुए प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की आस्था, भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। वैदिक मंत्रोच्चार, भजन–कीर्तन और जयघोष के बीच भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान

बलभद्र और देवी सुभद्रा की प्रतिमाओं को विशेष विधि–विधान के साथ मंदिर से रथ तक लाया गया। इसके पूर्व राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पारंपरिक रीति से सोने की झाड़ू द्वारा छेरा–पहरा की रस्म निभाकर रथमार्ग का प्रतीकात्मक शुद्धिकरण किया। इसके पश्चात महाप्रभु की प्रतिमाओं को श्रद्धापूर्वक रथ पर विराजित किया गया और रथयात्रा का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर राज्यपाल डेका एवं मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों को रथयात्रा की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता, लोकपरंपरा और जन–जन की आस्था का महापर्व है। यह उत्सव समाज को सेवा, समर्पण, समानता और लोककल्याण का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ किसानों के आराध्य और अन्नदाता के रक्षक माने जाते हैं। उनकी कृपा से समय पर वर्षा होती है, खेतों में हरियाली आती है, धान की बालियों में दूध भरता है और किसानों के घरों में समृद्धि का आगमन होता है। उन्होंने भगवान श्री जगन्नाथ से प्रार्थना की कि इस वर्ष प्रदेश में भरपूर वर्षा हो, कृषि समृद्ध हो, किसानों की मेहनत सफल हो और छत्तीसगढ़ निरंतर विकास एवं खुशहाली के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का दिव्य आशीर्वाद समस्त प्रदेशवासियों पर बना रहे तथा सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और मंगल का संचार हो। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं को सशक्त बनाने के साथ–साथ समाज में सद्भाव, एकता और सामूहिक चेतना को भी नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

विधानसभा में गूंजा कामधेनु विश्वविद्यालय में उपकरणों की खरीदी का मुद्दा, विधायक ललित चंद्राकर के सवाल पर मंत्री ने दिया जवाब

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को दुर्ग के अंजोरा में स्थित दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय का एक मामला सदन में गूंजा। प्रश्नकाल के दौरान विधायक ललित चंद्राकर ने विश्वविद्यालय में हुई तकनीकी उपकरणों की खरीदी का मुद्दा उठाया।

सदन में विधायक ललित चंद्राकर ने पूछा कि पिछले 2 साल के भीतर विश्वविद्यालय में हुई उपकरणों की खरीद में पूरी प्रक्रिया में नियमों का सही तरीके से पालन किया गया। क्या क्रय समिति में तकनीकी तौर पर सक्षम लोगों को जगह दी गई थी।

विधानसभा में उठा जीईएम पोर्टल से खरीदी का विवाद

जिसके जवाब में पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम ने बताया कि वर्ष 2024 से लेकर 25 जून 2026 तक विश्वविद्यालय ने कुल 9 तकनीकी उपकरणों की खरीद की है। यह सभी उपकरण सरकारी बाजार यानी त्द्गरू पोर्टल और कोटेशन की तय प्रक्रिया के माध्यम से ही मंगाए गए हैं। पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता का पूरा ध्यान रखा गया है।

मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विधायक ललित चंद्राकर ने आरोप लगाया कि खरीदारी में नियमों की अनदेखी की गई है। जिसके बाद सदन का माहौल काफी गर्म हो गया।

विशेषज्ञों की मौजूदगी में पूरी हुई क्रय प्रक्रिया: नेताम

मंत्री रामविचार नेताम ने क्रय समिति का पूरा ब्योरा सदन के सामने रखा। उन्होंने बताया कि उपकरण खरीद के लिए बनाई गई समिति में डेयरी विभाग के 2 तकनीकी विशेषज्ञों को बाकायदा सदस्य बनाया गया था। इन दोनों विशेषज्ञों की सीधी मौजूदगी में ही पूरी खरीद प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया था। इसलिए इस पूरी सरकारी खरीदी में किसी भी तरह की कोई अनियमितता या गड़बड़ी नहीं हुई है।

सरकार की ओर से आए इस स्पष्टीकरण के बाद भी विपक्ष ने तकनीकी मानकों को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। जिसके जवाब में मंत्री ने बताया कि सभी 9 उपकरणों की खरीद निर्धारित सरकारी गाइडलाइंस के अनुरूप ही हुई है। मंत्री के जवाब के बाद सत्ता और विपक्ष में तीखी बहस हुई।

नवा रायपुर में सेवाग्राम की स्थापना पर सदन में हंगामा, अजय चंद्राकर और भूपेश बघेल के बीच तीखी बहस

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नवा रायपुर में निर्मित सेवाग्राम के औचित्य पर सवाल उठाए गए। सत्ता पक्ष के विधायक ने इसे लोकधन का दुरूपयोग बताते हुए वित्त मंत्री को जमकर घेरा। चर्चा के दौरान ही अजय चंद्राकर और भूपेश बघेल के बीच तीखी बहस से सदन का माहौल गरमा गया, बाद मे अपने इसके लिए अजय चंद्राकर ने सदन में खेद व्यक्त किया।

प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने पूछा नया रायपुर में सेवाग्राम के लिए 125 करोड़ क्यों खर्च किया गया। इसके संचालन के लिए क्या सेटअप स्वीकृत किया गया है। एक व्यक्ति विशेष की स्वेच्छाचारिता के चलते लोकधन का दुरूपयोग क्यों किया गया। जवाब में वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने बताया कि यह 2022 का पूर्व सरकार की योजना है जिसका उद्देश्य महात्मा गांधी के आत्मनिर्भर भारत के विचार को साकार कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्त बनाना था। सेवाग्राम के सभी कार्य पूर्ण हो गए हैं परंतु इसके संचालन के लिए कोई सेटअप स्वीकृत नहीं हुआ है।

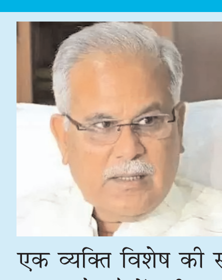

मंत्री के जवाब के बाद अजय चंद्राकर ने इसे एक व्यक्ति विशेष की स्वेच्छाचारिता बताते हुए इसे जनता के पैसों की बर्बादी बताया। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री ने आपत्ति जताते हुए कुछ बोलना चाहा परन्तु अजय चंद्राकर ने अपने तीखे बोल से उन्हें बैठने को मजबूर कर दिया, इस बीच भूपेश बघेल और अजय चंद्राकर में जमकर जुबानी जंग हुई जिससे सदन का माहौल गरमा गया। अंत में भाजपा विधायक चंद्राकर ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को आहत करना नहीं था, अगर उनकी टिप्पणी से भूपेश जी की भावनाएं आहत हुई है तो इसके लिए वह सदन में खेद व्यक्त करते हैं, इसके लिए भूपेश बघेल ने भी उन्हें धन्यवाद देते हुए मामले का पटाक्षेप कर दिया।

प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में भ्रष्टाचार, 1400 महिलाओं के 61 लाख रुपये गबन का आरोप, विपक्ष का वॉकआउट

बस्तर संभाग में प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में भ्रष्टाचार का मामला विधानसभा में गूंजा। विपक्ष ने आरोप लगाया कि इस योजना के तहत 1400 महिलाओं का पैसा अधिकारियों ने डकार लिया है। दोषियों पर कार्रवाई की मांग कांग्रेस विधायक ने की जिसके लिए विभागीय मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े तैयार नहीं हुई। इससे असंतुष्ट होकर कांग्रेस विधायकों ने सदन से बहिर्गमन कर दिया।

विधानसभा में ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से विपक्ष के विधायक विक्रम मंडावी ने यह मामला उठाया। उन्होंने बताया कि बस्तर संभाग में केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत गर्भवती और शिशुवती माताओं को दी जाने वाली पोषण सहायता की राशि अज्ञात बैंक खाते में हस्तांतरित कर दी जिससे 1400 महिलाओं के खाते में 61लाख 37 हजार रुपए जमा नहीं हुए। इसे महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने बंदरबाट कर लिए। कांग्रेस विधायक ने इसे बड़ा घोटाला बताते हुए दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। विभागीय मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने ऐसी किसी गड़बड़ी से इनकार करते हुए जांच के लिए तैयार नहीं हुईं । इस पर विपक्ष ने सरकार पर दोषियों को बचाने का आरोप लगाते हुए सदन में नारेबाजी की और कार्यवाही से वॉकआउट कर अपनी नाराजगी जाहिर की।

स्टील प्लांट के लिए जमीन आबंटन पर सदन में हंगामा

रायपुर जिले के तिल्दा जनपद पंचायत के ग्राम अलदा और देवरी घुलघुल में स्टील प्लांट के विस्तार के लिए जमीन आबंटन में अनियमितता का मामला आज सदन में गूंजा। विपक्ष ने दोषियों पर एफआईआर की मांग की परन्तु विभागीय मंत्री इसका संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए। इससे असंतुष्ट होकर कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। प्रश्नकाल के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह मामला उठाते हुए पूछा कि अलदा में बालाजी स्पंज एवं आयरन लिमिटेड और ग्राम देवरी घुलघुल में अग्रसेन स्टील एंड पॉवर लिमिटेड की स्थापना, विस्तार, पर्यावरण एनओसी या भूमि आबंटन में नियमों का पालन किया गया। ग्रामीणों की शिकायत पर किनके खिलाफ स्न्ढ्ढक्र कराई गई। इसमें सरपंच और सचिव को क्यों बचाया जा रहा है। जमीनों का बंदरबाट करने का आरोप लगाते हुए विपक्ष ने दोनों उद्योग संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की।

6 वर्षीय मासूम की आहार नली से निकाला गया सिक्का, बची जान

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर के कान, नाक एवं गला (ईएनटी) विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने तत्परता दिखाते हुए एक 6 वर्षीय मासूम की जान बचा ली है। बैगा जनजाति के इस बालक ने खेलते समय गलती से सिक्का निगल लिया था, जो उसकी आहार नली (अन्ननली) में फंस गया था। डॉक्टरों की टीम ने बेहद जटिल और आपातकालीन स्थिति में सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर सिक्के को बाहर निकाला।

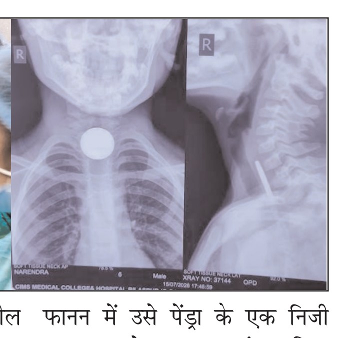

जानकारी के अनुसार, बिलासपुर जिले के कोटा तहसील अंतर्गत ग्राम सरगोंड का निवासी 6 वर्षीय बालक नरेंद्र खेलते समय सुबह करीब 7 बजे अचानक सिक्का निगल गया। इसके तुरंत बाद उसे कुछ भी निगलने में अत्यधिक परेशानी होने लगी। परिजन आनन–फानन में उसे पेंड्रा के एक निजी अस्पताल लेकर गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल सिम्स बिलासपुर रेफर कर दिया गया। बालक को शाम करीब 6.30 बजे सिम्स लाया गया, जिसके बाद अस्पताल का पूरा अमला सक्रिय हो गया। रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह ने तत्काल एक्स–रे कर अन्ननली के ऊपरी भाग (श्वासनली के मुहाने के ठीक पीछे) में फंसे सिक्के की सटीक लोकेशन की पहचान की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. मधुमिता मूर्ति की टीम ने बच्चे को सामान्य एनेस्थीसिया दिया। इसके बाद ईएनटी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. आरती पाण्डेय एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. श्वेता मित्तल के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने रिजिड इसोफैगोस्कोपी तकनीक के जरिए अत्यंत सावधानी से सिक्के को

जयंत वैष्णव बने मुख्यमंत्री सुरक्षा के नए एसपी

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस महकमे से इस वक्त की एक बड़ी खबर सामने आ रही है। राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री की सुरक्षा में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। राज्य पुलिस सेवा अधिकारी जयंत वैष्णव को मुख्यमंत्री सुरक्षा का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है।हाल ही में हुए पुलिस फेरबदल में हरीश राठौर को कोरिया जिले का नया एसपी बनाया गया था। उनके ट्रांसफर के बाद से ही सीएम सुरक्षा का यह महत्वपूर्ण पद रिक्त चल रहा था।

एम्स रायपुर में जल्द बनेगी अत्याधुनिक एडवांस्ड बर्न यूनिट

विश्व केसरी

रायपुर। विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर के बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग द्वारा वैज्ञानिक एवं जन–जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्लास्टिक एवं पुनर्निर्माण (रिकंस्ट्रक्टिव) सर्जरी की व्यापक उपयोगिता, आधुनिक उपचार पद्धतियों तथा इससे मरीजों के जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलावों के प्रति लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एम्स रायपुर के कार्यपालक

निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने कहा कि संस्थान का बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग जन्मजात चेहरे एवं हाथ–पैरों की विकृतियों, कटे होंठ एवं तालू (क्लेफ्ट लिप एवं पैलेट), जलने से होने वाली विकृतियों, दुर्घटनाओं में क्षतिग्रस्त अंगों, नसों की चोट, सौंदर्य संबंधी समस्याओं तथा माइक्रोवैस्कुलर रिकंस्ट्रक्शन जैसी जटिल शल्य चिकित्सा में महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि एम्स रायपुर में शीघ्र ही अत्याधुनिक एडवांस्ड बर्न यूनिट स्थापित की जाएगी, जिससे गंभीर रूप से झुलसे मरीजों को और बेहतर एवं समर्पित उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा।

कार्यक्रम में देश के वरिष्ठ प्लास्टिक सर्जन तथा नई दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल और जवाहरलाल आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान स्नातकोत्तर संस्थान (जिपमर), पुडुचेरी के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. करुण अग्रवाल ने विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

आन ऑटोटेक का एक और बड़ा कदम : दूसरे 3एम कार केयर स्टूडियो की शानदार लॉन्चिंग

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अपनी लग्ज़री गाड़ियों को सुरक्षित और खूबसूरत बनाए रखने वाले ऑटोमोबाइल प्रेमियों के लिए एक शानदार खबर है। गाड़ियों की बेहतरीन चमक और सुरक्षा (पेंट प्रोटेक्शन) की लगातार तेज़ी से बढ़ रही रीजनल डिमांड को देखते हुए, आन ऑटोटेक ने रायपुर में अपना दूसरा '3M कार केयर स्टूडियो' लॉन्च कर दिया है। अंबुजा मॉल के ठीक सामने स्थित यह स्टूडियो भी भारत में '3M कार केयर स्टूडियो' की चेन की सर्टिफाइड साइंटिफिक डिटेलिंग तकनीक से अपनी सेवाएं देने लिए पूरी तरह तैयार है।

भव्य उद्घाटन समारोह और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति

इस नई और भव्य फैसिलिटी का औपचारिक शुभारंभ राम कुमार केशरवानी और प्रभा केशरवानी के कर–कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. विवेक केशरवानी की गरिमामयी

उपस्थिति भी रही। इस हाई–प्रोफाइल इवेंट में शहर के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के जाने–माने लोगों के साथ ही गाड़ियों के शौकीन लोग शामिल हुए, जिन्होंने इस नई शुरुआत का गर्मजोशी से स्वागत किया।

ग्राहकों का भरोसा और आन ऑटोटेक की मजबूत साख

युवा और दूर की सोच रखने वाले बिज़नेस लीडर प्रशांत केशरवानी के नेतृत्व में 3M कार केयर चेन का यह विस्तार, सीधे तौर पर ब्रांड के प्रति ग्राहकों के उस गहरे विश्वास को दर्शाता है, जिसके चलते पूरे भारत में 3रू के 100 से अधिक आउटलेट्स सफलतापूर्वक चल रहे हैं। मध्य भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर में आन ऑटोटेक पहले से ही एक बेहद मजबूत और प्रतिष्ठित नाम है। यह ग्रुप ऑडी, होंडा कार्स, होंडा बिगविंग और रॉयल एनफील्ड जैसे विश्व प्रसिद्ध ब्रांड्स की प्रीमियम डीलरशिप का भी शानदार तरीके से संचालन कर रहा है।

स्मार्ट डिजाइन, बेहतर सुविधा और ग्राहकों के लिए नया अनुभव

अंबुजा मॉल के सामने इस प्राइम लोकेशन को विशेष रूप से ग्राहकों की सहूलियत को ध्यान में रखकर चुना गया है, ताकि वे मॉल में अपनी रोजमर्रा की लाइफस्टाइल और आउटिंग के साथ–साथ अपनी गाड़ी की केयर को आसानी से जोड़ सकें। ट्रेडिशनल वर्कशॉप्स की तुलना में, इस नए स्टूडियो को एक बेहद ऑर्गेनाइज़्ड 'फ्लोर प्लान' के साथ डिज़ाइन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य वर्कफ्लो को बेहतर बना कर हर ग्राहक को बिना किसी परेशानी के एक प्रीमियम अनुभव देना है।

वर्ल्ड क्लास तकनीक

यह नया स्टूडियो पूरी तरह से वर्ल्ड क्लास तकनीकों पर आधारित है जहां आपको 3रू के खास कार केयर प्रोडक्ट्स और एक्सेसरीज़ भी मिलती है।

छत्तीसगढ़ में लागू हुआ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 2026, अधिसूचना जारी

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गलत तरीके से धर्म परिवर्तन कराने वालों के खिलाफ सरकार ने अब तक का सबसे सख्त कदम उठाया है। राज्य शासन ने पूरे प्रदेश में धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम–2026 को पूरी तरह से प्रभावी कर दिया है। इस कानून के लागू होते ही अब धोखे से धर्म बदलने वालों की मुश्किलें बेहद बढ़ गई हैं।

राजपत्र में इस कानून का प्रकाशन होने के बाद से पुलिस और प्रशासन को विशेष शक्तियां मिल गई हैं। यही वजह है कि अब प्रदेश में किसी भी नागरिक को डराकर या लालच देकर धर्म बदलने पर सीधे जेल जाना होगा। नए नियमों के तहत सजा की अवधि को पहले के मुकाबले काफी कड़ा कर दिया गया है।

सामूहिक धर्मांतरण पर अब सीधे आजीवन कारावास

इस कानून के तहत अगर कोई व्यक्ति बलपूर्वक या धोखाधड़ी से सामूहिक धर्मांतरण कराता है, तो उसे सख्त सजा दी जाएगी। अदालत ऐसे दोषियों को अब सीधे आजीवन कारावास तक की सजा सुना सकती है। इसके साथ ही दोषियों पर 25 लाख रुपये तक का भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

पीड़ित के आधार पर तय होगी सजा की अवधि

अगर धर्म परिवर्तन की शिकार कोई महिला, नाबालिग या अनुसूचित जाति–जनजाति (SC/ST/OBC) वर्ग का व्यक्ति होता है, तो कानून और अधिक सख्त हो जाएगा। इस स्थिति में दोषी पाए जाने पर न्यूनतम 10 साल से लेकर अधिकतम 20 साल तक की जेल हो सकती है।

संपादकीय

क्या फिर से लौट रहा कोरोना वायरस?

महेन्द्र तिवारी

कोरोना महामारी ने दुनिया को जो अनुभव दिया, उसने स्वास्थ्य व्यवस्था से लेकर अर्थव्यवस्था, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन तक सब कुछ बदल दिया। वर्षों तक चले लॉकडाउन, मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और टीकाकरण अभियानों के बाद जब जीवन धीरे धीरे सामान्य होने लगा, तब अधिकांश लोगों ने यह मान लिया कि कोरोना अब इतिहास बन चुका है। लेकिन हाल के दिनों में देश के कुछ राज्यों से कोविड 19 के नए मामले सामने आने और आंध्र प्रदेश में संक्रमण से दो लोगों की मौत की खबर ने एक बार फिर लोगों के मन में पुराने सवाल जगा दिए हैं। क्या कोरोना वायरस फिर लौट रहा है? क्या फिर मास्क पहनना अनिवार्य होगा? क्या सोशल डिस्टेंसिंग की वापसी होगी? या यह केवल सीमित स्तर पर संक्रमण का सामान्य उतार चढ़ाव है?

हाल की घटनाओं पर नजर डालें तो आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में कोविड 19 के आठ सक्रिय मामलों की पुष्टि हुई है और दो संक्रमित मरीजों की मौत हुई है। इसके बाद राज्य सरकार ने निगरानी, सैंपलिंग, जीनोम सीक्वेंसिंग और अस्पतालों की तैयारियों को मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने अस्पतालों में आवश्यक दवाओं, जांच किट और सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को भी कहा है। यह कदम इस बात का संकेत है कि स्वास्थ्य तंत्र किसी भी संभावित स्थिति के लिए पहले से तैयार रहना चाहता है।

उत्तर प्रदेश में वाराणसी के आशापुर क्षेत्र के 27 वर्षीय युवक की कोविड जांच पॉजिटिव आने के बाद उसे बीएचयू अस्पताल में भर्ती कराया गया। युवक को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत थी। इसी तरह महाराष्ट्र, विशेषकर मुंबई में भी कुछ नए मामलों की पुष्टि हुई है। इन घटनाओं के बाद संबंधित राज्यों के स्वास्थ्य विभागों ने सतर्कता बढ़ा दी है। हालांकि मामलों की संख्या अभी बहुत अधिक नहीं है, लेकिन अलग अलग राज्यों में संक्रमण का दिखाई देना इस बात की याद दिलाता है कि वायरस पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।

इन खबरों के बीच प्रसिद्ध गायक और बिग बॉस 14 के पूर्व प्रतिभागी जान कुमार सानू के कोरोना संक्रमित होने की खबर भी चर्चा का विषय बनी। सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के संक्रमित होने पर आम लोगों का ध्यान स्वाभाविक रूप से इस ओर जाता है, लेकिन किसी एक या कुछ मामलों को व्यापक महामारी का संकेत मान लेना उचित नहीं होगा। महामारी विज्ञान में किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए संक्रमण की दर, अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या, गंभीर मरीजों का अनुपात और सामुदायिक प्रसार जैसे कई संकेतकों का अध्ययन किया जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड 19 का वायरस अब पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। यह अन्य श्वसन संक्रमणों की तरह समय समय पर नए स्वरूपों के साथ सामने आ सकता है। अधिकांश देशों में अब कोविड की निगरानी सामान्य सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का हिस्सा बन चुकी है। इसका अर्थ यह नहीं है कि हर नया मामला नई महामारी की शुरुआत है, बल्कि यह कि स्वास्थ्य तंत्र लगातार स्थिति पर नजर रख रहा है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या फिर मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग की वापसी होगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए इसका उत्तर फिलहाल नहीं है। केंद्र स्तर पर ऐसी कोई नई राष्ट्रीय अनिवार्य गाइडलाइन जारी नहीं की गई है, जिसमें सभी नागरिकों के लिए मास्क पहनना या सामाजिक दूरी बनाए रखना अनिवार्य किया गया हो। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञ यह सलाह अवश्य दे रहे हैं कि भीड़भाड़ वाले स्थानों, अस्पतालों और बंद कमरों में मास्क पहनना अभी भी एक अच्छा एहतियाती उपाय है। जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, बुजुर्ग हैं या पहले से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, उन्हें अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

कोरोना महामारी के दौरान हमने सीखा था कि संक्रमण की रोकथाम केवल सरकारी नियमों से नहीं होती, बल्कि व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यदि किसी व्यक्ति को बुखार, लगातार खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे जांच करानी चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। बीमारी की स्थिति में भीड़भाड़ से बचना और दूसरों के संपर्क को सीमित रखना न केवल कोविड बल्कि अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम में भी उपयोगी है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस समय घबराने के बजाय सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। कोविड 19 के अधिकांश नए मामलों में गंभीर बीमारी नहीं देखी जा रही है, लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि सावधानी पूरी तरह छोड़ दी जाए। महामारी के वर्षों ने यह साबित किया कि शुरुआती लापरवाही संक्रमण को तेजी से फैलने का अवसर देती है। इसलिए समय पर जांच, संक्रमित व्यक्ति का उपचार और आवश्यकतानुसार अलग रहना आज भी प्रभावी रणनीति मानी जाती है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक सकारात्मक पक्ष भी है। 2020 की तुलना में आज भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था कहीं अधिक तैयार है। देश के अधिकांश अस्पतालों में कोविड प्रबंधन का अनुभव है।

परमाणु संयंत्र का डाटा लीक हो गया, क्या ऐसी साइबर सुरक्षा के भरोसे आगे बढ़ेगा डिजिटल इंडिया?

नीरज कुमार दुबे

देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि रैनसमवेयर गिरोह 'वर्ल्ड लीक्स' ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं।

इस बीच, रिलायंस समूह ने मीडिया को बताया कि तीसरे पक्ष के भारतीय डाटा सेंटर प्रदाता योट्टा के सर्वर पर रखे गए उसके डाटा में आंशिक सेंधमारी हुई है। कंपनी के अनुसार सरकार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है, लेकिन किस प्रकार का डाटा प्रभावित हुआ, इसका खुलासा नहीं किया गया। दूसरी ओर योट्टा ने कहा कि उसने 29 मई को सर्वर पर संदिग्ध गतिविधियों का पता लगा लिया था और संदिग्ध रैनसमवेयर को सक्रिय होने से रोक दिया गया था। बाद में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने संभावित डाटा लीक के दावे की जानकारी दी। भौगोलिकसंदर्भ

हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकर्ताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज

शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

फिर भी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जानकारी शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी हमलावर को यह जानकारी मिल जाए कि परियोजना में किन व्यक्तियों, ठेकेदारों और प्रणालियों की पहुंच कहां तक है, तो वह प्रत्यक्ष रूप से परमाणु रिएक्टर पर हमला किए बिना भी उससे जुड़ी सहायक व्यवस्थाओं, आपूर्ति श्रृंखला या तीसरे पक्ष की प्रणालियों को निशाना बना सकता है। इससे परियोजना के संचालन, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर अप्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है।

इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। परमाणु ऊर्जा विभाग और प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि संबंधित हैकर गिरोह पहले भी कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों को निशाना बना चुका है।

देखा जाये तो यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना पर साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

एक साइबर सुरक्षा कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष भारत में लगभग दो करोड़ नवासी लाख खाते किसी न किसी रूप में डाटा समझौते का शिकार हुए, जिससे भारत विश्व के सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा। वहीं हाल के एक औद्योगिक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत भारतीय संस्थानों को यह तक जानकारी नहीं थी कि वे कभी साइबर हमले का शिकार हुए हैं या नहीं, जबकि 57 प्रतिशत संस्थानों में बुनियादी साइबर उपायों का भी अभाव है। इतिहास

देखा जाये तो कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना केवल बिजली उत्पादन का केंद्र नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु क्षमता और सामरिक आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार भी है। इस परियोजना पर किसी भी प्रकार का साइबर हमला या गोपनीय सूचनाओं का लीक होना सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। आधुनिक युद्ध में साइबर क्षेत्र को भूमि, जल, वायु और अंतरिक्ष के समान ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में महत्वपूर्ण अवसंरचना से संबंधित सूचनाओं का दुरुपयोग कर शत्रु देश या संगठित साइबर अपराधी बिना प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई के भी रणनीतिक दबाव बना सकते हैं।

बहरहाल, इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल परमाणु संयंत्र की आंतरिक सुरक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे जुडे ठेकेदारों, डाटा सेंटरों, आपूर्ति श्रृंखला और तीसरे पक्ष की डिजिटल प्रणालियों की सुरक्षा भी समान रूप से आवश्यक है। भविष्य में राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा, नियमित सुरक्षा परीक्षण, आपूर्ति श्रृंखला का कड़ा सत्यापन तथा संवेदनशील सूचनाओं की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय रक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए इस क्षेत्र में निवेश और समन्वय दोनों को और मजबूत करना होगा।

नेपाल में उठ रही हिंदी की मांग

उमेश चतुर्वेदी

नेपाल की जनकपुर उपमहानगर पालिका ने अपने अधीन प्राथमिक विद्यालय में मैथिली भाषा की पढ़ाई का फैसला लिया है। जनकपुर से महज तीस किलोमीटर दूर भारतीय सीमा में पहले से ही मैथिली की पढ़ाई हो रही है। भारत में मैथिली भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा है। चूंकि जनकपुर के आसपास मैथिलीभाषियों की अच्छी-खासी संख्या है। लिहाजा जनकपुर उपमहानगर पालिका के इस निर्णय का मैथिलभाषी समुदाय में स्वागत होना लाजमी है। लेकिन नेपाल का ही एक वर्ग इस फैसले के विरोध में उतर आया है। दिलचस्प यह है कि उसे मैथिली से कोई बुनियादी विरोध नहीं है, बल्कि वह चाहता है कि मधेस इलाकों में हिंदी की विधिवत पढ़ाईहोनी चाहिए। हिंदी समर्थक इस वर्ग का तर्क है कि इस कदम से नेपाल में बोली जाने वाली भारतीय मूल की भाषाओं के बीच एकता का संदेश जाएगा और यह एकता मधेस समुदाय की राजनीतिक ताकत को बढ़ावा देगी। लेकिन मधेस समाज के लोग अपनी-अपनी भाषाओं की अगर पढ़ाई पर जोर देने लगेंगे तो इससे मधेस समाज में बिखराव आएगा और उनकी एकता में दरार बढ़ेगी। इसका सीधा फायदा संख्या के लिहाज से मधेस समुदाय की तुलना में छोटा खस आर्य मूल के नेपाली समुदाय का नेपाल की राजनीति में वर्चस्व बना रह सकता है। भारतीयनौसेना जानकारी

नेपाल में भाषा को लेकर उठे इन सवालों पर विचार से पहले मधेस समुदाय के बारे में मोटे तौर पर कुछ बातें समझनाआवश्यक है। नेपाल में पहाड़ी मूल के अलावा तराई में जो लोग रहते हैं, उन्हें मधेस या मधेसी कहा जाता है। मधेस समुदाय की व्यापकता उत्तर प्रदेश की सीमा से लेकर बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल की सीमा तक नेपाली हिस्से में है। नेपाल की कुल जनसंख्या तीन करोड़ है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 53 प्रतिशत यानी लगभग एक करोड़ साठ लाख लोग मधेसी है। नेपाल में बड़ी जनसंख्या होने के बावजूद यहां की शासन व्यवस्था में पहाड़ी मूल के लोगों का ही वर्चस्व रहा है, जिनकी जनसंख्या करीब एक करोड़ चालीस लाख है।

मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सतार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं। नेपाल की राष्ट्रीय मुक्ति पार्टी के नेता रह चुके रमन पांडेय इन दिनों हिंदी के लिए स्वतंत्र रूप से अभियान चला रहे हैं। उनका तर्क है कि मैथिली की पढ़ाई से उन्हें एतराज नहीं है। लेकिन इससे मधेस समुदाय की आपसी एकता में दरार पड़ेगी। उनका कहना है कि नेपाल का पहाड़ी शासक समुदाय चाहता है कि मधेस समाज की एकता बाधित हो। यह उसके हित में है, क्योंकि मधेस जनसंख्या अगर बंटी होगी तो पहाड़ी मूल के लोगचुनावों में जीतते रहेंगे और कम संख्या के बावजूद वे देश पर शासन करते रहेंगे।

नेपाल में 133 भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन यहां मोटे तौर पर नेपाली और अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती है। नेपाल में हिंदी की पढ़ाई की मांग करने वाले वर्ग का तर्क है कि अगर हिंदी को शासकीय मान्यता मिलती है और उसकी पढ़ाई होती है तो वह नेपाल की सभी 133 भाषाओं के आपसी संपर्क का सबसे बड़ा जरिया होगी। यह मांग कुछ वैसे ही है, जैसे भारत में आपसी संपर्क भाषा के लिए हिंदी को अपनाने का विचार केशवचंद्र सेन, गुजराती कवि नर्मदा शंकर उपाध्याय, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और बिनोबा भावे सदृश हस्तियों ने दिया था। विनोबा और पुरूषोत्तम दास टंडन ने तो देवनागरी लिपि को दूसरी भाषाओं द्वारा अपनाए जाने और उसके विस्तार की जोरदार पैरवी की थी।

कविता

दरख़्त के मचान बनाकर न तोड़ो

आलोक कुमार चक्रवाल

दरख़्तों के मचान बनाकर न तोड़ो
बनाकर के नाता फिर कभी न छोड़ो
ये दुनिया है फ़ानी, ख़यालों से ऊपर
अमानत मिली है ख़यानत को छोड़ो।
कभी लब पे बातें ना लाओ तो अच्छा
जो शिकवे हैं दिल में दबाओ तो अच्छा
जो रुकती हैं सांसें तो सब कुछ रुकेगा
धड़कते हैं अरमां सो धड़कना है अच्छा ।
क़तल करना क़ातिल का मज़हब सही है
करे बेवफाई सो आशिक़ वही है
जो खेले हैं रूह से, फिर घबराना कैसा
रूहानी मोहब्बत ही मुसलसल सही है ।
तड़पते हुए दिल से निकली हैं यादें
निभाते नहीं उनको कहते हैं वादे
जो बातों में जिंदा है 'काफ़िर' वही है
करो गुफ्त-ए-गू उसकी दिन हो या रातें।
लपक लो जो मिलती है सौगात उनकी
न पैमाना मिलता ना पैमाइस उनकी
तज़ल्ली का मिलना है रहमत खुदा की
जो हासिल है उसकी कदर कर लो थोड़ी।
पकड़ना है मुझको सो पकड़ो रहम से
मैं जिंदा हूँ मानो तुम्हारे करम से
नई मंज़िलें होंगी औरों की ख़्वाहिश
हमें बस है चाहत तुम्हारी कसम से ।
मैं कतरन को सिल के बनाता हूँ कुर्ते
नहीं मिलता आगे जो नजरों से उतरे
उसूलों की फेहरिस्त लम्बी है मेरी
पड़ी मेरी मय्यत के जो दर से वो गुजरे ।
कहो तुम कहाँ तक रहोगे चमन में
क्या लाये हो परवाना हव्वा-आदम से?
झुकी नजरें उनकी सो अंजाम होगा
निगाहें मिली सो मिला लो अदब से
कोई तोड़ लाता है किनारों के पत्थर
बहाता है नदियाँ जमीं-ओ-समंदर
हरेक दौर में जुल्म-ए-आशिक हुए हैं
चलाकर के नश्तर वो देखे है हँसकर
मेरी छोटी बातों को दिल में न रखना
बड़ा दिल तुम्हारा है दिल में ही रहना
ये दुनिया बदलनी वफाओं का मेला
न बदले तुम, ऐसे ख़ुदा बन के रहना
कभी कोई मंजरभूलाकर भी देखो
हमारी कमी को भूलाकर भी देखो
के गुस्ताख़ होना है इंसानी फितरत
लिबास-ए-फरिश्ता चढ़ाकर भी देखो।
मिला कोई मुर्दा सो कफन ढूंढता हूं
जो मिल जाए इंसान सो वहम ढूंढता हूं
मेरे जिस्म-ओ जां में नहीं कोई कूवत
उसी की वजह से वजह ढूंढता हूं।
कमाई कमा करके दे दी है तुझको
नहीं पास अब कुछ टटोले क्यों मुझको
बची सांस मेरी सो गिनती करा लो
धमक मेरी मिटती गो हिलाती है मुझको।
मुझे छोड़ दो मेरी कसमें भी तोड़ो
बना कर के मंजिल सहारे को छोड़ो
बचा मेरे हिस्से में कुछ भी नहीं है
मेरी खाक-ए-रस्मों को मिट्टी पे छोड़ो।
वजूद
जिंदगी हर एक सांस का सबूत मांगती है ।
जो जी रहे हैं रिश्ते, तो वजूद मांगती है ।।
कफ़न के तार बन गए हैं, अब रंग आसमां के,
हर धूल से अब कब्र का हिसाब मांगती है ।
पत्थर नहीं था, टूटकर रस्ते में खो गया,
सीने पे जो पड़ा है, वो पहाड़ मांगती है ।
किस-किस को मैं कराऊँ मेरे जख्मों का मुजाहिरा ,
जो बिंध गया था उस जिगर का हाल मांगती है ।
अहले वफा के साथ जो बन गए 'काफ़िर',
हर लफ्ज़ से अब जिंदगी, अल्फ़ाज़ मांगती है ।
कश्ती वहां थी, तुमने जहां तोड़ दी पतवार;
उठती हुई हर मौज को मझधार मांगती है 7
ज़िंदगी
हर बार का यही किस्सा है
तू मिलता है
और बिछड़ जाता है
ऐ ज़िंदगी 7
तू मेरी हद में क्यों नहीं आती
माना के मैं हूं 'काफ़िर'
फिर भी
बंदगी में नहीं की कोई कमी मैंने
ये भी माना के हूं मैं नाकाबिल
फिर भी
तुझ तक आने की
कोशिश बहुत की मैंने
तेरे दहकते हुस्न के आगे
सब हैं बेजुबां
कोई मिलाता नहीं निगाहें
जब भी तू निकलता है यहां
गोया हर शख़्स नहीं देखता है कुछ
बस तुझे देखने के बाद
हर बार क्यूँकर होता हूँ मैं बेकरार
बस इक झलक को तेरी
क्यों तड़पता हूं बेइंतेहा
इक नज़र को तेरी
ऐ ज़िंदगी कुछ तो करम कर हम पर
हमें भी है चाहत तेरी
हमें भी है वास्ता तेरा
और हमें भी है बस
तेरा ही आसरा
जब भी देखता हूं
हसरत से तेरी तरफ
यूं लगता है बस अब तो
मेरी मंजिल हासिल होने ही वाली है
और तू है कि मुंह मोड़ लेती है
कैसे कहूं
और किससे कहूं
के अब तो हिम्मत ही न रही
तेरे हासिल होने की उम्मीद
बस बुझने ही वाली है
तुम आ जाओ
बस इक बार
कुछ इस तरह
के जब जाओ तो मेरी हस्ती को
अपने ही साथ लिए जाओ
क्या ऐसा ही सबके साथ होता है
गर होता है तो क्यों होता है
क्यूँकर किसी को किसी की मुकम्मिल
चाहत नहीं मिलती ?
क्यूँ लोग मजबूर हैं
आधी-अधूरी चाहत के
साथ बसर करने को
आखिर क्यूँवो दूर चला जाता है
जिसके लिए हमारा दिल ज़ार-ज़ार
तड़पता है
क्यों ऐसा होता है के हमें वही
नहीं मिलता है
जिससे मिलने की तमन्ना
ही हमें जिंदा रखती है
तमन्ना गई और ज़िंदगी भी गई
मैं फिर से कहूंगा
के ऐ ज़िंदगी
ऐसा क्यूँ है के तू मुझे नहीं मिलती
मिलती भी है तो अधूरी
ही क्यूँ मिलती है
और तुझे पूरा करने की
चाहत में मैं खुद को
ही खर्च कर देता हूं
खर्च करने में भी कोई हर्ज नहीं
मसला ये है के आखिर तू क्यूँ नहीं मिलती
हम नहीं समझ पाए ज़िंदगी का
फलसफा
हम नहीं समझ पाए तुम्हारा
ये तरीका
हम नहीं समझ पाए के क्या
है मर्जी तुम्हारी
बस जब भी दर्द बढ़ जाता है
तो तेरी उम्मीद भी बढ़ जाती है
जब आंखें जरूरत से ज्यादा
सूनी हो जाती हैं तो तेरी
यादों के झरोखों में झांकने की
गुस्ताख़ी करता हूं

ह्यह्यह्य

कुलपति, गुरुघीसादास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

नेकी कर दरिया में डाल

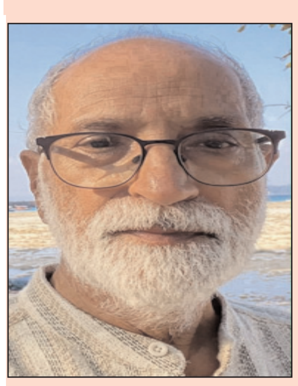

डॉ. रामेश्वरम तिवारी

कथित हिंदू होकर भी विरोधी दलों के मुखिया शुरू से राम मंदिर निर्माण का विरोध करते रहे और मंदिर बनने के पश्चात आजतक अवध रामलला के दर्शन करने तक नहीं गए वहीं राम विरोधी जोर-शोर चंदा चोरी पर छाती कूट रहे हैं। जिन्होंने मजहबी जाहिल और गजवा-ए-हिंद के जेहादियों को खुश करने के लिए राम भक्तों पर सिर्फ़ कमलछाप सरकारें ही नहीं गिराई बल्कि निहत्थे कार सेवकों पर बुलेट गोलियाँ चलाकर अवध की पावन धरती और सरयू के पानी को रक्तरंजित कर दिया। पर अंततः एक दिन मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दीवानों का जोश, दीवानगी और बलिदान रंग लाया और राम की पावन जन्म भूमि पर भव्य व दिव्य मंदिर बनकर तैयार हो गया।

परिणाम स्वरूप प्रति वर्ष लाखों की तादात में दर्शनार्थी आने लगे। अपने रामलला के दर्शन कर अपनी श्रद्धा और हैसियत के अनुसार चढ़ावा चढ़ाकर पुण्य लाभ और अपने जीवन को धन्य समझने लगे। यह सब देखकर बेचारे राम विरोधियों का दिन का चैन और रातों की नींद उड़ गई। उन्हें लगा उन्के सत्ता में वापसी के सारे रास्ते बंद हो गए।

सत्ता पक्ष की बढ़ती लोकप्रियता और राम नाम की जयकारों ने विपक्षी दलों की सारे योजनाओं को पलीता लगा दिया। सन् चौबीस में लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने और लोकतंत्र की हत्या की अफ़वाह उड़ाकर लोकसभा में अधिक सीटें क्या हासिल कर ली मुख्य विरोधी दल के सियासी का भेजा फिर गया। उसने सन् सत्ताईस में होने वाले चुनावों में जीत के लिए श्रीराम मंदिर के ट्रस्ट के न्यास के प्रमुख कर्ता-धर्ता का विश्वास अर्जित कर अपने निशाचर को बहला-फुसलाकर, सेवक का चोला पहनाकर राम के नाम पर चढ़ाई जाने वाली दान राशि पर डकैती गैंग का सरगना बनाकर मंदिर में घुसपैठ करवा दी। वहीं दूसरी ओर राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी की ख़बर को अख़बारों और दूरदर्शन पर लीक करवा दी।

बस! फिर क्या था। देश और दुनिया में हंगामा मचना था सो मच गया। हिंदुओं के परम आराध्य राम के मंदिर से करोड़ों रुपयों और सोने-चाँदी की वस्तुओं की चोरी हो गई हैं जिसमें ट्रस्टियों के प्रमुखों की मिलीभगत है। आरोप लगते ही बाबा सरकार ने ताबड़तोड़ में जाँच दल बनाकर जाँच शुरू करवा दी। जाँच रिपोर्ट में पाया गया कि इस चोरी-चपाटी के पीछे राम विरोधी द्वारा भेजे गए स्वर्ण मृग मारीच का किया-धरा था। दरअसल इस चोरी के पीछे राम विरोधी नेता की सोची-समझी साज़िश थी ताकि चुनाव में सनातन संस्कृति के रक्षक के दावेदार दल को बदनाम कर अपनी आसुरी प्रवृत्तियों वाली सरकार एक बार फिर स्थापित की जा सके। उनका कालनेमि तो मात्र मोहरा भर था। वहीं पर दूसरी ओर बड़े-बड़े नामी दानदाता अपने दान की राशि सार्वजनिक कर रहे हैं कि उन्होंने दान में इतनी राशि दी थी, अमुक क़ीमती वस्तु दान की थी। जबकि दान के बारे में कहा तो यह गया है कि दान करते समय दाएँ हाथ का किया, बाएँ हाथ को भी पता भी नहीं चलना चाहिए और तो और 'नेकी कर दरिया में डाल' यानी भूल जाना चाहिए।

इतिहास

16 जुलाई का इतिहास विज्ञान, अंतरिक्ष और राजनीति के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है। आज ही के दिन 1945 में अमेरिका ने 'मैनहट्टन प्रोजेक्ट' के तहत न्यू मैक्सिको में दुनिया के पहले परमाणु बम का सफल परीक्षण किया था?इसके अलावा, 1969 में नासा (NASA) का 'अपोलो 11' (Apollo vv) यान फ्लोरिडा से चंद्रमा की ओर रवाना हुआ था, जिसने इंसानों को पहली बार चांद पर पहुंचाया।16 जुलाई की अन्य प्रमुख घटनाएं:1951: जे. डी. सैलिंगर (J. D. Salinger) का प्रसिद्ध उपन्यास 'द कैचर इन द राई' (The Catcher in the Rye) प्रकाशित हुआ था?1979: इराक के राष्ट्रपति अहमद हसन अल-बक्र ने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया और सद्दाम हुसैन देश के नए राष्ट्रपति बने?1981: महाथिर बिन मोहम्मद (Mahathir bin Mohamad) ने मलेशिया के चौथे प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला?1994: 'शूमेकर-लेवी 9' (Shoemaker-Levy ~) धूमकेतु बृहस्पति ग्रह से टकराया था।

बदहाल शिक्षा, जर्जर भवन और खुली छत के नीचे एक कमरे में पढ़ाई के लिए मजबूर मासूम

दुर्घटना का हर समय बना रहता है खतरा

विश्व केसरी

धमतरी (पवन तिवारी)। एक तरफ जहां जिले में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत को बड़े उत्साह के साथ प्रवेशोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ वनांचल क्षेत्रों से स्कूलों की बदहाली की चिंताजनक तस्वीरें भी सामने आ रही हैं। धमतरी जिले के नगरी वनांचल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक शाला गेदरा में स्कूल भवन न सिर्फ पूरी तरह जर्जर हो चुका है, बल्कि उसकी छत पर लगा टीन शेड भी उड़ चुका है। इस अव्यवस्था के चलते कक्षा पहली से लेकर पांचवीं तक के सभी बच्चों की पढ़ाई एक ही छोटे से कमरे में कराई जा रही है।

इस उमस भरे मौसम में कमरे के भीतर बिजली और पंखों की कोई समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण मासूम छात्र-छात्राएं बेहद दयनीय स्थिति में शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं।ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, वर्ष 1958 में स्थापित किए गए इस ऐतिहासिक स्कूल भवन की हालत लंबे समय से अत्यंत जर्जर बनी हुई है। करीब दो-तीन वर्ष पहले विभाग द्वारा मरम्मत के नाम पर खपरैल हटाकर टीन शेड लगाया गया था, लेकिन हाल ही में आई तेज आंधी, तूफान और बारिश के चलते वह भी पूरी तरह उड़ गया। इस घटना ने मरम्मत कार्य में बरती गई भारी लापरवाही और निर्माण कार्य की घटिया गुणवत्ता की पोल खोलकर रख दी है। टीन शेड उड़ने से भवन का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है और छत पर लगे सीलिंग पंखे भी टूट कर गिर गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह हादसा स्कूल खुलने से ठीक कुछ दिन पहले हुआ था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। यदि उस समय बच्चे स्कूल में मौजूद होते तो जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता था। ग्रामीणों ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि मरम्मत कार्य में गुणवत्ता का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा गया। स्कूल भवन के पूर्णतः असुरक्षित हो जाने के कारण अब पांच अलग-अलग कक्षाओं के विद्यार्थियों को एक साथ एक ही कमरे में बैठकर पढ़ना पड़ रहा है, जिससे बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। एक साथ इतनी कक्षाओं के संचालन से शिक्षकों के सामने भी सुचारु रूप से शिक्षण कार्य संचालित करने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। इसके अलावा, स्कूल परिसर निचले हिस्से में स्थित होने के कारण बारिश के दौरान वहां भारी जलभराव हो जाता है। कीचड़ और पानी भरने की वजह से छोटे बच्चों को स्कूल आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है, जिससे हर वक्त किसी न किसी दुर्घटना का खतरा मंडराता रहता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से स्कूल भवन की तत्काल मरम्मत कराने अथवा नए सुरक्षित भवन का निर्माण करने की गुहार लगाई है।

भगवान जगन्नाथ की नौ दिवसीय रथयात्रा शुरू

विश्व केसरी

बालकोनगर (बबलू श्रीवास)। बालकोनगर में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा महोत्सव का आयोजन 16 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक श्रद्धा और भक्ति के साथ किया जाएगा। उत्कल भारती सेवा समिति, बालकोनगर के तत्वावधान में आयोजित इस नौ दिवसीय धार्मिक उत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। समिति के अनुसार रथ द्वितीया के पावन अवसर पर गुरुवार 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा की भव्य रथयात्रा श्रीराम मंदिर, बालको से गाजे-बाजे, भजन-कीर्तन और जयघोष के बीच निकाली जाएगी। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रामलीला मैदान स्थित श्री गुंडिचा मंदिर पहुंचेगी, जहां भगवान नौ दिनों तक विराजमान रहेंगे। इस दौरान प्रतिदिन श्रद्धालु भगवान के दर्शन, पूजन-अर्चन एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे।

ओड़काकन घाट पर रेत की अवैध ढुलाई शिकायत के बाद भी शासन-प्रशासन मौन

विश्व केसरी

सरसींवा (राकेश सोनी)। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में अवैध रेत उत्खनन का खेल एक बार फिर सुर्खियों में है। सरसीवा से लगे ग्राम पंचायत ओड़काकन के महानदी तट पर रोजाना सैकड़ों ट्रैक्टरों से रेत निकाली जा रही है। हैरानी की बात यह है कि नदी में पानी होने के बावजूद ट्रैक्टर उतारकर जान जोखिम में डालते हुए रेत का अवैध कारोबार करने में मस्त हैं।। आप देख सकते है कि रेत माफिया बारिश के मौसम से पहले बड़ी मात्रा में रेत डंप कर रहे हैं, ताकि बारिश में डंप रेत को ऊंची दामों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाया जा सके। सरसीवा से लगे ओड़काकन के महानदी घाट पर इन दिनों अवैध रेत उत्खनन का खेल खुलेआम चल रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक गांव में कई रेत माफिया ग्रुप सक्रिय हैं, जो रोजाना ट्रैक्टरों के जरिए नदी से रेत निकाल रहे हैं।

बारिश थमे महज पांच-छह दिन हुए हैं। नदी में अब भी घुटनों तक पानी है, लेकिन इसके बावजूद ट्रैक्टर सीधे नदी के भीतर उतारे जा रहे हैं और साथ में लोडर मशीन रहता है।और लोडर मशीन द्वारा ट्रैक्टरों में रेत भरी जाती है और बाद में टोचन लगाकर रेत से लदे ट्रैक्टरों को बाहर निकाला जाता है। जहां फोटो में साफ देखा जा सकता है कि थोड़ी सी चूक किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकता है, लेकिन रेत माफिया बेखौफ होकर यह काम कर रहे हैं।

अवैध रेत परिवहन का असर गांव की सड़कों पर भी दिखाई दे रहा है। लगातार भारी ट्रैक्टरों की आवाजाही से घाट तक जाने वाला रास्ता कीचड़ में तब्दील हो चुका है। वहीं रेत से भरे ट्रैक्टर गांव की मुख्य बस्ती से गुजर रहे हैं, जिससे सड़कें जर्जर होने के साथ-साथ हर समय दुर्घटना का खतरा भी बना हुआ है।

नदी किनारे कई जगहों पर डंप रेत को देखकर आप साफ अंदाजा लगा सकते हो कि रेत माफिया कितने सक्रिय है माना जा रहा है कि बरसात में नदी का जलस्तर बढ़ने से पहले रेत डंप कर ली जाती है और बाद में उसी रेत को ऊंचे दामों में बेचकर भारी मुनाफा कमाया जाता है। सवाल यह है कि आखिर शासन प्रशासन की नजरों के सामने चल रहे इस अवैध कारोबार पर कार्रवाई कब होगी। जहां ओड़काकन रेत घाट से ट्रैक्टर से रेत भर कर जाने वाले वाहन चालकों ने बताया कि ग्राम पंचायत वाले रेत परिवहन करने का हमसे लायल्टी 200 से 300 रूपये बिना रसीद दिये लिया जा रहा है। जबकि हर वर्ष बारिश के मौसम में ओड़काकन महानदी तट से अवैध रेत निकासी का खेल चलता है जहां गांव के अवैध रेत माफियाओं द्वारा लगातार इस घाट से रोजाना सैकड़ों ट्रैक्टर में रेत लोडिंग कर रोजाना लाखों रुपए कमाने में मस्त हैं। जहां न तो सारंगढ़ बिलाईगढ जिले के खनिज विभाग के अधिकारियों की नजर नहीं पड़ रही है ऐसा लगता है मानों खनिज विभाग अवैध रेत माफियाओं पर कुछ ज्यादा ही मेहरबान हो गये है।

संक्षिप्त खबरें

एनएलसी इंडिया लिमिटेड के गैर सरकारी स्वतंत्र निदेशक बने पूनम चंद्राकर

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। कोयला मंत्रालय / मिनिस्ट्री ऑफ कोल, नई दिल्ली के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, कुड्डालोर जिला, नेवेली तमिलनाडु के अनुसार एनएलसी इंडिया लिमिटेड द्वारा बोर्ड में गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक के रूप में पूर्व संसदीय सचिव पूनम चंद्राकर की नियुक्ति की गई है। मिली जानकारी के अनुसार एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) के आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन के अनुसार पूनम चंद्रकार को एनएलसीआईएल के निदेशक मंडल में गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक के रूप में (03) तीन वर्ष की अवधि के लिए उनकी नियुक्ति की अधिसूचना की तिथि से या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करने के लिए राष्ट्रपति की स्वीकृति देने का निर्देश दिया गया है। इस आशय की जानकारी अरिक बसु रॉय चौधरी अनुभाग अधिकारी (स्थापना) कंपनी सचिव, एनएलसीआईएल,अमन कुमार सिन्हा, अवर सचिव, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, लोक उद्यम विभाग, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली को दे दी गई है ।

जल जीवन मिशन के लंबित भुगतान को लेकर ठेकेदारों का आंदोलन तेज

विश्व केसरी

कोरबा (बबलू श्रीवास)। जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत पिछले करीब दो वर्षों से लंबित भुगतानों को लेकर प्रदेशभर के ठेकेदारों का आंदोलन तेज हो गया है। छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन के आह्वान पर 17 जुलाई (शुक्रवार) को रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा का घेराव किया जाएगा। आंदोलन की तैयारियों के तहत कोरबा कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने गुरुवार शाम 6 बजे घंटाघर स्थित दक्षिण कैफे (पूर्व में शुभम रेस्टोरेंट) में जिले के पीएचई (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग) से जुड़े सभी ठेकेदारों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। एसोसिएशन ने सभी संबंधित ठेकेदारों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने की अपील की है। एसोसिएशन का कहना है कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराए गए निर्माण कार्यों का भुगतान लंबे समय से लंबित है। भुगतान नहीं मिलने से ठेकेदारों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है और कई निर्माण कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। बैठक में विधानसभा घेराव की रणनीति, रायपुर कूच की तैयारियों तथा कोरबा जिले से अधिक से अधिक ठेकेदारों की भागीदारी सुनिश्चित करने सहित आंदोलन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। एसोसिएशन ने सरकार से लंबित भुगतान का शीघ्र निराकरण करने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मौसमी बीमारियों पर स्वास्थ्य विभाग सजग

लक्षण दिखने पर तत्काल उपचार और सूचना की अपील

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। मानसून के मौसम में बारिश के पानी के जमा होने, नमी बढ़ने और जल-जमाव के कारण विभिन्न संक्रामक रोग तेजी से फैलते हैं। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील जारी की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी ने बताया कि बारिश के मौसम में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियाँ के साथ ही डायरिया, टाइफाइड, पीलिया जैसे जल जनित अन्य रोग भी आम हैं। इन रोगों से बचाव के लिए ही जिला संपर्क केंद्र के माध्यम से ग्राम पंचायतों से ऑनलाइन जुड़ कर संवाद स्थापित किया जा रहा है। इसमें सम्बंधित ग्रामवासियों और जनप्रतिनिधियों को रोग से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। आईडीएसपी के जिला नोडल अधिकारी डॉ नवदीप बांधे के अनुसार दस्त और उल्टी वाले रोगों में बार-बार दस्त, उल्टी, पेट में ऐंठन और निर्जलीकरण की समस्या हो सकती है। इनसे बचने के लिए पीने का पानी उबालकर या फिल्टर करके पिएँ, खाना अच्छी तरह पकाकर खाएँ और हाथों को साबुन से बार-बार धोएँ। गांव में पेयजल स्रोतों की सफाई भी जरूरी है। ऐसे ही मच्छर जनित रोगों से बचाव हेतु कहीं जल जमाव न होने दें साथ ही मच्छरदानी का उपयोग करें । किसी भी प्रकार की सहायता के लिए जिला कार्यक्रम प्रबंधक सृष्टि मिश्रा ने लोगों से सावधानी बरतने को कहा है साथ ही किसी आवश्यकता पर 104 पर कॉल करने की सलाह दी है।

राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ ने एक बार फिर संघ के अध्यक्ष रवीं परियानी के नेतृत्व में जनदर्शन में कलेक्टर को ज्ञापन सौंप उचित मूल्य दुकान संचालकों को टीडीएस कटौती एवं भुगतान संबंधी विवरण उपलब्ध कराने की मांग की है। कलेक्टर को दुबारा सौंपे गए ज्ञापन में इससे पहले गत 9 जून को इसी मांग को लेकर दिए गए ज्ञापन का संदर्भ भी दिया गया है।

कलेक्टर को दुबारा सौंपे गए ज्ञापन में उचित मूल्य दुकान संचालकों ने कहा है कि समय-समय पर कमीशन एवं अन्य मदों की राशि तो अब उन्हें प्राप्त हो रही है, पर ये कब का कमीशन है, कितना टीडीएस काटा गया, कितनी राशि दी जा चुकी, कितना बकाया है इसका कोई हिसाब संघ ने भुगतान की गई कमीशन की राशि का पूरा विवरण मुहैया कराने की मांग की है। संघ ने निम्न बिंदुओं की जानकारी उपलब्ध कराने मांग की है- उन्हें भुगतान किस मद (मार्जिन मनी, परिवहन, बारदाना अथवा अन्य) के अंतर्गत किया गया है। संबंधित भुगतान किस माह अवधि का है। भुगतान की कुल राशि कितनी है तथा किस बैंक खाते में जमा की गई हैं। प्रत्येक भुगतान में टीडीएस की कितनी राशि काटी गई है एवं किस प्रतिशत/दर से कटौती की गई है। कटौती की गई टीडीएस राशि किस खाते (PAN/TAN के माध्यम से) में जमा की गई है इसका विवरण उपलब्ध कराने मांग की है। कलेक्टर ने फिर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बिलासपुर में जिला शिक्षा अधिकारी का पद रिक्त, शासन प्रयोग के तौर पर डिप्टी कलेक्टर को सौंपे भार?

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। बिलासपुर में पिछले एक सप्ताह से जिला शिक्षा अधिकारी का महत्वपूर्ण पद खाली पड़ा है, शासन को इस पर विचार कर तत्काल नियमित नियुक्ति करें।

शासन को इस बार पिछली परंपराओं को तोड़ते हुए किसी डिप्टी कलेक्टर को बिठाना चाहिए जिला में शिक्षा व्यवस्था काफी विशाल है 250 से ज्यादा स्कूल संचालित हो रहे हैं ऐसे महत्वपूर्ण विभाग को सम्हालने का एक प्रयोग कर देखना चाहिए कि कितना सफल हो पाता है। अभी तक किसी प्राचार्य को बिठाया जाता रहा है। इनसे प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार नहीं होता है यदि क्क्ष्ट से पास आउट लोगों की नियुक्ति करें तभी व्यवस्था में सुधार होगा

शासन नेताओं के दबाव में अपने चाटुकारों को बिठाने में लगे रहते हैं, ऐसे लोगों को बिठा पढ़ाई भी छात्रों का चौपट है। जबकि सत्र प्रारंभ हुए लगभग डेढ़ महीने बीतने जा रहा है कोई माई बाप नहीं है स्कूलों को देखने वाला?

बिलासपुर न्यायधानी में इन दिनों सबसे चर्चित नाम 'योग्य जिला शिक्षा अधिकारी' की तलाश का है। शिक्षा विभाग का पूरा महकमा इस एक पद के लिए दौड़-भाग कर रहा है। फाइलें इधर से उधर, सिफारिशें ऊपर से नीचे और चर्चाओं का बाजार गर्म है। बंगले में शोर मचा हुआ है अंदर से आवाज आती है सामान्य नहीं चाहिए, पिछड़ा भी नहीं तो क्या! योग्य चाहिए!

स्कूलों में शिक्षकों की समस्या, ट्रांसफर-पोस्टिंग, बोर्ड परीक्षा की तैयारियां और सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सब अटका हुआ है। लेकिन कुर्सी पर कौन बैठेगा, यही तय नहीं हो पा रहा।

सूत्रों के मुताबिक योग्य और 'सेटिंग' वाले नामों की सूची मंत्रालय से लेकर विभाग तक घूम रही है।

कसडोल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दो महिलाओं ने स्वस्थ शिशुओं को दिया जन्म

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण कुमार)। शहीद संत राम साहु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कसडोल में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। अस्पताल में पहली बार सफलतापूर्वक सिजेरियन प्रसव कराते हुए दो महिलाओं का ऑपरेशन किया गया, जिनसे स्वस्थ शिशुओं का जन्म हुआ। जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित ऑपरेशन थिएटर उपलब्ध है, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सफलतापूर्वक दोनों सिजेरियन ऑपरेशन किए। इस उपलब्धि से क्षेत्र के लोगों को अब प्रसव संबंधी जटिल मामलों के लिए जिला मुख्यालय या बड़े अस्पतालों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा।सिजेरियन ऑपरेशन डॉ. राकेश प्रधान (एम.एस., शल्य चिकित्सक), डॉ. वंदना भेले (प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ) तथा डॉ. भरत साहू (निश्चेतना विशेषज्ञ) की संयुक्त टीम द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।ऑपरेशन के दौरान वंदिता साहू, बजरंग वर्मा, रानी पटेल एवं लक्ष्मी सेन ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। वहीं सती वर्मा (विकासखंड समन्वयक) तथा यशोदा प्रजापति (मितानिन) ने गर्भवती महिलाओं को कसडोल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित संस्थागत प्रसव एवं सिजेरियन ऑपरेशन के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभाई।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कसडोल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, आधुनिक ऑपरेशन थिएटर और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था के कारण अब क्षेत्र के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल रही हैं।

विधायक भावना बोहरा के प्रयास रंग लाए, 4,961 गन्ना किसानों को मिला 18.97 करोड़ का एफआरपी भुगतान

विश्व केसरी

पंडरिया (भुवन लाल)। लंबे इंतजार, किसानों के आंदोलन और भुगतान को लेकर बढ़ते दबाव के बीच आखिरकार लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, पंडरिया ने पेराई सत्र 2025-26 की शेष एफआरपी राशि का भुगतान जारी कर दिया है। बुधवार को 4,961 गन्ना विक्रेता किसानों के खातों में 18.97 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित कर दी गई, जिसके साथ ही इस सत्र की 40.05 करोड़ रुपये की संपूर्ण एफआरपी राशि का भुगतान पूरा हो गया।

गौरतलब है कि एफआरपी भुगतान में देरी को लेकर जून माह के अंतिम सप्ताह में गन्ना किसान अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए थे। किसानों ने आरोप लगाया था कि गन्ना आपूर्ति के कई माह बीत जाने के बाद भी उन्हें उनकी उपज का पूरा मूल्य नहीं मिल पाया है, जिससे आर्थिक संकट की स्थिति निर्मित हो गई थी। आंदोलन के दौरान क्षेत्रीय विधायक भावना बोहरा ने किसानों से मुलाकात कर जल्द भुगतान कराने का आश्वासन दिया था। कारखाना प्रबंधन के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित 329.05 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गन्ना खरीदी की गई थी। किसानों को कुल 40.05 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाना था, जिसमें से 21.07 करोड़ रुपये पूर्व में जारी किए जा चुके थे, जबकि शेष 18.97 करोड़ रुपये का भुगतान अब किया गया है। यह राशि 21 दिसंबर 2025 से 7 फरवरी 2026 के बीच गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों के खातों में भेजी गई है। कारखाना के प्रबंध संचालक यू.के. कौशिक ने बताया कि सत्र की शेष रिकवरी राशि का भुगतान भी शीघ्र किए जाने की प्रक्रिया जारी है। हालांकि किसानों के बीच अब भी रिकवरी भुगतान को लेकर उत्सुकता बनी हुई है और वे जल्द भुगतान की मांग कर रहे हैं।

विधायक भावना बोहरा ने कहा कि किसानों का हित उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा शासन स्तर पर लगातार संवाद और प्रयासों के परिणामस्वरूप रिकॉर्ड समय में भुगतान सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि किसान आर्थिक रूप से मजबूत होंगे तभी गांव और प्रदेश की समृद्धि संभव होगी। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025-26 में एफआरपी भुगतान पिछले पांच वर्षों की तुलना में सबसे कम समय में पूरा हुआ है।

धमतरी में डिजिटल परिवहन सेवा की शुरुआत, महापौर ने किया 'रिड्ज़ी' ऐप का लोकार्पण

विश्व केसरी

धमतरी (पवन तिवारी)। शहरवासियों को अब स्थानीय परिवहन सेवाओं के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। धमतरी में आधुनिक डिजिटल परिवहन सेवा 'रिड्ज़ी' का औपचारिक शुभारंभ हो गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर रामू रोहरा ने फीता काटकर एवं मोबाइल ऐप को लॉन्च कर शहर को इस नई तकनीक आधारित सुविधा की सौगात दी।इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने कहा कि बदलते समय के साथ डिजिटल सेवाओं का विस्तार बेहद आवश्यक है। धमतरी के नागरिकों को लंबे समय से एक ऐसी सुविधा की आवश्यकता महसूस हो रही थी, जिसके माध्यम से वे घर बैठे अपने मोबाइल फोन से ऑटो, ई-रिक्शा, बाइक टैक्सी एवं पार्सल सेवा आसानी से बुक कर सकें। रिड्ज़ी ऐप के आने से लोगों का समय बचेगा, आवागमन सुगम होगा तथा स्थानीय वाहन चालकों को भी रोजगार के नए और बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते सपाट बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स दिन के हाई से 0.50 प्रतिशत फिसला

विश्व केसरी ■

मुंबई । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते गुरुवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद हुआ।

इस दौरान, निफ्टी 50 में 5.75 अंक या 0.02 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 24,072.75 पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स 1.44 अंक बढ़कर 77,186.87 पर बंद हुआ।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,185.43 से 203 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,388.42 पर खुला और एक समय यह 394.26 अंकों या 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,579.69 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। यानी दिन के हाई से यह 392.82 अंक यानी 0.50 प्रतिशत गिर गया।

वहीं निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,078.50 से 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,142.10 पर खुला और दिन के कारोबार के दौरान यह 108 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,186.50 के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया था। यानी दिन के उच्चतम स्तर से यह 114 अंक गिर गया।

इस बीच, लगभग 1,947 शेयरों में तेजी, 2,119 शेयरों में गिरावट और 194 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

व्यापक बाजारों में, मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स का प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.41 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

प्रमुख सूचकांक दिन भर बढ़त के साथ बने रहे, लेकिन दूसरे आधे हिस्से में मुनाफावसूली देखने को मिली, जिससे उनमें गिरावट आई।

क्षेत्रीय सूचकांकों में, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरा, जिसमें 1.48 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, इसके बाद निफ्टी मीडिया (1.18 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (0.67 प्रतिशत) और निफ्टी ऑटो (0.46 प्रतिशत) का स्थान रहा। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी में 0.25 प्रतिशत और निफ्टी फार्मा में 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्ज की गई।

जबकि इसके विपरीत, निफ्टी रियल्टी सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र रहा, जिसमें 0.98 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.46 प्रतिशत की गिरावट आई, इसके बाद निफ्टी मेटल (-0.33 प्रतिशत), निफ्टी प्राइवेट बैंक (-0.31 प्रतिशत) और निफ्टी बैंक (-0.30 प्रतिशत) में भी गिरावट दर्ज की गई।

सरकार ने डीजल और एटीएफ के निर्यात पर बढ़ाया विंडफॉल टैक्स, पेट्रोल पर की कटौती

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स को बढ़ा दिया है। वहीं, पेट्रोल पर कटौती की है। इसकी वजह अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आना था। नई दरें गुरुवार से लागू हो गई हैं।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया कि डीजल पर निर्यात शुल्क बढ़कर 15.5 रुपए प्रति लीटर हो गया है, जो कि पहले 8.5 रुपए प्रति लीटर था। एटीएफ पर निर्यात शुल्क 7.5 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 14.5 रुपए प्रति लीटर हो गया।

इसके अलावा, सरकार ने पेट्रोल पर निर्यात शुल्क को 4 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 2.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया है।

यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से उछाल आया है और बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है।

मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सभी बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकेबंदी फिर से लागू कर दी है, जिसके जवाब में ईरान ने इलाके में अमेरिकी इंफ्रास्ट्रक्चर पर जवाबी हमले किए।

इस महीने की शुरुआत में, सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में बदलाव किया था। इसके तहत पेट्रोल पर निर्यात शुल्क बढ़ाया गया, जबकि डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर निर्यात शुल्क में कटौती की गई।

इस दौरान पेट्रोल निर्यात पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (एसएईडी) को 1.5 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 4 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया। साथ ही, डीजल पर निर्यात शुल्क को 14 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 8.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया, जबकि एटीएफ पर निर्यात शुल्क को 12.5 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 7.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया।

कच्चे तेल में गिरावट से भारतीय इक्विटी बाजार में जोखिम घटा; 84,000 के स्तर तक जा सकता है सेंसेक्स : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के आउटलुक में सुधार हुआ है और सेंसेक्स इस साल के अंत तक 84,000 के स्तर को छू सकता है। इसकी वजह अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट होना, घरेलू स्तर पर खपत मजबूत रहना और कंपनियों में आय से जुड़ा जोखिम कम होना है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एचएसबीसी ब्रोकरेज की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के हफ्तों में भारतीय इक्विटी के लिए व्यापक आर्थिक माहौल में काफी सुधार हुआ है, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें उम्मीद से अधिक तेजी से संघर्ष से पहले के स्तर पर वापस आ गई हैं।

इसमें कहा गया है कि तेल की कीमतों में गिरावट से कॉर्पोरेट मार्जिन पर दबाव कम हुआ है और कमाई के अनुमानों में भारी कटौती की संभावना भी घटी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अब वैल्यूएशन सामान्य हो गई हैं, जबकि ऊर्जा की कम कीमतों और मजबूत खपत ने कमाई के आउटलुक को बेहतर बनाया है।

इसके अलावा, हालिया भारी खरीदारी के बाद आने वाले महीनों में खपत धीमी हो सकती है, जबकि अल नीनो ग्रामीण मांग के लिए एक बड़ा जोखिम बना हुआ है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वित्त वर्ष 27 में कमाई में बढ़ोतरी के आम अनुमान (कमोडिटी को छोड़कर) को पहले के 18 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया है। हालांकि, इसमें और कटौती होने की उम्मीद है।

एचएसबीसी के एनालिस्ट के अनुसार, बॉन्ड और बैंक डिपॉजिट में विदेशी निवेश लाने के लिए आरबीआई के हालिया कदमों से रुपए को स्थिर करने और विदेशी निवेश की निकासी को कम करने में मदद मिली है।

उन्होंने बताया कि विदेशी संस्थागत निवेशक भी शुद्ध खरीदार बन गए हैं और जुलाई में अब तक लगभग 1.8 अरब डॉलर का निवेश आया है।

भारतीय इक्विटी को 'अंडरवेट' से 'न्यूट्रल' कैटेगरी में अपग्रेड करने के बावजूद, ब्रोकरेज ने चेतावनी दी है ।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में पहली छमाही में दर्ज किया गया 8.5 अरब डॉलर का रिकॉर्ड इक्विटी निवेश: रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में वर्ष 2026 की पहली छमाही (जनवरी-जून) के दौरान 8.5 अरब डॉलर का इक्विटी निवेश दर्ज किया गया, जो अब तक का सबसे अधिक अर्धवार्षिक (हाफ-ईयर) निवेश है। यह निवेश पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक है।

रियल एस्टेट कंसल्टिंग फर्म सीबीआरई साउथ एशिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बढ़ोतरी के पीछे भूमि और डेवलपमेंट साइट्स की खरीद तथा निर्मित ऑफिस परिसंपत्तियों में लगातार मजबूत निवेश प्रमुख वजह रहा।

रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि पूरे 2026 के दौरान भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश का यह सकारात्मक रुझान जारी रहेगा, क्योंकि तैयार परियोजनाओं की खरीद और नए प्रोजेक्ट्स के विकास, दोनों में पूंजी का प्रवाह लगातार बना हुआ है।

सीबीआरई के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के चेयरमैन एवं सीईओ अंशुमान मैगजीन ने कहा कि घरेलू निवेशकों ने चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बावजूद भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर की दीर्घकालिक संभावनाओं पर मजबूत भरोसा दिखाया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि साल की दूसरी छमाही में भी यह रफ्तार बनी रहेगी और वैश्विक परिस्थितियों में सुधार के साथ विदेशी निवेशक भी दोबारा सक्रिय होंगे। उनके अनुसार, यह प्रदर्शन भारत के रियल एस्टेट कैपिटल मार्केट की मजबूती और गहराई को दर्शाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल से जून 2026 (दूसरी तिमाही) के दौरान रियल एस्टेट सेक्टर में 3.4 अरब डॉलर का निवेश आया, जो पिछले वर्ष के लगभग समान स्तर पर रहा। इस अवधि में कुल निवेश का लगभग 94 प्रतिशत हिस्सा भूमि एवं डेवलपमेंट साइट्स तथा निर्मित ऑफिस परिसंपत्तियों में लगाया गया।

निवेश के लिहाज से डेवलपर्स सबसे आगे रहे, जिनकी हिस्सेदारी करीब 34 प्रतिशत रही। इसके बाद घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी लगभग 32 प्रतिशत रही। वहीं, संस्थागत निवेशकों से आने वाली कुल पूंजी में पिछली तिमाही की तुलना में 51 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

शहरों की बात करें तो बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई ने मिलकर दूसरी तिमाही में कुल निवेश का लगभग 60 प्रतिशत आकर्षित किया। इस दौरान कुल निवेश का करीब 92 प्रतिशत हिस्सा घरेलू निवेशकों, विशेष रूप से डेवलपर्स, की ओर से आया।

सीबीडीटी ने वित्त वर्ष 2027 के लिए कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स बढ़ाकर 384 किया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स (सीआईआई) को 376 से बढ़ाकर 384 कर दिया है। यानी इसमें पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 2.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। सीबीडीटी की ओर से जारी अधिसूचना 15 जुलाई 2026 से प्रभावी है और यह 1 अप्रैल 2026 से होने वाली कर गणनाओं पर लागू होगी।

कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स का उपयोग किसी संपत्ति की खरीद कीमत को महंगाई के अनुसार समायोजित (इंडेक्सेशन) करने के लिए किया जाता है। इससे लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ (लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स) पर टैक्स की गणना अधिक वास्तविक तरीके से की जाती है। खासकर जमीन और मकान जैसी संपत्तियां बेचने वाले करदाताओं को इसका लाभ मिलता है, क्योंकि महंगाई के हिसाब से खरीद मूल्य बढ़ जाने से टैक्स योग्य लाभ कम हो जाता है।

सरकार का उद्देश्य इंडेक्सेशन के जरिए संपत्ति की वास्तविक लागत को महंगाई के अनुरूप मान्यता देना है, क्योंकि कई मामलों में वर्षों पहले खरीदी गई संपत्तियों की मूल कीमत काफी कम होती है। ऐसे में केवल खरीद और बिक्री मूल्य के अंतर पर टैक्स लगाना करदाताओं के लिए उचित नहीं माना जाता।

हालांकि, वित्त अधिनियम 2024 के तहत किए गए बदलावों के बाद 23 जुलाई 2024 या उसके बाद बेची जाने वाली अधिकांश दीर्घकालिक पूंजीगत संपत्तियों पर इंडेक्सेशन का लाभ समाप्त कर दिया गया है। अब ऐसे मामलों में इंडेक्सेशन के बिना 12.5 प्रतिशत की समान (फ्लैट) टैक्स रेट लागू होती है।

इसके बावजूद, कुछ मामलों में कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स अभी भी महत्वपूर्ण बना हुआ है। यदि कोई भारतीय निवासी व्यक्ति या हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) ऐसी जमीन या भवन बेचता है, जिसे 23 जुलाई 2024 से पहले खरीदा गया था, तो उसके पास दो विकल्प होंगे। वह या तो 12.5 प्रतिशत टैक्स बिना इंडेक्सेशन के दे सकता है या फिर 20 प्रतिशत टैक्स इंडेक्सेशन लाभ के साथ चुन सकता है। करदाता जिस विकल्प में कम टैक्स देय होगा, उसे चुन सकेगा।

इस बीच, सीबीडीटी के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में 13 जुलाई तक देश का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह (नेट डारेक्ट टैक्स कलेक्शन) सालाना आधार पर 16.4 प्रतिशत बढ़कर 6.51 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है।

आंकड़ों के मुताबिक, शुद्ध कॉरपोरेट टैक्स संग्रह में 22 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है और यह लगभग 2.40 लाख करोड़ रुपए रहा। वहीं, गैर-कॉरपोरेट टैक्स संग्रह करीब 12 प्रतिशत बढ़कर 3.85 लाख करोड़ रुपए हो गया।

इसके अलावा, सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) संग्रह में 44 प्रतिशत से अधिक की तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 26,000 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया।

कमजोर तिमाही नतीजों का असर, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड का शेयर करीब 15 प्रतिशत लुढ़का

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इंश्योरेंस क्षेत्र की दिग्गज कंपनी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड का शेयर गुरुवार को सुबह के सत्र में करीब 15 प्रतिशत लुढ़क गया। इसकी वजह कंपनी की ओर से वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में बाजार की उम्मीद से कमजोर नतीजे पेश करना था।

शुरुआती कारोबार में शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 14.88 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,544 रुपए के स्तर तक फिसल गया है।

हालांकि, बाद में इसमें थोड़ी रिकवरी देखी गई और खबर लिखे तक दोपहर 12 बजे यह 11.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,607 रुपए प्रति शेयर पर था।

वित्त वर्ष 2027 की अप्रैल-जून तिमाही में प्राइवेट सेक्टर की जनरल इंश्योरेंस कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 46 प्रतिशत गिरकर 403.17 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 747.08 करोड़ रुपए था।

कंपनी ने इस गिरावट की वजह अधिक क्लेम और अपने मोटर थर्ड-पार्टी पोर्टफोलियो के लिए 165 करोड़ रुपए का रिजर्व प्रोविजन बताया है।

इंश्योरेंस कंपनी ने यह भी कहा कि तिमाही के दौरान उसे आग से 63 करोड़ रुपए का बड़ा नुकसान हुआ, जिससे उसके कंबाइंड रेश्यो पर एक प्रतिशत अंक का असर पड़ा।

इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का कंबाइंड रेश्यो पर 2.8 प्रतिशत अंक का बुरा असर पड़ा। नतीजतन, अंडरराइटिंग मुनाफे के एक अहम पैमाने कंबाइंड रेश्यो जून तिमाही में बढ़कर 107.2 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 102.9 प्रतिशत था।

हालांकि, मैनेजमेंट का कहना है कि आग से जुड़े पोर्टफोलियो में नुकसान के ऊंचे बने रहने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने दोहराया कि हेल्थ इंश्योरेंस बिजनेस के लिए लॉन्ग-टर्म ग्रोथ आउटलुक मजबूत बना हुआ है, जिसमें रिटेल हेल्थ, ग्रुप हेल्थ के मुकाबले तेजी से बढ़ रहा है।

इसके अलावा, कमजोर तिमाही प्रदर्शन के बाद मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के एनालिस्ट्स ने स्टॉक की रेटिंग 'बाय' (खरीदने की सलाह) से घटाकर 'न्यूट्रल' कर दी है।

लंबे समय में स्टॉक का प्रदर्शन खराब रहा है।

भारत में कृषि क्षेत्र को ऋण बीते 11 वर्षों में 4 गुना बढ़कर 32.50 लाख करोड़ रुपए हुआ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में कृषि क्षेत्र को दिए जाने वाले ऋण में बीते एक दशक में तेज बढ़ोतरी हुई है और यह वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 32.50 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो कि वित्त वर्ष 2014-15 के 8 लाख करोड़ रुपए से चार गुना से अधिक है। यह जानकारी सरकार द्वारा गुरुवार को जारी फैक्टशीट में दी गई।

फैक्टशीट के मुताबिक, ग्रामीण ऋण इकोसिस्टम वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2023-24 के बीच करीब 13 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ा है।

कृषि में जमीनी स्तर पर ऋण को बढ़ावा देने के लिए नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) बैंकों को कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में शॉर्ट-टर्म और लॉन्ग-टर्म लोन देने के लिए उनके संसाधनों को बढ़ाने के मकसद से रीफाइनेंस सपोर्ट देता है।

फैक्टशीट में बताया गया कि औपचारिक ग्रामीण वित्त की बढ़ती पहुंच की झलक नाबार्ड के ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं भावना सर्वेक्षण (मई 2026) में भी देखने को मिलता है। सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 77.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों ने अपने उपभोग स्तर में वृद्धि की जानकारी दी, जो बढ़ती क्रय शक्ति और लगातार बनी हुई मांग को दर्शाता है। औपचारिक ऋण तक पहुंच में भी उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। लगभग 51 प्रतिशत परिवार केवल औपचारिक स्रोतों से ऋण प्राप्त कर रहे हैं, जबकि 27 प्रतिशत से अधिक परिवार संस्थागत और गैर-संस्थागत दोनों माध्यमों से ऋण ले रहे हैं।

वर्ष 2014 में ग्रामीण क्षेत्रों में 41,464 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक शाखाएं थीं। जुलाई 2025 तक इनकी संख्या 35 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 56,193 हो गई, जिससे ग्रामीण ऋण वितरण को महत्वपूर्ण मजबूती मिली। इसके अलावा, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संचालित हैं, जिनका 700 जिलों में 22,000 से अधिक शाखाओं का नेटवर्क है।

सहकारी बैंकों और प्राथमिक कृषि ऋण समितियों ने भी दूरदराज के क्षेत्रों में गरीबों के बीच बैंकिंग की आदतों को बढ़ावा देकर संस्थागत ऋण के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आरबीआई और नाबार्ड के अनुसार, सहकारी बैंकिंग नेटवर्क में 1,458 शहरी सहकारी बैंक, 34 राज्य सहकारी बैंक और 352 जिला केंद्रीय सहकारी बैंक शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त सरकार का विशेष ध्यान गरीबों के लिए संचालित गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों पर भी है, जैसे दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन। यह योजना ग्रामीण गरीब परिवारों को स्वयं सहायता समूहों में संगठित करती है और उनकी आय बढ़ाने तथा जीवन स्तर में सुधार लाने में सहायता करती है।

भीड़ से दूर और प्रकृति के करीब! जुलाई में लद्दाख की इन 5 ऑफबीट जगहों पर बिताएं यादगार पल

अगर आप जुलाई में लद्दाख घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यहां 5 ऐसी ऑफबीट जगहें हैं जहां आप प्रकृति और शांति का भरपूर आनंद ले सकते हैं.

अगर आप जुलाई में लद्दाख घूमने का प्लान बना रहे हैं और भीड़-भाड़ से दूर शांत और खूबसूरत जगहों की तलाश में हैं, तो मशहूर टूरिस्ट जगहों के साथ-साथ कुछ ऐसी जगहों को भी अपनी यात्रा में शामिल करने के बारे में सोचें जो आम जगहों से हटकर हों. लद्दाख घूमने के लिए जुलाई का समय सबसे अच्छा माना जाता है, क्योंकि मौसम सुहावना होता है और ज़्यादातर रास्ते खुले रहते हैं. आइए लद्दाख की ऐसी ही 5 खास जगहों के बारे में जानते हैं जहां आप सच में प्रकृति और शांति का आनंद ले सकते हैं...

तुरतुक

कश्मीर के सबसे उत्तरी हिस्से में बसा तुरतुक अपनी अनोखी बाल्टी संस्कृति, खुबानी के बागों और शांत माहौल के लिए मशहूर है. यहां आप युवाओं को अपनी पारंपरिक विरासत को संजोते हुए देख सकते हैं. इस इलाके को घूमने के लिए जुलाई का मौसम सबसे अच्छा होता है।

आर्यन वैली

अगर आप किसी अनोखी संस्कृति को करीब से जानना चाहते हैं, तो आर्यन वैली ज़रूर जाएं. डाह और हनु जैसे गांव अपने खास मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाने जाते हैं. यह कम भीड़-भाड़ वाली और ऑफबीट जगह है.

त्सो कार झील

पैंगोंग झील से छोटी होने के बावजूद, त्सो कार झील का माहौल बहुत शांत है और यह पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग जैसी जगह है. यहां आप हिमालयी पक्षियों और खुले-विशाल मैदानों के खूबसूरत नज़ारों का आनंद ले सकते हैं.

जंस्कार वैली

एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए ज़ंस्कार वैली किसी स्वर्ग से कम नहीं है. ऊंचे पहाड़, गहरी घाटियां, छोटे-प्यारे गांव और शानदार नज़ारे इस जगह को खास बनाते हैं. जुलाई में सड़क मार्ग से यहां घूमना आसान हो जाता है.

सुमदा चुन

अपने पुराने बौद्ध मठों और शांत माहौल के लिए मशहूर सुमदा चुन उन यात्रियों के लिए एक बेहतरीन जगह है जो भीड़-भाड़ से दूर इतिहास और संस्कृति का अनुभव करना चाहते हैं.

अगर आप इस जुलाई में अनोखी और शांत सुंदरता का अनुभव करना चाहते हैं, तो तुरतुक, आर्यन वैली, त्सो कार, ज़ंस्कार वैली और सुमदा चुन जैसी ऑफबीट जगहों पर ज़रूर जाएं. यहां प्रकृति, स्थानीय संस्कृति और शांति का मेल एक यादगार यात्रा का अनुभव देता है।

बरसात के मौसम में कितने टेंपरेचर पर चलाना चाहिए फ्रिज? बिजली की बचत के साथ सब्जियां रहेंगी लंबे समय तक फ्रेश

बाहर के तापमान के अनुसार फ्रिज के टेंपरेचर को सेट रखना जरूरी और फायदेमंद दोनों होता है. मौसम के अनुसार फ्रिज के टेंपरेचर को बदलते रहने से न सिर्फ खाना लंबे समय तक सेफ रहता है, बल्कि बिजली की भी बचत होती है. इस लेख में जानिए मानसून के दौरान फ्रिज को कितने पर चलाना चाहिए.

मानसून का मौसम शुरू होते ही मौसम में कई बदलाव देखने को मिलते हैं. बारिश होने से गर्मी कम हो जाती है, लेकिन हवा में नमी काफी बढ़ जाती है. ऐसे में घर में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक अप्लाएंस की देखभाल भी अलग तरीके से करनी पड़ती है. फ्रिज भी इन्ही में से एक है, जिसका सही तापमान बनाए रखना जरूरी होता है. कई लोगों के मन में यह सवाल आता है कि क्या बरसात के मौसम में भी फ्रिज को गर्मियों की तरह ही चलाना चाहिए या उसकी सेटिंग बदल देनी चाहिए?

दरअसल, मौसम के अनुसार फ्रिज का तापमान एडजस्ट करने से बेहतर कूलिंग मिलती है और बिजली की बचत भी होती है. साथ ही फ्रिज पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता और उसमें रखी खाने-पीने की चीजें लंबे समय तक ताजा बनी रहती हैं. अगर आप भी मानसून में फ्रिज की सही सेटिंग को लेकर उलझन में हैं, तो कुछ आसान बातों का ध्यान रखकर आप अपने फ्रिज को बेहतर तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं.

बरसात के मौसम में कितने पर सेट करें फ्रिज

विशेषज्ञों के अनुसार मानसून के दौरान फ्रिज का तापमान बहुत ज्यादा कम रखने की जरूरत नहीं होती. यदि आपके फ्रिज में 1 से 5 तक की सेटिंग है, तो उसे 3 या 4 नंबर पर सेट करना सही माना जाता है. वहीं अगर फ्रिज में 1 से 7 तक की सेटिंग दी गई है, तो 4 या 5 नंबर का विकल्प चुन सकते हैं. इस तापमान पर फ्रिज अच्छी तरह कूलिंग करता है और इसमें रखी खाने की चीजें भी लंबे समय तक फ्रेश रहते हैं.

इन बातों का भी रखें ध्यान

बरसात के मौसम में फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलने से भी बचना चाहिए. बार-बार दरवाजा खोलने से अंदर की ठंडी हवा बाहर निकल जाती है और नमी अंदर पहुंच सकती है. इससे फ्रिज में बदबू, फफूंदी और बैक्टीरिया पनपने का खतरा बढ़ सकता है. इसलिए जरूरत पड़ने पर ही फ्रिज खोलें और दरवाजा लंबे समय तक खुला न छोड़ें.

इसके अलावा गर्म खाना सीधे फ्रिज में रखने की आदत से भी बचना चाहिए. पहले भोजन को सामान्य तापमान तक ठंडा होने दें और फिर उसे फ्रिज में रखें. इससे फ्रिज की कूलिंग क्षमता प्रभावित नहीं होती और बिजली की खपत भी कंट्रोल रहती है.

इसके साथ ही फ्रिज में जरूरत से ज्यादा सामान भरना भी सही नहीं माना जाता. जब फ्रिज में बहुत अधिक चीजें रख दी जाती हैं, तो ठंडी हवा का सर्कुलेशन सही तरह से नहीं हो पाता है. इससे सभी सामान तक समान रूप से कूलिंग नहीं पहुंच पाती. इसलिए फ्रिज के अंदर थोड़ी खाली जगह जरूर छोड़ें.

साथ ही समय-समय पर फ्रिज के डोर गैस्केट की जांच भी करते रहें. यदि रबर ढीली या खराब हो जाए।

ब्रेस्टफीडिंग के दौरान फोन चलाना बच्चे के लिए क्यों है खतरनाक? डॉक्टर से जानें इसके साइड इफेक्ट्स

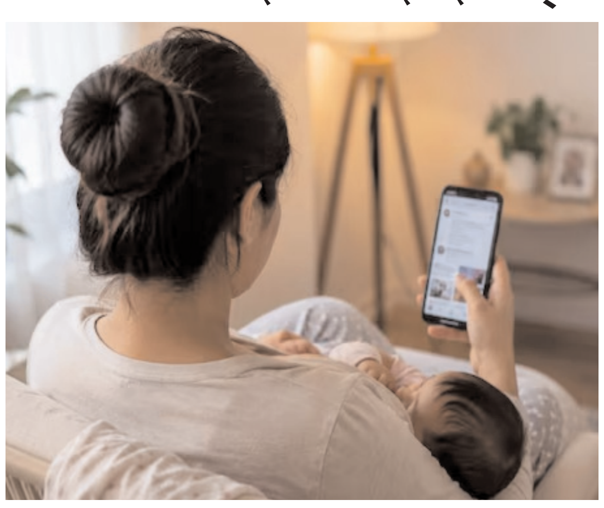

एक नन्ही सी जान का इस दुनिया में आना किसी भी मां के लिए सबसे खूबसूरत अहसास होता है. शिशु के जन्म के बाद 'ब्रेस्टफीडिंग' यानी स्तनपान कराना मां की सबसे पहली और बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है. लेकिन आज की इस डिजिटल दुनिया में, एक बहुत ही चिंताजनक आदत लगभग हर नई मां में देखी जा रही है- दूध पिलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना. क?या आप जानती हैं इसका नुकसान क?या है?

एक नन्ही सी जान का इस दुनिया में आना किसी भी मां के लिए सबसे खूबसूरत अहसास होता है. शिशु के जन्म के बाद 'ब्रेस्टफीडिंग' यानी स्तनपान कराना मां की सबसे पहली और बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है. लेकिन आज की इस डिजिटल दुनिया में, एक बहुत ही चिंताजनक आदत लगभग हर नई मां में देखी जा रही है- दूध पिलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना. क?या आप जानती हैं इसका नुकसान क?या है?

ब्रेस्टफीडिंग केवल बच्चे का पेट भरने का जरिया नहीं, बल्कि मां और बच्चे के बीच का सबसे खूबसूरत और जादुई बॉन्डिंग टाइम होता है. लेकिन आज के डिजिटल युग में इस समय को एक नई बीमारी ने घेर लिया है,

अक्सर माताओं को लगता है कि बच्चा तो छोटा है, वह सिर्फ दूध ही तो पी रहा है।

धनिया चटनी का रेस्टोरेंट जैसा हरा रंग लाने के लिये, जानिये इसे बनाने का परफेक्ट तरीका

रेस्टोरेंट जैसी हरी चटनी बनाने के आसान टिप्स. बर्फ के टुकड़े और नींबू का रस रंग व स्वाद बरकरार रखते हैं. धनिया, पुदीना, हरी मिर्च, अदरक, लहसुन, भुना जीरा और नमक से बनाएं. इसका रंग और स्वाद एकदम लाजवाब आएगा.

समोसे, पकौड़े, टिक्की, कबाब या सैंडविच हर स्नैक का स्वाद हरी चटनी के बिना अधूरा लगता है. अक्सर घर पर चटनी बनाते समय लोगों की शिकायत रहती है कि उसका रंग कुछ ही देर में काला पड़ जाता है, जबकि रेस्टोरेंट की चटनी लंबे समय तक चमकदार हरी बनी रहती है. इसकी वजह सिर्फ सामग्री नहीं, बल्कि उसे बनाने का सही तरीका भी होता है. अगर आप भी घर पर रेस्टोरेंट जैसी हरी-भरी और स्वादिष्ट चटनी बनाना चाहते हैं, तो ये आसान टिप्स आपके काम आएंगे.

आवश्यक सामग्री

1 कप ताजा हरा धनिया
कप पुदीना पत्तियां
2 हरी मिर्च
4-5 लहसुन की कलियां
1 छोटा टुकड़ा अदरक
1 बड़ा चम्मच नींबू का रस
चम्मच भुना जीरा
नमक स्वादानुसार
2-3 बर्फ के टुकड़े
1-2 चम्मच ठंडा पानी

सही पत्तियों का चुनाव करें

चटनी का रंग अच्छा लाने के लिए सबसे पहले ताजा और गहरे हरे रंग का धनिया और पुदीना चुनें. पीली या मुरझाई हुई पत्तियों का इस्तेमाल करने से चटनी का रंग फीका पड़ सकता है. पत्तियों को अच्छी तरह धोकर अतिरिक्त पानी निकाल लें.

हरा रंग बनाए रखने का सीक्रेट

रेस्टोरेंट स्टाइल हरी चटनी का सबसे बड़ा राज बर्फ के टुकड़े हैं. चटनी पीसते समय मिक्सर में 2-3 बर्फ के टुकड़े डालें. इससे मिक्सर की गर्मी कम होती है और पत्तियों का प्राकृतिक हरा रंग बरकरार रहता है.

चटनी बनाने की विधि

मिक्सर जार में धनिया, पुदीना, हरी मिर्च, लहसुन, अदरक, भुना जीरा और नमक डालें. अब इसमें नींबू का रस और बर्फ के टुकड़े मिलाएं. जरूरत अनुसार थोड़ा ठंडा पानी डालकर बारीक पीस लें.

ध्यान रखें कि ज्यादा पानी डालने से चटनी पतली हो सकती है और उसका स्वाद भी हल्का पड़ सकता है. इसलिए पानी धीरे-धीरे मिलाएं.

नींबू का रस क्यों है जरूरी?

नींबू का रस केवल स्वाद ही नहीं बढ़ाता, बल्कि चटनी के रंग को भी लंबे समय तक हरा बनाए रखने में मदद करता है. इसके अलावा यह चटनी को हल्की खटास देता है, जिससे उसका स्वाद और बेहतर हो जाता है.

इन गलतियों से बचें

चटनी पीसते समय गर्म पानी का उपयोग न करें.

मिक्सर को लगातार लंबे समय तक न चलाएं.

बहुत अधिक पानी मिलाने से बचें.

पत्तियों को पीसने से पहले अच्छी तरह सुखा लें।

परंपरा या विज्ञान...शनिवार को यों खाया जाता है भूंजा? जानें धार्मिक आस्था और सेहत का ये अनोखा कनेशन

उत्तर बिहार में शनिवार के दिन भूंजा (भुने अनाज) खाने का चलन बेहद पुराना है. यह केवल एक धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि पेट को दुरुस्त रखने और दांतों को मजबूत बनाने का पूर्वजों का आजमाया हुआ सुपरफूड फॉर्मूला है. जिसे अब वैज्ञानिक भी सही मान रहे हैं. जानें इस परंपरा के पीछे का विज्ञान.

उत्तर बिहार के गांवों में आज भी शनिवार को भूंजा खाने की परंपरा पूरे विश्वास के साथ निभाई जाती है. कई परिवारों में इस दिन चना, मक्का, जौ, चिउड़ा, मुरही और अन्य भुने हुए अनाज खाने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है. धार्मिक मान्यता है कि शनिवार को भूंजा खाने से भगवान शनि की कृपा बनी रहती है. जीवन में आने वाली बाधाएं कम होती हैं. हालांकि, जब इस परंपरा की पड़ताल की गई तो पता चला कि इसके पीछे केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और जीवनशैली से जुड़े व्यावहारिक कारण भी छिपे हुए हैं. यही वजह है कि आधुनिक दौर में भी ग्रामीण समाज इस परंपरा को सहज रूप से निभाता आ रहा है.

पूर्वजों ने परंपरा के माध्यम से सिखाई स्वास्थ्य की सीख
समस्तीपुर के शिक्षाविद राजीव रंजन बताते हैं ।

दिल का सबसे बड़ा दुश्मन सिर्फ तेल नहीं! रोज खाई जाने वाली ये चीजें भी बढ़ा सकती हैं खतरा, समय रहते हो जाएं सावधान!

हमारी रोजमर्रा की कई आदतें दिल की सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं. लंबे समय तक ज़्यादा नमक, चीनी, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड चीज़ों और ट्रांस फैट वाली चीज़ों का सेवन करने से हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल बढ़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जो दिल की बीमारी के बड़े जोखिम कारक हैं.

जब दिल की सेहत बनाए रखने की बात आती है, तो लोग अक्सर सबसे पहले तेल और घी का सेवन कम करने की सलाह देते हैं. लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि सिर्फ़ तेल ही नहीं, बल्कि रोज़ाना की कई आदतें भी दिल की सेहत पर असर डाल सकती हैं. लंबे समय तक नमक, चीनी, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फ़ूड और ट्रांस फ़ैट वाली चीज़ों का ज़्यादा सेवन करने से हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल बढ़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं और ये सभी दिल की बीमारी के बड़े जोखिम कारक हैं...

प्रोसेस्ड और पैक्ड फूड्स

चिप्स, नमकीन स्नैक्स, इंस्टेंट नूडल्स, फ्रोज़न स्नैक्स और पैक्ड फूड्स में अक्सर सोडियम, ट्रांस फैट और प्रिजर्वेटिव्स की मात्रा ज़्यादा होती है. इनका लगातार और ज़्यादा सेवन करने से दिल की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है.

ज़्यादा चीनी वाले ड्रिंक्स और मिठाइयां

सॉफ्ट ड्रिंक्स, पैक्ड जूस, एनर्जी ड्रिंक्स और चीनी वाली मिठाइयों का ज़्यादा सेवन करने से वज़न बढ़ सकता है और ब्लड शुगर लेवल पर असर पड़ सकता है. समय के साथ, इससे दिल की बीमारी का खतरा बढ़ सकता है.

ट्रांस फैट वाले फूड्स

बार-बार गर्म किए गए तेल में बने स्नैक्स, कुछ बेकरी प्रोडक्ट्स और डीप-फ्राइड फास्ट फूड्स में ट्रांस फैट हो सकता है. ये खराब (LDL) कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने और अच्छे (HDL) कोलेस्ट्रॉल को कम करने से जुड़े हैं.

ज़्यादा नमक

अचार, पापड़, रेडी-टू-ईट मील्स और कई पैक्ड स्नैक्स में नमक की मात्रा ज़्यादा हो सकती है. सोडियम का ज़्यादा सेवन हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ा सकता है, जो दिल की बीमारी का एक मुख्य कारण है.

रेड और प्रोसेस्ड मीट

बेकन, सॉसेज और प्रोसेस्ड मीट जैसी चीज़ों का बार-बार सेवन करने से सैचुरेटेड फैट और सोडियम का सेवन बढ़ सकता है. इन्हें सीमित मात्रा में खाने की सलाह दी जाती है.

दिल को स्वस्थ रखने के तरीके

रोज़ाना ताज़े फल, हरी सब्ज़ियां और साबुत अनाज खाएं.

अपनी डाइट में दालें, बीन्स, नट्स और बीज जैसे प्लांट-बेस्ड प्रोटीन शामिल करें। खाना पकाने के लिए सीमित मात्रा में हेल्दी तेल का इस्तेमाल करें। हफ्ते में कम से कम 150 मिनट फिजिकल एक्टिविटी या एक्सरसाइज़ करें।

हर भाषा की फिल्म करो, पिता की सलाह पर चल रहीं अदा शर्मा

अब मराठी सिनेमा में दिखेंगी

मराठी फिल्म 'गजरा' से करेंगी डेब्यू, 2027 में होगी रिलीज

मुंबई। साउथ और बॉलीवुड सिनेमा में अपने अभिनय का जादू बिखेरने के बाद अभिनेत्री अदा शर्मा अब फिल्म 'गजरा' से मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। अदा शर्मा ने बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब उनके पिता ने एक खास सलाह दी थी कि उन्हें भारत की हर भाषा की फिल्म में काम करना चाहिए।

अभिनेत्री ने मीडिया के साथ बातचीत में अपने पिता द्वारा दी गई खास सलाह को याद करते हुए बताया, 'जब मैंने अपने पिता से कहा कि मैं एक्ट्रेस बनना चाहती हूं तो उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम्हें भारत की हर भाषा में एक फिल्म जरूर करनी चाहिए। हर राज्य की अपनी संस्कृति होती है, हर भाषा की अपनी बारीकियां होती हैं। तुम्हारे लिए हर भाषा और हर फिल्म में एक नया किरदार निभाना एक बड़ा और दिलचस्प चुनौतीपूर्ण अनुभव होगा।'

अभिनेत्री ने भले ही बॉलीवुड से अपना डेब्यू किया था, लेकिन 'एस/ओ सत्यमूर्ति' (2015) और 'क्षनम' (2016) जैसी सफल फिल्मों से साउथ सिनेमा में सफल अभिनेत्री के रूप में अपना नाम स्थापित किया।

जब अभिनेत्री से आईएएनएस ने पूछा कि अगर 'गजरा' सफल होती है, तो क्या वह और मराठी फिल्में करेंगी या बॉलीवुड को ही अपनी मुख्य जगह मानेंगी? इस सवाल का जवाब देते हुए अदा ने कहा कि वे अपने आप को पैन- इंडियन एक्ट्रेस के तौर पर देखती हैं।

उन्होंने कहा, ' 'द केरला स्टोरी' एक बॉलीवुड हिंदी फिल्म थी, जिसमें 60 प्रतिशत मलयालम, 10 प्रतिशत अंग्रेजी और 30 प्रतिशत टूटी-फूटी हिंदी थी। हिंदी फिल्म 'कमांडो' में मैंने एक तेलुगु लड़की का किरदार निभाया था। अपनी पहली फिल्म में मैंने एंग्लो-इंडियन लिजा का रोल किया था। मैं किसी भी तरह का किरदार निभाने के लिए तैयार हूं। मैं चाहूंगी कि सभी भाषाओं में अपनी जगह बनाऊं।'

मराठी फिल्म गजरा एक रहस्यमयी फिल्म होगी, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इस फिल्म का निर्देशन श्रेयस जाधव कर रहे हैं और यह 2027 में रिलीज होगी। 'गजरा' का निर्माण 'अमोल बोरकर' द्वारा किया जा रहा है और इसके संगीतकार देवदत्त मनीषा बाजी हैं।

खुद को मानती हैं पैन-इंडियन एक्ट्रेस

जब अभिनेत्री से आईएएनएस ने पूछा कि अगर 'गजरा' सफल होती है, तो क्या वह और मराठी फिल्में करेंगी या बॉलीवुड को ही अपनी मुख्य जगह मानेंगी? इस सवाल का जवाब देते हुए अदा ने कहा कि वे अपने आप को पैन-इंडियन एक्ट्रेस के तौर पर देखती हैं।

> 'द केरला स्टोरी' एक बॉलीवुड हिंदी फिल्म थी, जिसमें 60 प्रतिशत मलयालम, 10 प्रतिशत अंग्रेजी और 30 प्रतिशत टूटी-फूटी हिंदी थी। हिंदी फिल्म 'कमांडो' में मैंने एक तेलुगु लड़की का किरदार निभाया था। अपनी पहली फिल्म में मैंने एंग्लो-इंडियन लिजा का रोल किया था। मैं किसी भी तरह का किरदार निभाने के लिए तैयार हूं। मैं चाहूंगी कि सभी भाषाओं में अपनी जगह बनाऊं।

सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत पर फातिमा सना शेख और श्वेता तिवारी ने उठाई आवाज

विश्व केसरी

मुंबई। लद्दाख के प्रसिद्ध इंजीनियर, शिक्षा सुधारक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक 28 जून से भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं और तब से उनका वजन क़रीब साढ़े आठ किलो तक कम हो गया है, जिसे देखते हुए देश की कई बड़ी हस्तियों ने इस पर सवाल उठाए हैं। गुरुवार को अभिनेत्री फातिमा सना शेख और श्वेता तिवारी ने भी सोशल मीडिया के जरिए अपनी राय रखी।

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने इंस्टाग्राम पर सोनमा वांगचुक की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'सोनम वांगचुक जी के अनशन (भूख हड़ताल) को आज 19 दिन हो गए हैं। हमें तब तक इंतजार नहीं करना चाहिए जब तक कि उनकी तबीयत बहुत ज्यादा बिगड़ न जाए। सोनम जी ने हमारे देश के लिए बहुत बड़े और अच्छे काम किए हैं। अपनी बात सरकार तक पहुंचाने के लिए उन्हें इस तरह अपनी जान दांव पर न लगानी पड़े, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर नोट शेयर करते हुए लिखा, 'राजनीति को अलग रखकर देखें तो हमारे युवाओं और छात्रों का भविष्य सुरक्षित करना सबसे जरूरी है। सोनम जी को इस तरह कमजोर होते देखना बेहद दुखद है। उम्मीद है कि सरकार बातचीत के जरिए जल्द ही इसका कोई शांतिपूर्ण समाधान निकालेगी। आज के नौजवान ही देश का आने वाला कल हैं। हमारा यह फर्ज बनता है कि हम उनके साथ खड़े हों और एक बेहतर व सुरक्षित भविष्य पाने में उनका पूरा साथ दें।

श्वेता तिवारी ने कहा, 'सोनम वांगचुक जी शिक्षा और हमारे बच्चों के भविष्य के लिए एक सही और जरूरी मुद्दे के लिए आवाज उठा रहे हैं। इस मुद्दे पर ध्यान दिया जाना चाहिए और सरकार को उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए।

सना सईद ने ईटिंग डिसऑर्डर को लेकर तोड़ी चुप्पी, दूसरों को दी हिम्मत

मुंबई। फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में अंजली का किरदार निभाकर पहचान बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने गुरुवार को बताया कि वह कई सालों तक बुलिमिया नाम की ईटिंग डिसऑर्डर (खान-पान से जुड़ी मानसिक बीमारी) से जूझती रही। सबसे मुश्किल बात यह थी कि उन्हें लंबे समय तक यह पता ही नहीं था कि आखिर उन्हें कौन सी बीमारी है।

अभिनेत्री सना सईद ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने खाने को लेकर होने वाली एंग्जायटी (बेचैनी) और बचपन में रोजमर्रा की जिंदगी पर इसके असर को यादर किया।

शेयर किए गए वीडियो में सना सईद कहती हैं, 'मैं हमेशा छिपकर खाना नहीं चाहती थी और न ही इस डर से जीना चाहती थी कि कोई मुझे ज्यादा खाते हुए देखकर क्या सोचेगा। जब मैंने इस बीमारी के बारे में एक किताब पढ़ना शुरू किया, तब मुझे पहली बार समझ आया कि आखिर मेरे साथ क्या हो रहा है, लेकिन इसे स्वीकार करना मुश्किल था।

उन्होंने आगे कहा, 'शुरुआत में मैंने खुद को समझाया कि शायद मुझे खाने से जुड़ी कोई समस्या है। मेरे लिए यह मानना बहुत मुश्किल था कि मैं इसी बीमारी से जूझ रही हूं। में मैंने कभी इसके बारे में नहीं सुना था। काश, मुझे पहले ही इसके बारे में जानकारी होती, तो मैं समय रहते सही इलाज और मदद ले पाती।

वीडियो जारी अभिनेत्री ने नोट भी लिखा, 'कई सालों तक मुझे यह पता ही नहीं था।

शादी की 5वीं सालगिरह पर दिशा परमार ने पति राहुल वैद्य पर लुटाया प्यार, लिखा-आपके साथ सपनों जैसी जिंदगी

विश्व केसरी

मुंबई। टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री दिशा परमार और सिंगर राहुल वैद्य की शादी को 5 साल पूरे हो गए हैं। इस खास मौके पर अभिनेत्री ने पति को खास अंदाज में बधाई दी।

अभिनेत्री दिशा परमार ने इंस्टाग्राम पर कुछ खूबसूरत और यादगार तस्वीरें शेयर की। इन तस्वीरों में कपल के रोमांटिक पलों से लेकर दिशा की प्रेग्नेंसी और उनकी नन्हीं बेटी नव्या की प्यारी झलकियां भी देखने को मिल रही हैं।

पहली कैंडिड तस्वीर में दिशा राहुल के साथ पोज देती नजर आईं, जिसमें उनका हाथ प्यार से राहुल के कंधे पर था। एक और तस्वीर में कपल सेल्फी के लिए खुशमिजाज पोज देते हुए दिखा। तस्वीरों के इस कलेक्शन में उनके साथ बिताए सालों के कई यादगार पल शामिल थे, जिनमें दिशा की प्रेग्नेंसी की झलकियां और उनकी बेटी नव्या की प्यारी तस्वीरें भी हैं।

दिशा ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'शादी की 5वीं सालगिरह मुबारक हो राहुल। आपके साथ सपनों जैसी जिंदगी जी रही हूं। मेरे पति जैसा कोई नहीं है, वे सबसे बेहतरीन हैं।'

गायक राहुल वैद्य ने भी पत्नि दिशा परमार के लिए एक खूबसूरत नोट इंस्टाग्राम पर शेयर किया। उन्होंने पत्नी संग यादगार तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'तुम्हारे साथ शादी के 5 साल पूरे हुए। यह एक खूबसूरत सफर रहा है। आज भी जिंदगी के हर पड़ाव में तुम्हें ही चुनता हूं।

दिशा परमार और राहुल वैद्य ने 16 जुलाई, 2021 को मुंबई में एक खूबसूरत समारोह में शादी की थी। इस कपल की लव स्टोरी तब चर्चा में आई जब सिंगर ने रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' में हिस्सा लेने के दौरान दिशा को प्रपोज किया था।

राहुल ने दिशा को उनके 26वें जन्मदिन पर प्रपोज करने का फैसला किया था क्योंकि वह इस खास मौके पर उन्हें सरप्राइज देना चाहते थे। शो के एक एपिसोड में राहुल सफेद टी-शर्ट पहने दिखे जिस पर (मुझसे शादी करोगी?) लिखा था। इसके जरिए राहुल ने दिशा के प्रति अपनी भावनाएं जाहिर की थी।

टेलीविजन हर दिन खुद को साबित करने का मौका देता है', मनप्रीत कौर ने टीवी और ओटीटी की तुलना पर रखी राय

मुंबई। टेलीविजन की दुनिया में अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मनप्रीत कौर सलूजा ने टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर अपनी राय साझा की है। आज के समय में जहां ओटीटी को मनोरंजन का नया और बड़ा माध्यम माना जा रहा है। वहीं कई कलाकारों का मानना है कि टेलीविजन की अपनी एक अलग पहचान और ताकत है। इस पर मनप्रीत का कहना है कि टीवी आज भी कलाकारों के लिए एक खास जगह रखता है।

मीडिया ने जब मनप्रीत कौर से पूछा कि उनके हिसाब से टेलीविजन की सबसे बड़ी ताकत क्या है और आज के बदलते दौर में टीवी की क्या खासियत है। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि टेलीविजन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें कलाकारों को लगातार काम करने और हर दिन नई चुनौती का सामना करने का अवसर मिलता है।

मनप्रीत ने कहा, ''मुझे लगता है कि टेलीविजन की सबसे बड़ी ताकत यह है कि आपको हर दिन परफॉर्म करने का मौका मिलता है। हर दिन एक नई चुनौती लेकर आता है। अगर किसी दिन आपको लगता है कि आपकी परफॉर्मेंस उतनी अच्छी नहीं रही, तो अगले दिन आपके पास खुद को सुधारने और अपनी क्षमता साबित करने का एक और मौका होता है।

अभिनेत्री निमरत कौर ने सोशल मीडिया पर शेयर की अपने बिजी शेड्यूल की झलक

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री निमरत कौर ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए अपने बिजी शेड्यूल की एक झलक दिखाई। उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर बताया कि साल के शुरुआती छह महीने उनके काम और भागदौड़ में कैसे बीते।

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में अभिनेत्री निमरत कौर काम की जिम्मेदारियों, ट्रैवलिंग और अपनी व्यस्त दिनचर्या के पलों का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। क्लिप में एक्ट्रेस को जिम में वर्कआउट करते, फोटोशूट के लिए पोज देते और अपनी व्यस्त दिनचर्या के कई अन्य पलों को कैद करते हुए भी दिखाया गया है।

वीडियो शेयर कर अभिनेत्री निमरत कौर ने लिखा, 'अब तक का मेरा आधा साल: जनवरी, ट्रैवल, काम, खाना, हीटवेव, एक और हीटवेव, जुलाई, रिपीट।'

निमरत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, जहां वह अक्सर तस्वीरें और वीडियो के जरिए अपनी जिंदगी की झलकियां शेयर करती रहती हैं। अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'एयरलिफ्ट' से अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री निमरत कौर 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन में नजर आई थीं। इस पॉपुलर सीरीज में मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का किरदार निभाया था, एक मिडिल-क्लास आदमी जो इंटेलिजेंस ऑफिसर के तौर पर दोहरी जिंदगी जी रहा था।

मनोज बाजपेयी (श्रीकांत तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), प्रियामणि (सुचित्रा), और निम्रत कौर अपने पुराने किरदारों में वापस लौटे हैं। इसके अलावा जाने-माने अभिनेता जयदीप अहलावत ने इसमें एक खूंखार विलेन (रुक्मा) का शानदार किरदार निभाया है।

इसके अलावा अभिनेत्री जल्द ही कोर्टरूम ड्रामा-थ्रिलर फिल्म 'सेक्शन 84' में नजर आएंगी। रिभु दासगुप्ता द्वारा निर्देशित और लिखित फिल्म में वह बॉलीवुड के दिग्गज अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। इस फिल्म में उनके किरदार का नाम 'जोया' है और इसमें डायना पेंटी, अभिषेक बनर्जी भी महत्वपूर्ण किरदारों में होगे। फिल्म को जियो स्टूडियोज और रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है।

स्किल्ड इमिग्रेंट्स अमेरिका की जरूरत, भारतीय मूल के सांसद ने की वीजा सुधार की मांग

विश्व केसरी■

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी कांग्रेसी थानेदार ने वीजा प्रोसेसिंग तेज करने और देश के आधार पर ग्रीन कार्ड कोटा खत्म करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और ज्यादा अमेरिकी नौकरियां बनाने के लिए प्रतिभाशील प्रवासियों की जरूरत है।

न्यूज एजेंसी आईएएनएस के साथ एक खास इंटरव्यू में मिशिगन के डेमोक्रेटिक सांसद ने कहा कि इमिग्रेंट्स ने मेडिसिन, रिसर्च, इनोवेशन, साइंस और टेक्नोलॉजी में अमेरिका की ग्रोथ में अहम भूमिका निभाई है। थानेदार ने कहा, 'हमें वीजा तेजी से प्रोसेस करने की जरूरत है। हमें कंट्री कोटा खत्म करने की जरूरत है ताकि हमें अपने बिजनेस के लिए जरूरी स्किल्ड वर्क फोर्स मिल सके।'

हर देश की लिमिट की वजह से भारतीय प्रोफेशनल्स को नौकरी के आधार पर ग्रीन कार्ड के लिए सबसे लंबे इंतजार का सामना करना पड़ता है। थानेदार ने कहा कि अमेरिकी कंपनियां स्पेशल स्किल्स वाले वर्कर्स को ढूंढने में मुश्किल की रिपोर्ट करती रहीं। उन्होंने कहा, 'हर बार जब मैं सिलिकॉन वैली के उद्यमियों, सीईओ से मिलता हूं, तो वे सभी मुझे बताते हैं कि स्किल्ड वर्कफोर्स मिलना कितना मुश्किल है।' थानेदार ने कहा कि अमेरिका को इन नौकरियों के लिए और अमेरिकियों को प्रशिक्षित करना चाहिए। जब तक काफी घरेलू श्रमिक जरूरी स्किल्स हासिल नहीं कर लेते, तब तक इमिग्रेशन जरूरी रहेगा।

उन्होंने कहा, 'बिजनेस को जिस स्किल्ड वर्कफोर्स की जरूरत है, उसे पाने का एकमात्र तरीका अमेरिकियों को इन स्किल्स के लिए प्रशिक्षित करना है और जब तक ऐसा नहीं होता कि काफी अमेरिकी हों, हमें इमिग्रेंट्स को हमारी अर्थव्यवस्था में योगदान देने और हमारी जीडीपी में योगदान देने और ज्यादा अमेरिकी नौकरियां बनाने में मदद करने के लिए प्रोत्साहित करते रहना होगा।'

कांग्रेसमैन ने यह बात तब कही जब अमेरिका अपनी आजादी की 250वीं सालगिरह मनाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय-अमेरिकी उद्यमियों ने देश भर में बिजनेस बनाने में इमिग्रेंट्स की भूमिका का उदाहरण दिया है।

उन्होंने कहा, 'ये वे लोग हैं जिन्होंने पूरे अमेरिका में बिजनेस बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है और वे इस बात की निशानी हैं कि इमिग्रेंट्स ने इस देश के लिए क्या किया है।' थानेदार ने इमिग्रेंट्स के प्रति बढ़ती दुश्मनी पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस में उनके योगदान के लिए सम्मान वापस लाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अभी पूरे अमेरिका में एंटी-इमिग्रेंट रवैये की लहर है। और मैं जो कर रहा हूं वह लड़ाई है। मैं कांग्रेस में हूं, इमिग्रेंट्स के लिए सम्मान वापस लाने के लिए लड़ रहा हूं।' उन्होंने अमेरिकी तकनीकी उद्योग के लिए भारतीय प्रोफेशनल्स के महत्व पर जोर दिया। थानेदार ने कहा, सिलिकॉन वैली इमिग्रेंट्स, खासकर भारतीय, भारतीय अमेरिकी के बिना नहीं रह सकती। इसलिए अब समय आ गया है कि हम अमेरिका की सफलता में इमिग्रेंट्स के योगदान को समझें और उसका सम्मान करें। नौकरी पर आधारित अमेरिकी इमिग्रेशन सिस्टम किसी भी एक देश के नागरिकों को जारी किए जाने वाले स्थायी रेजिडेंसी वीजा की संख्या पर वार्षिक लिमिट लगाता है। इस सिस्टम की वजह से भारत के आवेदकों को खास तौर पर लंबा इंतजार करना पड़ता है।

अमेरिका में हैदराबाद के युवक से धर्म पूछकर कई बार चाकू से किया हमला, परिवार ने विदेश मंत्रालय से की मदद की अपील

विश्व केसरी■

हैदराबाद। अमेरिका में एक और भारतीय को नफरत की आग में झोंक दिया गया। हाल के समय में अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नफरत और अपराध के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली है। ताजा मामले में हैदराबाद के एक युवक को अमेरिका के शॉपिंग मॉल में कई बार चाकू मारा गया।

सैयद सोहेलुद्दीन के परिवार को मिली जानकारी के अनुसार, यूटा के वेस्ट वैली सिटी के वैली फेयर मॉल में एक आदमी ने उन्हें चाकू मार दिया, जिसके बाद उनकी हालत गंभीर है।

जानकारी के अनुसार, हमलावर ने पीड़ित से पूछा कि क्या वह मुस्लिम है, फिर उसे 15 से ज्यादा बार चाकू मारा। 37 साल के सोहेलुद्दीन पिछले ढाई साल से शॉपिंग मॉल में एक कियोस्क चला रहे हैं। पुलिस के आने से पहले कुछ राहगीरों ने हमलावर को पकड़ लिया और उसका चाकू ले लिया। उसकी पहचान 48

साल के पीटर माइकल लार्सन के तौर पर हुई। आरोपी ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि उसने मुस्लिम पीड़ित को निशाना बनाया और उसे मारना चाहता था। यह घटना 13 जुलाई को हुई थी। हमले के परेशान करने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। पीड़ित को वेस्ट वैली सिटी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हैदराबाद के टोली चौकी इलाके के रहने वाले सोहेलुद्दीन के परिवार ने सरकार से इस मामले में तुरंत दखल देने की अपील की है। उन्होंने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से अपील की है कि वे इस मामले को अमेरिकी अधिकारियों के सामने उठाएं और उनके लिए अमेरिका जाने के लिए वीजा का इंतजाम करें। सोहेलुद्दीन की पत्नी अमरीन फिरदौस हमले के बारे में जानकर बेहोश हो गईं। दंपति के दो बच्चे हैं, जिनकी उम्र पांच और तीन साल है। उनकी भाभी अस्मा फिरदौस ने विदेश मंत्री से अपील की कि वे इस मामले को अमेरिकी अधिकारियों के सामने उठाएं और परिवार के कम से कम दो सदस्यों को इमरजेंसी वीजा जारी करें। मजलिस बचाओ तहरीक (एमबीटी) के प्रवक्ता अमजद उल्लाह खान ने सोहेलुद्दीन के परिवारवालों से मुलाकात की। उन्होंने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को लिखा कि वे वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास को तुरंत सैयद सोहेलुद्दीन से संपर्क करने, संबंधित अधिकारियों से कोऑर्डिनेट करने और घायल भारतीय नागरिक और उनके परिवार को सभी जरूरी वाणिज्यिक मदद और समर्थन देने का निर्देश दें।

संक्षिप्त खबर

दक्षिण कोरियाः पूर्व फ्लोर लीडर की संसद सदस्यता खत्म, कोर्ट में गलत तरीके से फंड जुटाने का दोष सिद्ध

विश्व केसरी■

सोल। दक्षिण कोरिया के सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मुख्य विपक्षी पीपुल पावर पार्टी (पीपीपी) के सांसद और पूर्व फ्लोर लीडर क्वोन सियोंग-डोंग को यूनिफिकेशन चर्च से अवैध धन स्वीकार करने के मामले में सुनाई गई दो साल की जेल की सजा बरकरार रखी। इसके साथ ही उनकी संसद सदस्यता समाप्त हो गई। शीर्ष अदालत ने निचली अपीलीय अदालत के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें उन्हें 'पोलिटिकल फंड्स एक्ट' का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया था। अदालत के अनुसार, क्वोन ने जनवरी 2022 में चर्च के एक अधिकारी से 10 करोड़ वॉन (लगभग 67,300 अमेरिकी डॉलर) स्वीकार किए थे। यह अधिकारी तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक-योल के प्रशासन से अपने हितों को साधने की कोशिश कर रहा था। अदालत ने कहा कि उसे अपीलीय अदालत के फैसले में कोई कानूनी त्रुटि नहीं मिली। इसके साथ ही क्वोन से 10 करोड़ वॉन की जब्ती (फॉरफीचर) के आदेश को भी बरकरार रखा गया। दक्षिण कोरिया में राजनीतिक कोष कानून के उल्लंघन पर यदि किसी सांसद को अंतिम रूप से 10 लाख वॉन या उससे अधिक का जुर्माना या उससे अधिक सजा मिलती है।

'ईरानी व्यवस्था' से चलेगा होर्मुज, दुश्मन नहीं थोप सकता हम पर अपनी इच्छा : गालिबाफ

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा है कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा का सीधा संबंध होर्मुज स्ट्रेट प्रशासन में 'ईरानी व्यवस्था' को कायम रखने से है। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेहरान किसी भी 'दुश्मन' को अपनी इच्छा ईरान पर थोपने की अनुमति नहीं देगा। बुधवार (स्थानीय समय) को जारी एक बयान में गालिबाफ, जो ईरान की वार्ता टीम के प्रमुख भी हैं, ने कहा कि अमेरिका जब भी मौका मिलता है, अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए ईरान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि युद्ध हो या वार्ता, ईरान को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय हितों, यथार्थवादी सोच और दीर्घकालिक रणनीति के आधार पर ही अपने कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान युद्ध का स्वागत नहीं करता, 'लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए हमें हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए।' गालिबाफ ने कहा कि राष्ट्रीय हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए कूटनीति और वार्ता को समानांतर रूप से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। हाल ही में अमेरिका के साथ हुए शांति समझौता ज्ञापन (एमओयू) का उल्लेख करते हुए (जिसमें अंतिम समझौते के लिए 60 दिनों की वार्ता अवधि निर्धारित की गई थी) संसद अध्यक्ष ने कहा कि यह एमओयू तभी सार्थक है जब इसकी शर्तों का सम्मान और पालन किया जाए। अन्यथा, यदि ईरान को इस समझौते से कोई लाभ नहीं मिलता है ।

पीएम मेलोनी ने पाकिस्तानी मूल की लड़की की हत्या के मामले में कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

विश्व केसरी■

रोम। इटली में उन लोगों के लिए कोई जगह नहीं है जो कथित सांस्कृतिक या धार्मिक वजहों के नाम पर एक महिला की आजादी, उनका सम्मान और उनके अस्तित्व को नकारने की मंशा रखते हैं। इसका ताजा उदाहरण पाकिस्तान मूल की 18 साल की समन अब्बास की हत्या के मामले में कोर्ट के फैसले के दौरान देखने को मिला। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी इस मामले में कोर्ट के फैसले का स्वागत किया।

इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी ने पाकिस्तान मूल की समन अब्बास की उसके माता-पिता द्वारा की गई हत्या के मामले में कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मेलोनी ने लिखा, 'समन अब्बास की हत्या के आखिरी फैसले के साथ, एक दर्दनाक कानूनी कहानी खत्म हो गई है। इटली में पाकिस्तानी मूल की एक जवान लड़की समन को उसके माता-पिता और

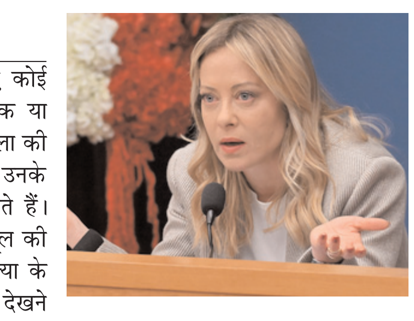

कुछ रिश्तेदारों ने मार डाला, क्योंकि उसने जबरदस्ती शादी का विरोध किया था और अपना भविष्य खुद चुनने के अपने अधिकार पर जोर दिया था।' उन्होंने लिखा कि कोई भी फैसला उसकी जिंदगी वापस नहीं ला सकता, लेकिन यह सही है कि इस जुर्म के लिए जिम्मेदार लोगों को दोषी ठहराया गया है।

प्रधानमंत्री मेलोनी ने शख्त हिदायत देते हुए कहा, 'इटली में उन लोगों के लिए कोई जगह नहीं है जो तथाकथित सांस्कृतिक या धार्मिक वजहों के नाम पर एक महिला की आजादी, इज्जत और जिंदगी को नकारने की हिम्मत करते हैं। ये ऐसे सिद्धांत हैं जिनसे कोई समझौता नहीं हो सकता और जिनसे हम कभी पीछे नहीं हटेंगे। मेरी संवेदनाएं समन के साथ हैं। भगवान उन्हें शांति दे।'

बता दें, समन अब्बास इटली में रहने वाली 18 साल की पाकिस्तानी मूल की लड़की थी। समन के परिवार ने 2021 में उसकी ऑनर किलिंग (सम्मान के नाम पर हत्या) कर दी थी। मृतिका के परिवार ने पाकिस्तान में उसकी मर्जी के बिना शादी तय कर दी। समन को ये मंजूर नहीं था और वह लगातार इस शादी का विरोध करती रही। इस विरोध का अंजाम उसकी मौत थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समन के परिवार ने उसकी शादी पाकिस्तान में उसके चचेरे भाई के साथ तय की थी। इस दौरान समन नाबालिग थीं और उन्होंने शादी से इनकार करने के बाद इटली में सोशल सर्विस डिपार्टमेंट से मदद मांगी। नवंबर 2020 में उन्हें एक शेल्टर होम भेज दिया गया था।

जापान के 82 लोकल असेंबली की मांग, 'तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों को बरकरार रखे सरकार'

विश्व केसरी■

टोक्यो। जापान की कुल 82 स्थानीय विधानसभाओं ने केंद्र सरकार या संसद को लिखित प्रस्ताव भेजकर प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की सरकार से जापान के तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों को बनाए रखने या उन्हें कानून का रूप देने का आग्रह किया है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी।

समाचार एजेंसी क्योडो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल अक्टूबर में ताकाइची सरकार के सत्ता में आने के बाद से इन सिद्धांतों से संबंधित प्रस्तावों को पांच प्रीफेक्चरल (प्रांतीय) विधानसभाओं, 48 शहरों की विधानसभाओं और 29 कस्बों व वार्ड विधानसभाओं ने पारित किया है। इनमें से किसी भी प्रस्ताव में तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों में संशोधन की मांग नहीं की गई।

क्योडो के हवाले से सिन्हुआ ने बताया कि यह बढ़ोतरी पिछली सरकारों की तुलना में काफी अलग है, जिनके कार्यकाल में या तो ऐसे कोई प्रस्ताव नहीं आए थे या बहुत कम संख्या में आए थे। यह वृद्धि जापान की लंबे समय से चली आ रही गैर-परमाणु नीति में संभावित बदलाव को लेकर जनता की बढ़ती

चिंता को दर्शाती है। जापान के तीन गैर-परमाणु सिद्धांत देश में परमाणु हथियार रखने, उनका निर्माण करने या जापानी क्षेत्र में उनके प्रवेश की अनुमति देने पर रोक लगाते हैं। इन्हें 1971 में जापानी संसद ने औपचारिक रूप से अपनाया था और तब से ये देश की परमाणु नीति की आधारशिला बने हुए हैं। स्थानीय मीडिया ने पहले रिपोर्ट किया था कि ताकाइची सरकार जापान में परमाणु हथियारों के प्रवेश पर रोक लगाने वाले सिद्धांत में संशोधन पर विचार कर रही है। इस संभावित कदम ने जापानी समाज के विभिन्न वर्गों में व्यापक चिंता पैदा कर दी है। इस साल की शुरुआत में हिरोशिमा और नागासाकी शहरों की विधानसभाओं ने भी जापानी सरकार से तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों का पालन करने का आग्रह करते हुए प्रस्ताव पारित किए थे।

चीन के गुआंग्शी में बाढ़ से 39 लोगों की मौत, नौ लापता

विश्व केसरी■

बीजिंग। चीन के गुआंग्शी में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से तबाही मची है। अब तक इस क्षेत्र में 39 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 9 अन्य लोग लापता हैं। चीनी अधिकारियों ने गुरुवार को बाढ़ के हालातों की जानकारी दी।

अधिकारियों ने बाढ़ नियंत्रण और आपदा राहत पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मरने वालों में क्षेत्रीय राजधानी नाननिंग में एक बड़े डैम के टूटने से हुई मौतें भी शामिल हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, मंगलवार को चीन के जिलिन प्रांत में भारी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ को देखते हुए अधिकारियों ने आपातकालीन बाढ़ प्रतिक्रिया स्तर को लेवल-4 से बढ़ाकर लेवल-3 कर दिया। टाइफून बावी के प्रभाव से जिलिन में लगातार भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते

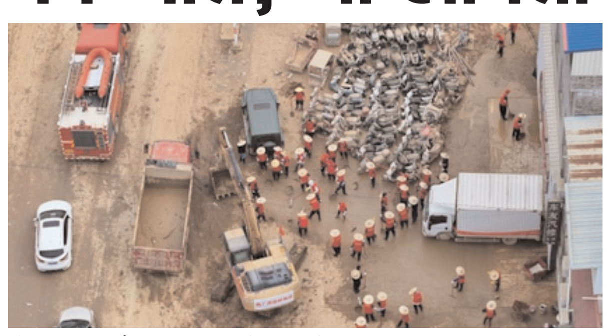

सोंगहुआ नदी के जिलिन खंड में इस साल की पहली बड़ी बाढ़ दर्ज की गई है। मेइहे नदी, जो हुइफा नदी की एक सहायक नदी है, में जल स्तर हाइड्रोलॉजिकल रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। अनुमान है कि पूरी हुइफा नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर से ऊपर चला जाएगा। साथ ही, नदियों में बाढ़, पहाड़ी क्षेत्रों में फ्लैश फ्लड, भूस्खलन जैसी भू-वैज्ञानिक आपदाओं, छोटे और मध्यम आकार के डैम में आपात स्थिति और शहरों में जलभराव का खतरा भी बना हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, बाढ़ नियंत्रण की स्थिति अभी भी गंभीर और जटिल बनी हुई है।

इसी बीच, चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि शुक्रवार तक उत्तर-पश्चिम चीन के पूर्वी हिस्सों में हल्की से भारी बारिश का अनुमान है। साथ ही मध्य शानक्सी प्रांत और मध्य व दक्षिणी शानक्सी प्रांत के कुछ हिस्सों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

बिम्सटेक भारत के 'नेबरहुड फर्स्ट', 'एक्ट ईस्ट' और 'महासागर' विजन का करता है प्रतिनिधित्व : अजीत डोभाल

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने गुरुवार को बिम्सटेक राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुखों की 5वीं बैठक को भारत के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह मंच 'नेबरहुड फर्स्ट' (पड़ोसी पहले) नीति, 'एक्ट ईस्ट' नीति और 'महासागर' विजन को दर्शाता है। मौजूदा वैश्विक चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय सुरक्षा, संपर्क, क्षमता निर्माण और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के लिए बिम्सटेक देशों के बीच समन्वय और सहयोग बढ़ाना समय की मांग है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डोभाल ने भारत की प्राथमिकताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए बिम्सटेक 'नेबरहुड फर्स्ट' (पड़ोसी पहले) की हमारी सोच, 'एक्ट

ईस्ट' नीति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और 'महासागर' विजन का प्रतिनिधित्व करता है। यह विजन क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक तथा समग्र प्रगति पर आधारित है।' उन्होंने कहा, 'हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब दुनिया संघर्षों और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से गुजर रही है। तेज तकनीकी प्रगति के कारण बहु-आयामी सुरक्षा चुनौतियां और गंभीर हो गई हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं (ग्लोबल सप्लाई चेन) में व्यवधान के कारण हमारे सभी देशों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। ऐसे समय में हमारे लिए सहयोग बढ़ाना, आपसी हितों के लिए निर्णायक कदम उठाना और चर्चा व विचार-विमर्श के जरिए साझा चुनौतियों का समाधान निकालना बेहद जरूरी है।'

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,829 हुई, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

विश्व केसरी■

काराकास। वेनेजुएला में 24 जून को आए दोहरे भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,829 हो गई है। नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज ने बुधवार को यह जानकारी दी। रोड्रिगेज के सोशल मीडिया पर जारी अपडेट के अनुसार, घायलों की संख्या 16,740 बनी हुई है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अधिकारियों ने 106 अस्थायी कैंप बनाए हैं, जिनमें अब इस आपदा से प्रभावित 20,857 लोग रह रहे हैं और 63,000 से ज्यादा लोग अभी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में तैनात हैं।

तीन हफ्ते पहले आए दोहरे भूकंप के बाद से वेनेजुएला में 1,284 आफ्टरशॉक (भूकंप के हल्के-हल्के झटके) रिकॉर्ड किए गए हैं।

इससे पहले 11 जुलाई को सोशल अफेयर्स के वाइस प्रेसिडेंट हेक्टर रोड्रिगेज ने शनिवार को टेलीग्राम पर कहा कि 24 जून को वेनेजुएला में आए भूकंप से प्रभावित कुल 18,437 लोगों को शेल्टर में ले जाया गया है।

उन्होंने कहा कि ला गुएरा, तटीय राज्य जहां दो भूकंपों से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहां 10,981 लोग शेल्टर में हैं, जबकि काराकास में 6,133 और मध्य राज्य मिरांडा में 1,323 लोग हैं।

युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए पेंटागन का नया कदम, सैनिकों की होगी टेस्टोस्टेरोन जांच

विश्व केसरी■

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने ट्रंप प्रशासन की व्यापक सैन्य तैयारी योजना के तहत 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी सक्रिय ड्यूटी और रिजर्व सैन्यकर्मियों के लिए टेस्टोस्टेरोन की कमी की अनिवार्य जांच कराने का आदेश दिया है।

यह कदम सैन्य तैयारियों को बेहतर बनाने, युद्धक्षेत्र में प्रदर्शन को अधिक प्रभावी बनाने और पेंटागन द्वारा 'ऑपरेटर सिंड्रोम' कही जाने वाली स्थिति से निपटने की रणनीति का हिस्सा बताया गया है। दरअसल ऑपरेटर सिंड्रोम से ग्रस्त सैनिकों में

टेस्टोस्टेरोन का स्तर कम होने, लगातार थकान और ऊर्जा की कमी, मांसपेशियों की ताकत और सहनशक्ति में गिरावट, नींद से जुड़ी समस्याएं, याददाश्त और एकाग्रता में कमी, तनाव, चिंता या अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी लक्षण और रिकवरी में अधिक समय लगने जैसे समस्याएं नजर आ सकती हैं। इसी को ध्यान में रखकर पेंटागन ने यह फैसला किया है। नई पॉलिसी की घोषणा स्थानीय समयानुसार बुधवार को की गई और पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने कहा कि रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने परफॉर्मेंस को ऑप्टिमाइज करने, ऑपरेटर सिंड्रोम से निपटने और मिशन की तैयारी को मैक्सिमाइज करने के लिए एक बेहतर स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल का निर्देश दिया था। पेंटागन के प्रवक्ता पार्नेल ने कहा, तत्काल प्रभाव से 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी सक्रिय ड्यूटी और रिजर्व सैन्य कर्मियों की उनकी नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान टेस्टोस्टेरोन की कमी की अनिवार्य स्क्रीनिंग की जाएगी। 30 वर्ष से कम आयु के सैन्यकर्मी भी यदि चाहें, तो अपनी पीरियोडिक हेल्थ असेसमेंट के दौरान यह जांच करा सकते हैं।

पेंटागन ने कहा कि यह पहल ऐसी तत्पर, घातक और युद्ध के मैदान में निर्णायक बढ़त हासिल करने में सक्षम सैन्य शक्ति तैयार करने और बनाए रखने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जो ताकत के जरिए शांति के उद्देश्य को पूरा कर सके।

जिस देश का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा, उसका भविष्य भी मजबूत होगा : राजनाथ सिंह

विश्व केसरी

नई दिल्ली। हमारा लक्ष्य केवल भारत के नक्शे पर सड़कें बनाना नहीं है, बल्कि भारत के हर नागरिक के मन में, यह विश्वास बनाना है, कि देश का कोई भी कोना अब दूर नहीं है। यह बात गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि हम यह समझते हैं, कि जिस देश का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा, उसी देश का फ्यूचर भी सबसे मजबूत होगा। इसलिए हम आगे भी, भविष्य में इसी प्रकार, कार्य करते रहेंगे। राजनाथ सिंह नई दिल्ली में बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) तकनीकी संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सड़क, रेल, हवाई मार्ग और डिजिटल कनेक्टिविटी के साथ-साथ हमने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अंतर्गत, हम सीमावर्ती गाँवों को, जिन्हें कभी अंतिम गाँव कहा जाता था, उन्हें हम देश के प्रथम गाँव के रूप में विकसित कर रहे हैं। हमने यह सुनिश्चित किया है, कि देश का कोई भी नागरिक मुख्यधारा से कटा हुआ महसूस न करे। और बीआरओ ने इस निश्चय को पूरा करने में, बड़ी भूमिका निभाई है।

यहां राजनाथ सिंह ने कहा, 'हमारा प्रयास हो कि हम ऐसा भारत बनाएँ, जहाँ सीमाएँ केवल सुरक्षित ही न हों, बल्कि सबसे जुड़ी हुई भी हों। जहाँ विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा एक ही मार्ग पर एक साथ चले। जहाँ हर निर्माण, राष्ट्रनिर्माण का पर्याय बन जाए। मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस दिशा में सकारात्मक प्रयास करेंगे।' उन्होंने

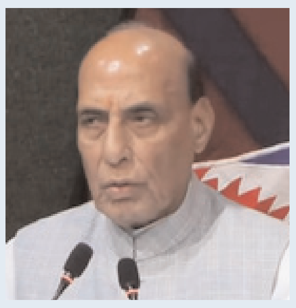

कहा कि यह जरूरी नहीं है, कि हर इंजीनियर हर बार जीरो से शुरू करके, नए सिरे से परेशान होकर ही सीखे। बल्कि वह अपने पहले के इंजीनियर्स के अनुभवों से सीखे, उनके संघर्ष और उनकी कामयाबी से सीखे।

रक्षा मंत्री राजनाथ ने सुझाव दिया कि इस नॉलेज को हमारे ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट तक ले जाया जाए, ताकि नए लोग व शोधकर्ता इससे नई चीजें सीख सकें। मुझे विश्वास है कि आप इस दिशा में कदम बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, 'मैं यह भी कहना चाहूँगा, कि इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए एक सामूहिक प्रयास की आवश्यकता होती है। औद्योगिक को इनोवेशन करना होगा, शिक्षा को रिसर्च में आगे बढ़ना होगा, इंजीनियर्स को समाधान विकसित करने होंगे, और एडमिनिस्ट्रेटर्स को उन्हें जमीन पर उतारना होगा। हमें मिलकर एक ऐसा इकोसिस्टम बनाना होगा, जो एक्सेलेंस को प्रोत्साहित करे और जहाँ हर हितधारक मिलकर अपनी भूमिका पूरी निष्ठा से निभाए।' राजनाथ सिंह ने कहा कि बीआरओ के कामों की प्रासंगिकता भी, आने वाले युग में लंबे समय तक बना रहने वाली है। बीआरओ राष्ट्र की एक अनिवार्य शक्ति बना रहेगा और इसके लिए लगातार नई नई टेक्नोलॉजी अपनाते रहना आज के समय की एक बड़ी जरूरत है। युद्ध का पहला मोर्चा कभी-कभी सीमा पर नहीं, बल्कि उस सड़क पर बनता है जो सैनिक को सीमा तक पहुँचाती है। इसलिए जो सड़क बनाता है, वह भी राष्ट्र की सुरक्षा का उतना ही बड़ा प्रहरी है। रक्षा मंत्री ने बताया कि बीआरओ हमारे सीमावर्ती और कठिन क्षेत्रों में एयरफील्ड भी बनाता है। यानि टेक्नोलॉजी चाहे कितनी भी बदल जाए, हम चाहे जमीन से आकाश तक और आकाश से समुद्र तक कितनी भी तरक्की कर लें, पोर्ट, एयरफील्ड, रोड और टनल, इनकी भूमिका कतई कम नहीं होने वाली।

'सोनम वांगचुक का जीवन बचाने के लिए सभी चिकित्सीय प्रयास हों'

हाईकोर्ट ने दिया डॉक्टरों से रोजाना निगरानी का आदेश

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पिछले 18 दिन से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य और मेडिकल स्थिति के संबंध में केंद्र व दिल्ली सरकार को निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने कहा कि सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य की प्रतिदिन सरकारी डॉक्टरों से जांच कराई जाए और उनके जीवन की रक्षा के लिए जरूरी सभी चिकित्सीय प्रयास किए जाएं।

सोनम वांगचुक दिल्ली के जंतर-मंतर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। लगातार बिगड़े स्वास्थ्य को देखते हुए अदालत से सोनम वांगचुक का जीवन बचाने के लिए सरकार के तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। इस याचिका पर गुरुवार को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने सुनवाई की।

सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि वांगचुक के स्वास्थ्य की प्रतिदिन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, 'उनका रोज स्वास्थ्य परीक्षण होता है। जब भी वह सरकारी डॉक्टरों को जांच की अनुमति देते हैं, तब उनकी जांच की जाती है। कई बार निजी डॉक्टर भी आकर उनका परीक्षण करते हैं।' इस पर अदालत ने कहा, 'हम चाहते हैं कि सरकारी डॉक्टर नियमित रूप से उनकी जांच करें। जीवन अमूल्य है।' इसके बाद हाईकोर्ट ने सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश जारी कर दिए।

संक्षिप्त खबर

महाराष्ट्र में सरकारी सेवाएं सबसे सुलभ होनी चाहिए : मुख्यमंत्री फडणवीस

विश्व केसरी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को सभी सरकारी विभागों को 15 अगस्त तक पर्याप्त प्रगति करने, प्रत्येक सेवा की नए सिरे से समीक्षा करने और आवश्यक दस्तावेजों की संख्या में उल्लेखनीय कमी करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी विभागों से समन्वय स्थापित करने का आह्वान किया ताकि महाराष्ट्र को 'सबसे सुलभ सरकारी सेवाओं वाले राज्य' के रूप में पहचान मिल सके। उनके ये निर्देश ऐसे समय आए हैं जब महाराष्ट्र सरकार ने शासन प्रक्रिया पुनर्गठन (जीपीआर) पहल के तहत सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-आधारित बनाने का प्रस्ताव रखा है और इन कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने जीपीआर के तीसरे चरण की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये बातें कहीं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जीपीआर ढांचे के तहत प्रत्येक सेवा के लिए छह चरणों वाली प्रक्रिया स्थापित की गई है। इसमें जीपीआर रिपोर्ट तैयार करना, मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से परामर्श, विभागीय स्वीकृति, महाआयटी के माध्यम से तकनीकी विकास, सरकारी संकल्प (जीआर) जारी करना और अंतिम परीक्षण शामिल हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभागों को 15 अगस्त तक कम से कम पांचवें चरण तक पहुंचना होगा, जिसका अर्थ है आवश्यक जीआर जारी करना और सेवाओं को अंतिम परीक्षण के लिए तैयार रखना।

झारखंड के लातेहार में ट्रक की टक्कर से जीजा-साले की मौत

विश्व केसरी

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में गुरुवार को एनएच-75 पर हुए एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार जीजा और साले की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक सड़क पर पलट गया और दोनों उसके नीचे दब गए। पुलिस ने हाइड्रा मशीन की मदद से शवों को बाहर निकाला। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। दुर्घटना चंदवा थाना क्षेत्र के शिव टोला के समीप गुरुवार को दिन के करीब 11 बजे हुई। टिंकू भुइयां (34) और उनके 14 वर्षीय साले मिथुन भुइयां मोटरसाइकिल से चंदवा से लातेहार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक (जेएच-15ई-0394) ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद अनियंत्रित ट्रक सड़क पर पलट गया। बाइक सवार दोनों युवक ट्रक के नीचे दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मृतकों में टिंकू भुइयां रांची जिले के खलारी थाना क्षेत्र स्थित महावीर नगर, बुकबुका और मिथुन भुइयां लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र के सलगी के रहने वाले थे। सूचना मिलने पर चंदवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। हाइड्रा मशीन की मदद से ट्रक के नीचे दबे दोनों युवकों को बाहर निकाला गया। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चंदवा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

गवाहों को धमकाने के मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा और आशीष के नाम नहीं, सुप्रीम कोर्ट में पुलिस ने दी जानकारी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वर्ष 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में गवाहों को कथित रूप से धमकाने के मामले में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। उत्तर प्रदेश पुलिस ने अदालत को बताया कि जांच के दौरान ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे यह साबित हो कि आशीष मिश्रा या उनके पिता व पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा इस मामले में शामिल थे।

आशीष मिश्रा की जमानत से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान उनके वकील ने अदालत को बताया कि गवाहों को धमकाने के मामले में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है लेकिन उसमें आशीष मिश्रा और पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा का नाम शामिल नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बयान को रिकॉर्ड पर लिया।

राज्य सरकार की ओर से दायर स्टेट्स रिपोर्ट में बताया गया कि गवाहों को धमकाने से जुड़ी एफआईआर की जांच पूरी हो चुकी है और जांच में आशीष मिश्रा के खिलाफ कोई भी दोष साबित करने

योग्य साक्ष्य नहीं मिला। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अमनदीप सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है और संबंधित अदालत ने उसका संज्ञान भी ले लिया है। हालांकि, अजय मिश्रा, आशीष मिश्रा और अन्य लोगों की कथित भूमिका की जांच में उनके शामिल होने के कोई प्रमाण नहीं मिले।

सुप्रीम कोर्ट ने शिकायतकर्ता को राज्य सरकार की स्टेटस रिपोर्ट के जवाब में दो सप्ताह के भीतर अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

गौरतलब है कि गवाहों को धमकाने के आरोप में उत्तर प्रदेश पुलिस ने पिछले साल अक्टूबर में एफआईआर दर्ज की थी। यह कार्रवाई तब हुई थी, जब सुप्रीम कोर्ट ने शिकायतकर्ता बलजिंदर सिंह की शिकायत पर कार्रवाई नहीं होने पर पुलिस को फटकार लगाई थी। इसके बाद अदालत के निर्देश पर एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पंजाब के मुक्तसर जाकर शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया और भारतीय दंड संहिता की धारा 195-ए, 506 और 120-बी के तहत मामला दर्ज किया गया। मुख्य मामला 3 अक्टूबर 2021 को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा से जुड़ा है, जिसमें चार किसानों सहित आठ लोगों की मौत हुई थी। आरोप है कि आशीष मिश्रा से कथित तौर पर जुड़े काफिले की गाड़ियों ने प्रदर्शन कर रहे किसानों को कुचल दिया था। इस मामले में आशीष मिश्रा पर मुकदमा चल रहा है और वह फिलहाल सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत पर बाहर है।

दिल्ली में तेज रफ्तार डंपर ने महिला को कुचला, मौके पर मौत; चालक फरार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के बुद्ध विहार-कंझावला रोड पर गुरुवार को सड़क हादसे में तेज गति से आ रहे लोडेड डंपर ने एक महिला को कुचल दिया। हादसा इतना भयावह था कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई। डंपर चालक घटना वाहन छोड़कर फरार हो गया।

सूचना मिलते ही अमन विहार थाना पुलिस और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। पुलिस को शव निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, शव की शिनाख्त प्रियंका के रूप में हुई, जो दिल्ली के रोहिणी इलाके की रहने वाली थीं। शव को सड़क से हटाने के बाद पुलिस ने यातायात को सामान्य कराया। अमन विहार पुलिस ने हादसे में शामिल डंपर को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। फरार चालक की तलाश जारी है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यह दर्दनाक हादसा ऐसे समय हुआ है, जब एक दिन पहले ही सिंघु बॉर्डर के पास ड्यूटी के दौरान ट्रैफिक नियंत्रित कर रहे

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक हेड कांस्टेबल की तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मौत हो गई थी। पिछले सप्ताह भी दिल्ली में एक हिट एंड रन मामले ने लोगों को झकझोर दिया था। दिल्ली पुलिस ने मर्सिडीज कार के चालक को गिरफ्तार किया था, जिसने 5 जुलाई को उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी बस स्टैंड के पास आउटर रिंग रोड पर एक स्कूटी सवार को टक्कर मारकर फरार हो गया था।

यह हादसा जीटीके बाईपास पर आईएसबीटी की ओर जाने वाले मार्ग पर फुटओवर ब्रिज के पास हुआ था। पुलिस को सूचना मिली थी कि सड़क दुर्घटना में एक स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे तुरंत बाबू जगजीवन राम मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कर्नाटक डिप्टी सीएम ने सूखे के बिगड़ते हालात पर पीएम मोदी को लिखा पत्र

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक में कमजोर मानसून के कारण सूखे की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। इस बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के नियमों में राहत देने और राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

पत्र में परमेश्वर ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान कर्नाटक में लगातार सामान्य से कम बारिश हुई है। इसका सीधा असर खेती, पेयजल व्यवस्था, भूजल स्तर और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। जून महीने में कर्नाटक में 42 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई, जबकि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में 36

प्रतिशत वर्षा की कमी रही। जुलाई में भी स्थिति नहीं सुधरी और राज्य में अब तक 34 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं बेंगलुरु में भी सामान्य से करीब 34 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार, कम बारिश और अधिक तापमान के कारण प्रभावित इलाकों में करीब 80 प्रतिशत बोई गई फसल बर्बाद हो चुकी है। उन्होंने इसके लिए मुख्य रूप से एल नीनो के प्रभाव को जिम्मेदार बताया। साथ ही कहा कि कई जिलों में भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है, जिससे सिंचाई और पेयजल संकट और गहरा गया है। पत्र में बताया गया है कि विजयनगर (61 प्रतिशत), मैसूर (55 प्रतिशत), मडिकेरी (51 प्रतिशत), चिक्कमगलुरु (48 प्रतिशत), दावणगेरे (47 प्रतिशत), हावेरी (46 प्रतिशत, शिवमोग्गा (44 प्रतिशत), कलबुर्गी (43 प्रतिशत), मंगलुरु (43 प्रतिशत) और बीदर (40 प्रतिशत) जैसे जिलों में बारिश की भारी कमी दर्ज की गई है।

कश्मीर में अगले दो दिनों में बढ़ेगा तापमान जम्मू-कश्मीर में बारिश की संभावना भी बढ़ी

विश्व केसरी

श्रीनगर। घाटी में अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान 35-36 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की संभावना है, जिसके बाद जम्मू-कश्मीर में बारिश का दौर शुरू होने की उम्मीद है। स्थानीय मौसम विभाग के डायरेक्टर मुख्तार अहमद ने कहा कि अगले दो दिनों में घाटी में अधिकतम तापमान 35-36 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की संभावना है, जिसके बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में बारिश का दौर शुरू होने की उम्मीद है।

विभाग की मौसम संबंधी सलाह के अनुसार, 16-18 जुलाई को मौसम आम तौर पर गर्म और उमस भरा रहेगा, साथ ही कुछ जगहों पर थोड़ी देर के लिए बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

19 जुलाई को मौसम आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा और कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश

या गरज के साथ बौछारें पड़ेंगी। जम्मू डिवीजन में कुछ अलग-अलग जगहों पर थोड़ी देर के लिए तेज बारिश हो सकती है।

20-23 जुलाई को मौसम आम तौर पर बादल वाला रहेगा और ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ेंगी। कश्मीर डिवीजन और जम्मू डिवीजन के कुछ जिलों में भारी बारिश या थोड़ी देर के लिए तेज बारिश हो सकती है। 24-25 जुलाई को कुछ जगहों पर थोड़ी देर के लिए बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ेंगी। 19 जुलाई से लेकर 22 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर के कुछ जिलों में दोपहर, शाम, देर रात और सुबह के समय भारी बारिश या थोड़ी देर के लिए तेज बारिश होने की संभावना है। 20-22 जुलाई को चेनाब घाटी, पीर पंजाल रेंज और कश्मीर डिवीजन के कुछ पहाड़ी इलाकों में संवेदनशील जगहों पर अचानक बाढ़, भूस्खलन और मिट्टी धंसने की संभावना है।

आनंद पर्वत का 'बैड कैरेक्टर' चढ़ा पुलिस के हत्थे, चोरी की बाइक और स्कूटर बरामद

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली में आनंद पर्वत थाना पुलिस ने वजहें चोरी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आनंद पर्वत निवासी 36 वर्षीय सुभाष सिंह उर्फ 'मेंटल' के रूप में हुई है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी की दो गाड़ियां बरामद की हैं। आरोपी आनंद पर्वत थाने का घोषित 'बैड कैरेक्टर' है और उसके खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार, 15 जुलाई को आनंद पर्वत थाने में तैनात हेड कांस्टेबल रोहित को सूचना मिली कि नेहरू नगर स्थित रामलीला

मैदान के पास एक संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल के साथ घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां पता चला कि नियमित गश्त पर तैनात कांस्टेबल अशोक और कांस्टेबल ओम प्रकाश ने पहले ही संदिग्ध व्यक्ति को रोक लिया था। पुलिस को देखते ही आरोपी मोटरसाइकिल छोड़कर भागने लगा, लेकिन दोनों पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया और कुछ ही दूरी पर उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान जब मोटरसाइकिल की जांच की गई तो पता चला कि वह सराय रोहिल्ला थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी और इस संबंध में पहले से मामला दर्ज था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी से लगातार पूछताछ की। इस दौरान उसने सराय रोहिल्ला इलाके से मोटरसाइकिल चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। उसने यह भी बताया कि उसने एक और चोरी का स्कूटर रामलीला मैदान के पीछे स्थित मंदिर के पास छिपाकर रखा है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने वहां से एक सफेद होंडा एक्टिवा स्कूटर बरामद किया।

हैदराबाद में हिंदू छात्र से जबरन 'कलमा' और 'फातिहा' पढ़वाने का आरोप, भारी विरोध के बाद स्कूल ने टीचर को निकाला

विश्व केसरी

हैदराबाद। हैदराबाद के एक स्कूल में कथित रूप से हिंदू छात्र पर 'कलमा' और 'फातिहा' पढ़ने का दबाव बनाने और होमवर्क देने का मामला तूल पकड़ रहा है। इस घटना से स्कूल प्रशासन के खिलाफ अभिभावकों, स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों में आक्रोश है। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद स्कूल प्रशासन ने एक टीचर को निलंबित कर दिया है।

आरोपी टीचर का नाम शेख आयशा परवीन है। स्कूल प्रशासन ने अपने आदेश में कहा, 'सक्सेस द स्कूल, सईदबाद ब्रांच में मदर टीचर के तौर पर शेख आयशा परवीन की सेवाएं 16 जुलाई से समाप्त की जा रही हैं। इसके अलावा, शेख आयशा परवीन को सूचित किया जाता है कि भविष्य में सक्सेस ग्रुप के शिक्षण संस्थानों में नौकरी के लिए आवेदन करने के लिए आपको स्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया गया है।'

यह मामला, हैदराबाद के सैदाबाद इलाके में स्थित 'सक्सेस स्कूल' सामने आया था। आरोप है कि दूसरी कक्षा के एक छात्र पर 'कलमा' और 'फातिहा' पढ़ने का दबाव डाला गया। इस घटना का पता चलने पर छात्र के माता-पिता

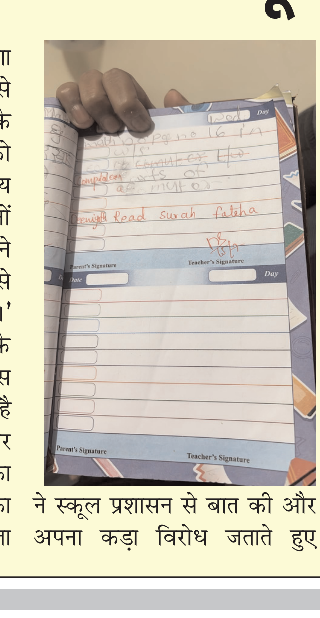

ने स्कूल प्रशासन से बात की और अपना कड़ा विरोध जताते हुए सवाल उठाया कि पढ़ाई-लिखाई के माहौल में ऐसी हरकत कितनी सही है।

इस घटना से स्थानीय लोग भी आक्रोशित हुए। उन्होंने स्कूल परिसर में विरोध-प्रदर्शन हुआ। अभिभावकों ने इस मामले में शामिल स्कूल स्टाफ के खिलाफ तुरंत और सख्त कार्रवाई की मांग की। साथ ही, अभिभावकों ने जांच की मांग करते हुए कहा कि कक्षा में धार्मिक गतिविधियों को शामिल न किया जाए और इस कथित घटना के लिए स्कूल को जिम्मेदार ठहराया जाए। उधर, निर्दलीय विधायक टी. राजा सिंह ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'यह बेहद शर्मनाक है कि स्कूल प्रशासन ने कथित तौर पर दूसरी कक्षा के एक छात्र पर 'कलमा' पढ़ने का दबाव डाला।'

उन्होंने आगे कहा, 'तेलंगाना में ऐसा यह पहला मामला नहीं है। पहले भी ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं। पिछले दिन, जब बच्चे के माता-पिता स्कूल गए और स्कूल प्रशासन से सवाल किया कि वे उनके हिंदू बच्चे पर 'कलमा' पढ़ने का दबाव कैसे डाल सकते हैं, तो स्कूल अधिकारियों के पास कोई जवाब नहीं था।'

सेमीकॉन 2.0 और एमपीएमएस से 3.6 लाख से अधिक रोजगार सृजित होने की उम्मीद, भारत बनेगा वैश्विक सेमीकंडक्टर हब: उद्योग जगत

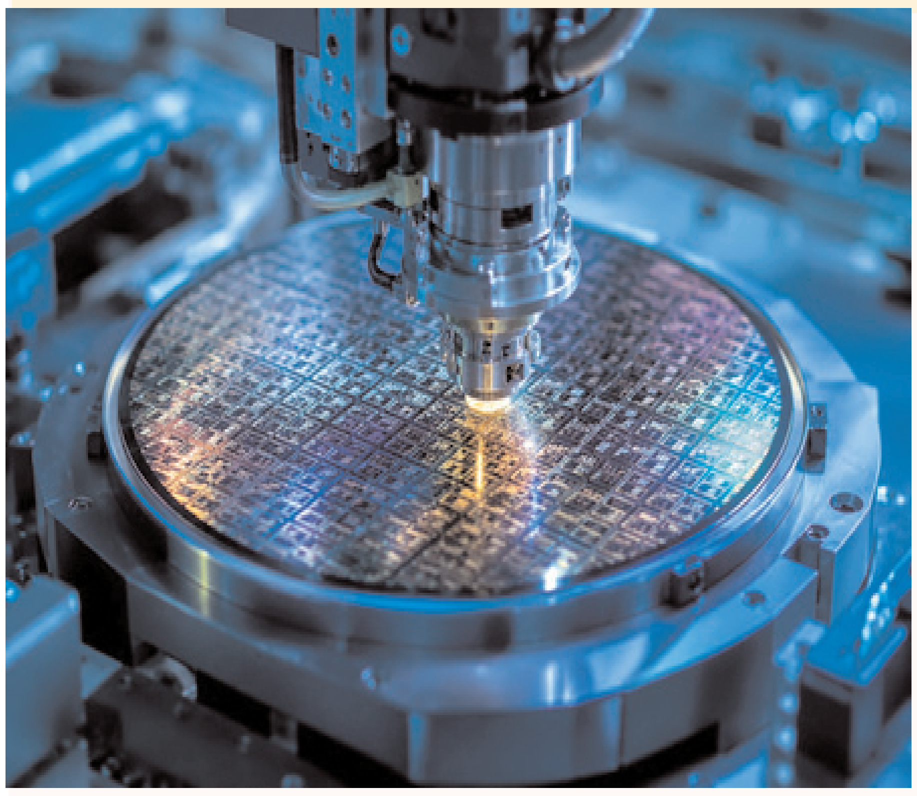

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से हाल ही में मंजूर की गई सेमीकॉन 2.0 और मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (एमपीएमएस) को लेकर उद्योग जगत ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इंडस्ट्री संगठनों का मानना है कि ये दोनों योजनाएं भारत को केवल मोबाइल असेंबली केंद्र से आगे बढ़ाकर संपूर्ण सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन विकसित करने में मदद करेंगी और 3.6 लाख से अधिक नए रोजगार सृजित कर सकती हैं।

उद्योग निकायों के अनुसार, सेमीकॉन 2.0 के तहत 40 से 50 अरब डॉलर तक का नया निवेश आकर्षित होने की संभावना है, जिससे 2 से 3 लाख उच्च कौशल (हाई-स्किल्ड) रोजगार पैदा हो सकते हैं। वहीं, मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (एमपीएमएस) के जरिए देश में मोबाइल निर्माण को और गति मिलेगी, जिससे 60,000 अतिरिक्त प्रत्यक्ष नौकरियां बनने का अनुमान है। इस योजना से मोबाइल उत्पादन का कुल मूल्य बढ़कर लगभग 39 लाख करोड़ रुपए और निर्यात बढ़कर करीब 15 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

सरकार ने सेमीकॉन 2.0 के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपए और एमपीएमएस के लिए 62,500 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। उद्योग संगठनों का कहना है कि इन योजनाओं से घरेलू वैल्यू एडिशन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी और भारत वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन में मजबूत स्थिति हासिल करेगा।

इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) ने कहा कि सेमीकॉन 1.0 के तहत पहले ही 20 अरब डॉलर से अधिक के सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट घोषित हो चुके हैं। अब सेमीकॉन 2.0 में सेमीकंडक्टर फैब, एडवांस पैकेजिंग, चिप डिजाइन, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी), स्किल डेवलपमेंट, मशीनरी और कच्चे माल पर अधिक जोर दिया गया है, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर एक भरोसेमंद सेमीकंडक्टर साझेदार बन सकेगा।

आईईएसए और एसईएमआई इंडिया के अध्यक्ष अशोक चंदक ने कहा कि सेमीकॉन 2.0 भारत के लिए नीति निर्माण से बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन की दिशा में निर्णायक कदम है। उनके अनुसार, पहले चरण ने भारत की विश्वसनीयता स्थापित की, जबकि दूसरा चरण देश की दीर्घकालिक क्षमता निर्माण पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि दुनिया में सेमीकंडक्टर निर्माण उपकरणों पर खर्च 2028 तक लगभग 230 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है और भारत इस अवसर का लाभ उठाने की मजबूत स्थिति में है।

इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू ने कहा कि सरकार की यह नीति निरंतरता भारत को सेमीकंडक्टर उद्योग में वैश्विक स्किल कैपिटल बनाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि डिजाइन, अनुसंधान, पूंजीगत उपकरण और कौशल विकास पर जोर देकर आईएसएम 2.0 भारत में मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तैयार करेगा।

वहीं, ऑप्टीमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (ओईएल) के चेयरमैन अशोक गुप्ता ने मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (एमपीएमएस) को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह योजना प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम की सफलता को आगे बढ़ाएगी। उनके अनुसार, यह नीति लंबे समय तक निवेशकों को भरोसा देगी, स्वदेशी तकनीक के विकास को बढ़ावा देगी और भारत को उन्नत मोबाइल फोन निर्माण के लिए वैश्विक पसंदीदा केंद्र के रूप में स्थापित करेगी।

क्या फिश ऑयल कैप्सूल अल्जाइमर से बचा सकते हैं? नए अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा

विश्व केसरी

पुरी। बहुत से लोग दिमाग को तेज रखने और याददाश्त बेहतर करने के लिए फिश ऑयल कैप्सूल लेते हैं। इसकी वजह है इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड, खासकर डीएचए जिसे दिमाग की सेहत के लिए जरूरी माना जाता है। कई लोगों को उम्मीद होती है कि ये सप्लीमेंट भविष्य में अल्जाइमर जैसी बीमारी के खतरे को कम कर सकते हैं। हालांकि एक नई स्टडी ने इसको लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ।

अमेरिका की केक मेडिसिन ऑफ यूएससी की रिसर्च में पाया गया कि फिश ऑयल सप्लीमेंट लेने से अल्जाइमर बीमारी से बचाव में कोई खास फायदा नहीं मिला। हालांकि, स्टडी में यह जरूर सामने आया कि फिश ऑयल में मौजूद डीएचए दिमाग तक पहुंचा, लेकिन इससे याददाश्त या सोचने-समझने की क्षमता में कोई बड़ा सुधार नहीं दिखा।

यह रिसर्च ईबायोमेडिसिन जर्नल में प्रकाशित हुई है। इस रिसर्च में 55 से 80 साल की उम्र के 365 लोगों को शामिल किया गया। ये सभी लोग बहुत कम मछली खाते थे और उनमें अल्जाइमर का खतरा ज्यादा माना जा रहा था। इनमें से करीब आधे लोगों में एपीओई4 जीन भी था, जो अल्जाइमर बीमारी के बढ़ते जोखिम से जुड़ा माना जाता है।

शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटा। एक समूह को दो साल तक ज्यादा मात्रा वाला डीएचए सप्लीमेंट दिया गया, जबकि दूसरे समूह को प्लेसिबो यानी ऐसी गोली दी गई जिसमें कोई सक्रिय तत्व नहीं था। इस दौरान लोगों की याददाश्त, सोचने की क्षमता और दिमाग में होने वाले बदलावों की जांच की गई।

स्टडी में एक महत्वपूर्ण बात सामने आई कि फिश ऑयल से मिला डीएचए वास्तव में दिमाग तक पहुंच रहा था। छह महीने बाद प्रतिभागियों के दिमाग के आसपास मौजूद तरल पदार्थ में डीएचए का स्तर औसतन 17 प्रतिशत तक बढ़ गया। लेकिन इसके बावजूद सोचने-समझने की क्षमता या याददाश्त में कोई खास अंतर नहीं देखा गया।

दिमाग के उस हिस्से हिप्पोकैंपस, जो याददाश्त के लिए बेहद जरूरी होता है, उसकी जांच में भी फिश ऑयल लेने वाले और न लेने वाले लोगों के बीच कोई बड़ा अंतर नहीं मिला। यानी शरीर में पोषक तत्व पहुंचने के बाद भी उसका असर वैसा नहीं दिखा, जिसकी उम्मीद की जा रही थी।

वैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ एक पोषक तत्व बढ़ाने से अल्जाइमर जैसी जटिल बीमारी को रोका नहीं जा सकता। दिमाग की सेहत पर कई चीजों का असर पड़ता है, जैसे उम्र, जेनेटिक्स, खानपान, शारीरिक गतिविधि और जीवनशैली।

शोधकर्ताओं का मानना है कि ओमेगा-3 फैटी एसिड अगर प्राकृतिक तरीके से संतुलित डाइट के जरिए मिले, तो उसका फायदा ज्यादा हो सकता है।

‘पाकिस्तान गंभीर महामारी के मुहाने पर खड़ा’, 6.51 लाख बच्चों को नहीं मिली एक भी खुराक

विश्व केसरी

कराची। पाकिस्तान के स्वास्थ्य महकमे की हालत कितनी नाजुक है, इसकी मिसाल जब-तब मिलती ही रहती है। फिलहाल जीरो-डोज वाले बच्चों की बढ़ती संख्या ने स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। किसी और ने नहीं, बल्कि पाकिस्तान मेडिकल एसोसिएशन (पीएमए) ने इसे लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान एक गंभीर महामारी संबंधी संकट के मुहाने पर खड़ा है।

पीएमए ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र में पाकिस्तान में बड़ी संख्या में ‘जीरो-डोज’ बच्चों की मौजूदगी को लेकर तत्काल राष्ट्रीय रेड अलर्ट जारी किया है।

जीरो-डोज बच्चे वे बच्चे होते हैं, जिन्हें डिप्थीरिया, टेटनस और काली खांसी से बचाव वाली वैक्सीन (डीटीपी1) की पहली खुराक भी नहीं मिली होती है।

नियमित टीकाकरण व्यवस्था से पूरी तरह बाहर रह गए 6.51 लाख शिशुओं के साथ, चिकित्सा समुदाय के प्रतिनिधि संगठन ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान एक गंभीर महामारी संबंधी संकट के मुहाने पर खड़ा है, जिससे बच्चों में रोकी जा सकने वाली बीमारियों और मौतों का बड़े पैमाने पर दोबारा प्रसार हो सकता है।

पीएमए ने इसे औपचारिक रूप से ‘राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल’ घोषित करते हुए कहा कि टीकाकरण में इतनी बड़ी कमी से सामूहिक प्रतिरक्षा (हर्ड इम्युनिटी) बनाए रखने की सीमा प्रभावित हो गई है, जिससे पूरे क्षेत्र में अनियंत्रित संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है।

प्रमुख दैनिक डॉन ने पीएमए के महासचिव डॉ. अब्दुल गफूर शोरों के हवाले से बताया, ‘चिकित्सकीय और सार्वजनिक स्वास्थ्य के नजरिये से देखें तो 5 लाख से अधिक जीरो-डोज बच्चों की मौजूदगी प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था की गंभीर विफलता को दर्शाती है।

उन्होंने कहा, ‘इन भयावह आंकड़ों के पीछे एक गहरी और व्यवस्थित समस्या है ।

याददाश्त कमजोर होने से पहले मस्तिष्क देता है यह संकेत, अल्जाइमर पर नई रिसर्च में खुलासा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अल्जाइमर बीमारी को आमतौर पर लोग भूलने की समस्या के तौर पर जानते हैं। जब किसी को नाम याद न रहे, चीजें रखकर भूल जाए या जगहों को पहचानने में दिक्कत हो, तब अक्सर कहा जाता है कि यह अल्जाइमर का असर हो सकता है, लेकिन अब वैज्ञानिकों की एक नई रिसर्च ने में खुलासा हुआ है कि दिमाग में बदलाव सिर्फ याददाश्त कमजोर होने के बाद ही नहीं, बल्कि उससे कई साल पहले भी शुरू हो सकते हैं।

यह अध्ययन अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम हेल्थ यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने किया है और इसके नतीजे एक मशहूर वैज्ञानिक जर्नल ‘नेचर कम्युनिकेशन्स’ में प्रकाशित हुए हैं। रिसर्च में बताया गया है कि अल्जाइमर की शुरुआत में ही दिमाग की नई परिस्थितियों में ढलने की क्षमता, यानी कॉग्निटिव फ्लेक्सिबिलिटी, प्रभावित हो सकती है।

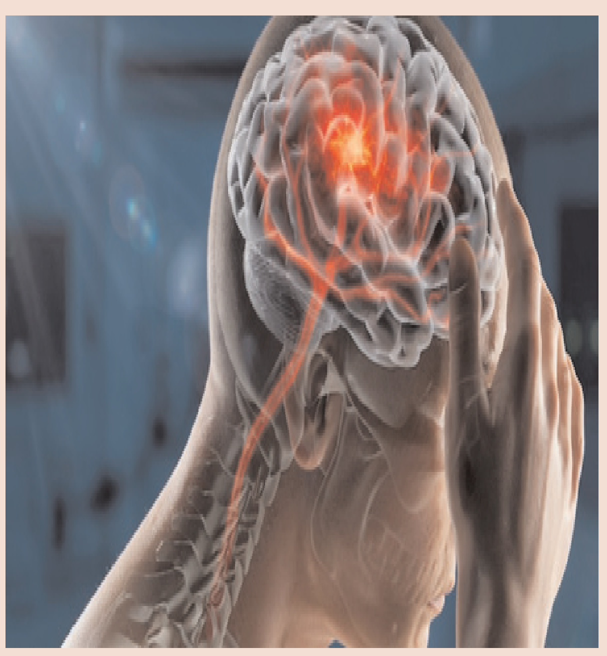

कॉग्निटिव फ्लेक्सिबिलिटी का मतलब होता है, जब कोई स्थिति बदल जाए तो उसके हिसाब से अपनी सोच और व्यवहार को बदल लेना। जैसे अगर आप किसी काम को एक तरीके से कर रहे हैं और अचानक नियम बदल जाए तो तुरंत नए नियम के हिसाब से खुद को ढाल लेना। यही क्षमता दिमाग की एक बहुत जरूरी ताकत मानी जाती है।

रिसर्च में वैज्ञानिकों ने चूहों पर अध्ययन किया, जिन्हें अल्जाइमर जैसी स्थिति के लिए विकसित किया गया था। इन चूहों का एक खास टेस्ट दिया गया, जिसे रिवर्सल लर्निंग कहा जाता है। इसमें पहले चूहों को एक तरीका सिखाया गया जिससे उन्हें इनाम मिलता था, लेकिन बाद में नियम बदल दिए गए और इनाम पाने का तरीका भी बदल गया।

दिलचस्प बात यह रही कि सामान्य चूहों ने जल्दी समझ लिया कि नियम बदल गए हैं और उन्होंने अपना तरीका भी बदल लिया, लेकिन अल्जाइमर वाले चूहों ने पुरानी आदत नहीं छोड़ी। वे बार-बार वही गलत तरीका अपनाते रहे, भले ही उससे कोई फायदा नहीं हो रहा था।

सबसे हैरानी की बात यह थी कि इन चूहों के याददाश्त टेस्ट में कोई बड़ी कमी नहीं दिखी। यानी वे जगहें और चीजें याद रखने में ठीक थे, लेकिन नई स्थिति के हिसाब से खुद को बदल नहीं पा रहे थे। इससे वैज्ञानिकों को लगा कि अल्जाइमर सिर्फ भूलने की बीमारी नहीं है, बल्कि इससे पहले सोचने और समझने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

दिमाग के अंदर जब जांच की गई तो एक खास हिस्सा, जिसे मीडियल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स कहा जाता है, उसमें ज्यादा गतिविधि देखी गई। यह हिस्सा दिमाग का वह भाग है जो प्लानिंग, निर्णय लेने और बदलते हालात में सोचने में मदद करता है।

5 से 12 साल के बच्चों की डाइट में शामिल करें ये चीजें; तेज होगा दिमाग, मजबूत होगी इम्यूनिटी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। 5 से 12 साल की उम्र बच्चों के शरीर और दिमाग के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जाता है। इसी समय बच्चे तेजी से बढ़ते हैं, उनकी हड्डियां मजबूत होती हैं, मांसपेशियां विकसित होती हैं, और दिमाग सीखने की क्षमता को तेजी से बढ़ाता है। इस उम्र में दिया गया सही पोषण बच्चे के पूरे जीवन की सेहत और मानसिक क्षमता की नींव रखता है। लेकिन आज के समय में बच्चों की खाने की आदतों में जंक फूड शामिल हो गया है। इसलिए यह समझना बहुत जरूरी है कि इस उम्र में बच्चों की डाइट कैसी होनी चाहिए ताकि उनका विकास सही दिशा में हो सके।

बच्चों के शरीर को बढ़ने के लिए सबसे ज्यादा जरूरत प्रोटीन की होती है। प्रोटीन शरीर की कोशिकाओं को बनाने और मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है। अगर बच्चे की डाइट में दालें, दूध, दही, पनीर, अंडा, सोया, चना या चिकन जैसे स्रोत शामिल किए जाएं, तो उनका शारीरिक विकास बेहतर तरीके से होता है। रिसर्च बताती है कि जिन बच्चों को नियमित रूप से पर्याप्त प्रोटीन मिलता है, उनकी ग्रोथ और शारीरिक ताकत दूसरों की तुलना में ज्यादा बेहतर होती है।इसके साथ ही कैल्शियम और विटामिन डी हड्डियों के विकास के लिए बहुत जरूरी माने जाते हैं। इस उम्र में हड्डियां तेजी से मजबूत होती हैं, इसलिए दूध, दही, पनीर और रागी जैसे खाद्य पदार्थ जरूरी हैं। धूप में कुछ समय बिताना भी शरीर में विटामिन डी बनाने में मदद करता है, जिससे हड्डियां मजबूत बनती हैं और भविष्य में कमजोरी या दर्द जैसी समस्याओं का खतरा कम होता है।

बच्चों के दिमाग और इम्यून सिस्टम के लिए फल और सब्जियां बेहद जरूरी हैं। इनमें मौजूद विटामिन, मिनरल और फाइबर शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। जो बच्चे रोज अलग-अलग फल और सब्जियां खाते हैं, उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है और वे कम बीमार पड़ते हैं। साथ ही उनका ध्यान और सीखने की क्षमता भी बेहतर रहती है।

ऊर्जा के लिए साबुत अनाज जैसे गेहूं, ओट्स, दलिया, ब्राउन राइस और मल्टीग्रेन फूड्स बहुत उपयोगी होते हैं। ये धीरे-धीरे ऊर्जा छोड़ते हैं, जिससे बच्चे लंबे समय तक एक्टिव रहते हैं और उनकी एकाग्रता बनी रहती है।

यूजीलैंड में एच5एन1 बर्ड फ्लू की दस्तक, विशेषज्ञ बोले-वायरस फैलने पर रोकना मुश्किल

विश्व केसरी

न्वेलिंगटन। एक सीनियर वेटेरिनरी अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को न्यूजीलैंड में एक जंगली समुद्री पक्षी में एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा का नया स्ट्रेन मिलने के बाद, इसके कुछ ही महीनों में देश में स्थानिक बीमारी बनने की संभावना है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मिनिस्ट्री फॉर प्राइमरी इंडस्ट्रीज की चीफ वेटेरिनरी ऑफिसर मैरी वैन एंडेल ने रेडियो न्यूजीलैंड (आरएनजेड) को बताया कि अगर यह वायरस जंगली जीवों में फैल गया, तो इसे खत्म करना मुश्किल होगा।

बुधवार को राजधानी वेलिंगटन के पेटोन बीच पर मिले एक समुद्री पक्षी में एच5 वायरस की पुष्टि हुई। यह दुनिया भर में जंगली पक्षियों के बीच फैले इस वायरस का न्यूजीलैंड में पहला मामला है।

ऑकलैंड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज की प्रोफेसर डायने ब्रंटन ने कहा, ‘न्यूजीलैंड का अलग-थलग होना इस जानलेवा बर्ड वायरस को नहीं रोक पाएगा।’ उन्होंने कहा कि हालांकि अभी जंगली जीवों की बड़े पैमाने पर मौत या न्यूजीलैंड के पक्षियों के बीच इसके फैलने का कोई सबूत नहीं है, लेकिन समय के साथ एच5एन1 के यहां फैलने की संभावना है।

वैन एंडेल ने कहा कि वायरस पक्षियों से इंसानों में फैल सकता है, लेकिन ऐसे मामले बहुत कम होते हैं और इससे खाद्य सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ता है।

ओटागो यूनिवर्सिटी की वायरोलॉजिस्ट प्रोफेसर जेम्मा जियोघेगन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और दुनिया भर में इस वायरस के फैलने के बाद से ही न्यूजीलैंड इसके आने की तैयारी कर रहा था।

जियोघेगन ने कहा कि जंगली पक्षियों की तेजी से जांच, जीनोमिक सीक्वेंसिंग और उन पर कड़ी निगरानी रखना जरूरी होगा।

शिमला मिर्च खाने से बढ़ सकता है पोटैशियम? डायलिसिस मरीज बरतें जरूरी सावधानी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। किडनी की बीमारी और डायलिसिस की स्थिति में खानपान का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। जब किडनी ठीक से काम नहीं करती, तो शरीर से कई ऐसे मिनरल्स बाहर नहीं निकल पाते जो सामान्य रूप से यूरिन के जरिए निकल जाते हैं। इन्हीं में सबसे महत्वपूर्ण तत्व पोटैशियम भी है। यही वजह है कि डायलिसिस पर रहने वाले मरीजों को हर खाने-पीने की चीज सोच-समझकर लेने की सलाह दी जाती है।

डायलिसिस एक जीवनरक्षक प्रक्रिया है, जिसमें मशीन की मदद से खून से अपशिष्ट पदार्थ और अतिरिक्त मिनरल्स निकाले जाते हैं। सामान्य स्थिति में किडनी शरीर में पोटैशियम का संतुलन बनाए रखती है, लेकिन जब किडनी फेल हो जाती है या गंभीर रूप से कमजोर हो जाती है, तो यह संतुलन बिगड़ जाता है।

शरीर में पोटैशियम बढ़ने की स्थिति को मेडिकल भाषा में हाइपरकलेमिया कहा जाता है, जो दिल की धड़कन पर गंभीर असर डाल सकती है। कई मामलों में यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है। इसी कारण डॉक्टर मरीजों को पोटैशियम नियंत्रित आहार लेने की सलाह देते हैं।

शिमला मिर्च को आमतौर पर एक हल्की और सुरक्षित सब्जी माना जाता है। मेडिकल न्यूट्रिशन के आंकड़ों के अनुसार, 100 ग्राम कच्ची हरी शिमला मिर्च में लगभग 170 से 180 मिलीग्राम पोटैशियम पाया जाता है। लाल शिमला मिर्च में यह मात्रा थोड़ी ज्यादा, यानी करीब 190 से 210 मिलीग्राम तक हो सकती है, जबकि पीली शिमला मिर्च में भी यह स्तर लगभग इसी तरह रहता है।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत ने अंडर-23 पुरुष फाइनल में दो गोल्ड और एक सिल्वर जीता

विश्व केसरी ■

जकार्ता। एशियन अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग चैंपियनशिप के पुरुष वर्ग में भारत ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन के साथ अपना सफर खत्म किया। भारत ने अंडर-23 में 2 गोल्ड और 1 सिल्वर मेडल जीता, जबकि अंडर-19 बॉक्सरों ने 2 सिल्वर मेडल हासिल किए।

इंडोनेशिया के जकार्ता में अंडर-23 पुरुष फाइनल में, भारत ने दो गोल्ड मेडल जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। 50 किलोग्राम वर्ग में विश्वनाथ सुरेश ने जापान के दाइची इवाई को 3:2 से शिकस्त देकर गोल्ड मेडल जीता। इनके अलावा, गंगा (55 किलोग्राम) ने कजाकिस्तान के बेक्सुलतान बोरानबेक को 3:2 के स्प्लिट फैसले से हराकर गोल्ड हासिल किया। 65 किलोग्राम वर्ग में वंशज ने बहादुरी दिखाई, लेकिन उन्हें उज्बेकिस्तान के इल्खोमजोन एर्गाशेव के हाथों 1:4 से मैच गंवाकर सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

अंडर-19 पुरुष फाइनल में, भारतीय बॉक्सरों ने जबरदस्त कोशिश की, लेकिन सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। 65 किलोग्राम वर्ग में आदित्य उज्बेकिस्तान के एल्योर रुस्तमोव से 5:0 से हार गए, जबकि 90 किलोग्राम वर्ग में शुभम राजपूत को उज्बेकिस्तान के असदबेक सुल्तानबोएव के हाथों 0:5 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

इससे पहले, भारत ने बुधवार को जकार्ता, इंडोनेशिया में हुए फाइनल में एशियन अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग चैंपियनशिप के महिला वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 और अंडर-23 श्रेणी में कुल 5 गोल्ड, 10 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल जीते थे।

अंडर-19 विमेंस श्रेणी में, भारत ने 2 गोल्ड और 6 सिल्वर मेडल हासिल किए। 51 किलोग्राम वर्ग में चंद्रिका भोरेस पुजारी ने उज्बेकिस्तान की नाजोकत मारडोनोवा पर 5:0 से जीत हासिल करते हुए गोल्ड मेडल जीता, जबकि प्राची ने भी इंडोनेशिया की दिरा आर्टिका पर शानदार जीत के साथ गोल्ड मेडल हासिल किया। अंडर-23 महिला कैटेगरी में भारत ने 1 गोल्ड, 4 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर शानदार प्रदर्शन किया।

जापान ओपन: विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी हान यू को हराकर पीवी सिंधु ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

विश्व केसरी ■

टोक्यो । पीवी सिंधु ने गुरुवार को जापान ओपन सुपर 750 में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की विश्व नंबर पांच खिलाड़ी हान यू को सीधे सेटों में हराया। इस जीत के साथ ही सिंधु ने महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु ने संयमित और आक्रामक खेल दिखाते हुए सिर्फ 35 मिनट में हान यू के खिलाफ 21-16, 21-14 से जीत दर्ज की। ??इसके साथ ही चीनी शटलर के खिलाफ उनका हेड-टू-हेड रिकॉर्ड अब 8-1 का हो गया है। यह नतीजा इस सीजन में सिंधु के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक है। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने शुरुआती चुनौती का सामना करने के बाद पांचवीं सीड खिलाड़ी के खिलाफ मैच पर पूरी तरह से अपना दबदबा बनाए रखा।

पहले गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। चीन की हान यू ने खेल की रफ्तार पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन कुछ देर बाद पीवी सिंधु ने शानदार वापसी की। उन्होंने सटीक शॉट लगाए, बेसलाइन से आक्रामक खेल दिखाया और लंबी रैलियों में बढ़त हासिल कर ली। लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत सिंधु ने पहले गेम के आखिरी चरण में बढ़त बनाई और 21-16 से अपने नाम कर लिया।

कोर्ट बदलने के बाद चीनी खिलाड़ी की वापसी की उम्मीदें जल्द ही खत्म हो गईं। सिंधु ने दूसरे गेम में जबरदस्त तेज़ी दिखाई और लगातार आठ प्वाइंट जीतकर 8-0 की मजबूत बढ़त बना ली। हालांकि, हान यू ने थोड़ी वापसी करते हुए अंतर को कम करने की कोशिश की, लेकिन सिंधु ने अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने अपनी सटीकता और कोर्ट कवरेज को बनाए रखा और 21-14 से गेम को जीतकर मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ विश्व की नंबर 10 खिलाड़ी सिंधु ने क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है, जहां उनकी भिड़ंत जापान की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा से होगी। ओकुहारा को दूसरे दौर में वॉकओवर मिला, क्योंकि शीर्ष वरीयता प्राप्त और मौजूदा विश्व नंबर एक दक्षिण कोरिया की एन से-यंग चोट के कारण मुकाबले से हट गईं।

दिन की शुरुआत में देश के मिक्स्ड डबल्स अभियान के खत्म होने के बाद सिंधु अब टूर्नामेंट में भारत की एकमात्र बची हुई दावेदार हैं। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने चीन के टॉप सीडेड खिलाड़ी फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग को शुरुआती गेम में कड़ी टक्कर दी।

पीएसए चैलेंजर स्क्वैश: चुआह ने जीता पुरुषों का खिताब, महिलाओं में रौकिया चैंपियन

विश्व केसरी ■

चेन्नई । एचसीएल स्क्वैश पीसीए चैलेंजर टूर-चेन्नई में बुधवार को मलेशिया के जोआचिम चुआह और मिस्र की रौकिया ओथमैन ने खिताब अपने नाम किए। इंडियन स्क्वैश एकेडमी में चुआह ने पुरुषों के फाइनल में 39 मिनट तक चले मुकाबले में मिस्र के अधम रोशदी को सीधे गेम में 12-10, 11-7, 11-8 से हराया। वहीं, महिलाओं में रौकिया ने एक रोमांचक मुकाबले में साउथ कोरिया की छठी सीड ह्वायोंग उम को 44 मिनट में 11-6, 10-12, 19-21, 11-7, 11-8 से मात देकर खिताब जीता।

इससे पहले, रौकिया ओथमैन ने सेमीफाइनल में भारत की सान्या वत्स को शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई थी। टॉप सीड खिलाड़ी ने भारतीय स्टार को 11-4, 11-2, 11-5 से मात दी।

यह प्रतियोगिता भारतीय खिलाड़ियों के लिए बहुत निराशाजनक रही। सान्या वत्स ही एकमात्र भारतीय थीं जो क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ पाईं। चौथी सीड सान्या ने महिलाओं के क्वार्टर फाइनल में अपनी ही देश की आठवीं सीड उन्नति त्रिपाठी को चार गेम में हराकर इस चरण में जगह बनाई थी।

इससे पहले, रविवार को इंडियन स्क्वैश एकेडमी में जारी इवेंट के पुरुष प्री-क्वार्टर फाइनल में दूसरी सीड भारतीय खिलाड़ी सूरज चंद ने वापसी करते हुए कुवैत के अम्मार अल्तामिमी को 6-11, 11-5, 11-5, 11-6 से मात दी थी, लेकिन अगले दौर में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

पुरुषों में सातवीं सीड ओम सेमवाल और महिलाओं में तीसरी सीड राधिका सीलन, आठवीं सीड उन्नति त्रिपाठी और पूजा आरती रघु क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ी थे।

शनिवार को महिलाओं के पहले दौर में अनन्या नारायणन ने जेनेट विधि को चार गेम में हराया, लेकिन सान्या को छोड़कर कोई अन्य खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल (अंतिम-आठ) से आगे नहीं बढ़ सका। कुछ दिन पहले, मुंबई के जुहू विले पार्ले जिमखाना क्लब में एचसीएल-एसआरएफआई पीएसए चैलेंजर टूर्नामेंट के विमेंस फाइनल में, भारत की तन्वी खन्ना ने जल्दी-जल्दी दो गेम हारने के बाद शानदार वापसी की और मिस्र की फरीदा वालिद को हराकर एक यादगार जीत हासिल की।

शूटिंग शौक के तौर पर शुरू की थी, मेरे सपने को पूरा करने के लिए पिता ने प्रॉपर्टी बेची: सोनम मस्कर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कोल्हापुर की सोनम उत्तम मस्कर ने शूटिंग को बस शौक के तौर पर शुरू किया था और अब वह जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी कर रही हैं। सोनम ने बताया कि उनके पिता ने उनके सपने को पूरा करने के लिए जरूरी सामान खरीदने की खातिर एक प्रॉपर्टी बेच दी थी।

23 साल की 10 मीटर एयर राइफल शूटर उस भारतीय टीम का हिस्सा होंगी जो जापान जाएगी, जहां एशियाई खेलों में शूटिंग इवेंट्स 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आइची प्रीफेक्चुरल जनरल शूटिंग गैलरी में होंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का सफर सोनम के लिए आसान नहीं रहा। शूटिंग को करियर के रूप में अपनाने के दौरान उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रोफेशनल शूटिंग उपकरण काफी महंगे थे और कोविड-19 महामारी के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर हो गई थी। इसके बावजूद सोनम ने हार नहीं मानी और अपनी मेहनत के दम पर आगे बढ़ती रहीं।

सोनम ने उस पल को याद करते हुए कहा, 'एक समय ऐसा था जब हम आर्थिक मुश्किलों का सामना कर रहे थे, खासकर लॉकडाउन के दौरान। जब यह साफ हो गया कि शूटिंग में आगे बढ़ने के लिए मुझे अपने खुद के सामान की जरूरत है, तो मेरे पिता ने एक प्रॉपर्टी बेच दी ताकि हम उसे खरीद सकें। यह हमारे परिवार के लिए एक बड़ा फैसला था, लेकिन उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है।'

सोनम का शूटिंग से पहला परिचय 2018 में मुंबई के तोलानी कॉलेज ऑफ कॉमर्स में पढ़ाई के दौरान हुआ था और इस खेल में प्रोफेशनल करियर बनाना कभी भी उनकी शुरुआती योजनाओं का हिस्सा नहीं था। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा खेलों में दिलचस्पी रही है और मैं शतरंज भी खेलती थी।

मैंने सोचा कि मुझे कुछ अलग आजमाना चाहिए, इसलिए मैंने शुरू में शूटिंग चुनी। मैंने शूटिंग को एक शौक के तौर पर शुरू किया था लेकिन जल्द ही यह कुछ ऐसा बन गया जिसके इर्द-गिर्द मैं अपना करियर बनाना चाहती थी।'

महामारी के कारण शुरुआती प्रगति में रुकावट आने के बाद, सोनम ने 2021 में कोल्हापुर रेंज में 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में केंद्रित प्रशिक्षण शुरू किया।सोनम ने कम समय में अपनी पहचान बना ली और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल की। उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक नई दिल्ली में 2024 आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल में जीता गया सिल्वर मेडल है। सोनम ने कहा कि अपने देश में घरेलू दर्शकों के सामने यह पदक जीतना उनके लिए बेहद खास और यादगार पल था। उन्होंने बताया कि 2024 दिल्ली वर्ल्ड कप फाइनल की सफलता उनके करियर के सबसे महत्वपूर्ण अनुभवों में से एक रहेगी।

उनकी इंटरनेशनल उपलब्धियों, खासकर 2024 काहिरा वर्ल्ड कप में जीत की वजह से उन्हें रेलवे का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। अभी सोनम एशियन गेम्स पर ध्यान दे रही हैं और इस बड़े महाद्वीपीय इवेंट की तैयारी के लिए अपनी भारतीय टीम के कोचों के साथ-साथ विदेशी कोच फार्निक थॉमस से भी ट्रेनिंग ले रही हैं।

फीफा वर्ल्ड कप: मेसी ने रचा इतिहास, यह कारनामा करने वाले बने दुनिया के पहले खिलाड़ी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को सेमीफाइनल मुकाबले में 2-1 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। अर्जेंटीना की इस जीत के हीरो कप्तान लियोनेल मेसी रहे, जिन्होंने टीम की ओर से लगे दोनों ही गोल में अहम भूमिका निभाई। अर्जेंटीना की जीत के साथ ही मेसी ने वो मुकाम हासिल कर लिया है, जहां तक अब तक दुनिया का कोई खिलाड़ी नहीं पहुंच सका है।

सेमीफाइनल में किए गए दो असिस्ट (गोल करने में मदद) के साथ ही मेसी के नाम अब विश्व कप में कुल 12 असिस्ट हो गए हैं। इसमें से 10 असिस्ट मेसी ने टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबलों में किए हैं। आंकड़ों के अनुसार, मेसी इस मुकाम तक पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। विश्व कप इतिहास में कोई और खिलाड़ी 8 से ज्यादा असिस्ट नहीं कर सका है।

सेमीफाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना शुरुआत से बैकफुट पर दिखाई दी। पहले हाफ में दोनों टीमों ने गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लग सकी। अर्जेंटीना के मुकाबले इंग्लैंड पहले हाफ में ज्यादा हावी दिखाई दी। दूसरे हाफ की शुरुआत भी इंग्लैंड के पक्ष में रही और मैच के 55वें मिनट में एंथनी गॉर्डन के जोरदार शॉट के दम पर टीम 1-0 की बढ़त हासिल करने में सफल रही। इसके बाद मुकाबले में अर्जेंटीना की ओर से लगातार प्रयास जारी रहे और आखिरी 7 मिनटों में टीम ने जबरदस्त वापसी की। मैच के 85वें मिनट में लियोनेल मेसी के बेहतरीन पास को एंजो फर्नांडेज ने गोल पोस्ट में पहुंचाते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर किया।

इसके बाद एक बार फिर इंजरी टाइम में मेसी ने शानदार पास दिया, जिसे लाउतारो मार्टिनेज ने हेडर की मदद से गोल में तब्दील करते हुए अर्जेंटीना को मैच में 2-1 से आगे कर दिया। इंग्लैंड ने स्कोर को फिर से बराबरी पर लाने की खूब कोशिश की, लेकिन आखिरी सीटी बजने तक टीम ऐसा करने में सफल नहीं हो सकी।

आईसीसी आचार संहिता उल्लंघन मामले में बरार को एक डिमेरिट पॉइंट मिला

विश्व केसरी ■

दुबई । भारत के युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले गए पहले वनडे के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल-1 उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर आधिकारिक चेतावनी और एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया है। यह घटना 14 जुलाई को इंग्लैंड की पारी के आठवें ओवर में हुई, जब बरार ने फील्डिंग के दौरान गेंद उठाकर बल्लेबाज की दिशा में गलत और संभावित रूप से खतरनाक तरीके से फेंक दी।

आईसीसी के अनुसार, बरार ने खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए निर्धारित आचार संहिता के अनुच्छेद 2.9 का उल्लंघन किया है। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी पर या उसके पास अनुचित अथवा खतरनाक तरीके से गेंद फेंकने से संबंधित है।

इस उल्लंघन के बाद बरार के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ दिया गया है। पिछले 24 महीनों में यह उनका पहला अपराध है। आईसीसी ने बताया कि बरार ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा प्रस्तावित सजा को भी मान लिया। इसके कारण मामले में औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी।

बरार के खिलाफ आरोप ऑन-फील्ड अंपायर कुमार धर्मसेना और माइक बर्न्स, तीसरे अंपायर सैम नोगज्स्की तथा चौथे अंपायर रसेल वॉरेन ने लगाए थे। आईसीसी के नियमों के अनुसार, लेवल-1 उल्लंघन के मामलों में आधिकारिक फटकार से लेकर मैच फीस का 50 प्रतिशत तक जुर्माना और एक या दो डिमेरिट पॉइंट दिए जा सकते हैं।

आईसीसी की अनुशासनात्मक व्यवस्था के तहत यदि कोई खिलाड़ी 24 महीने के भीतर चार या उससे अधिक डिमेरिट पॉइंट हासिल कर लेता है, तो उन्हें सस्पेंशन पॉइंट में बदल दिया जाता है। दो सस्पेंशन पॉइंट मिलने पर खिलाड़ी को एक टेस्ट या दो वनडे अथवा दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए निलंबित किया जा सकता है। डिमेरिट पॉइंट 24 महीने तक खिलाड़ी के रिकॉर्ड में बने रहते हैं और उसके बाद स्वत: हटा दिए जाते हैं।

मोइसेस हेनरिक्स ने किया घरेलू क्रिकेट से संन्यास का ऐलान, पुर्तगाल के लिए खेलेंगे

विश्व केसरी ■

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी मोइसेस हेनरिक्स ने अपने घरेलू करियर पर विराम लगाने का फैसला किया है। उन्होंने न्यू साउथ वेल्स और सिडनी सिक्सर्स से संन्यास की घोषणा की है।

हेनरिक्स का फर्स्ट-क्लास क्रिकेट करियर पिछले साल खत्म हो गया था। इसके बाद उन्होंने 2025-26 सीजन में न्यू साउथ वेल्स के सफल वन-डे कप अभियान में पांच मैच खेले। उन्होंने सिडनी सिक्सर्स को बिग बैश लीग (बीबीएल) के 15वें सीजन के फाइनल तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाई, लेकिन उन्हें बीबीएल के 16वें सीजन के लिए नया कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिला।

39 वर्षीय ऑलराउंडर पिछले 22 वर्षों से पेशेवर क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब उनके लिए खेल को अलविदा कहकर जिंदगी के अगले पड़ाव की ओर बढ़ने का सही समय है। हेनरिक्स ने बताया कि उन्हें दूसरी बीबीएल टीमों से भी खेलने के प्रस्ताव मिले थे, लेकिन सिडनी सिक्सर्स और न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के साथ उनका रिश्ता इतना खास था कि वह कहीं और जाने के बारे में नहीं सोच सके।

हेनरिक्स ने कहा कि वह उन सभी खिलाड़ियों, कोचों और लोगों के आभारी हैं, जिनके साथ उन्हें खेलने और काम करने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि अगर इन रिश्तों और लोगों के प्रति उनके लगाव की वजह नहीं होती, तो शायद वह इससे पहले ही संन्यास ले चुके होते। हेनरिक्स ने 17 साल की उम्र में न्यू साउथ वेल्स के लिए पहला कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। वह बीबीएल के सभी 15 सीजन सिडनी सिक्सर्स के साथ खेले और टीम को तीन बार खिताब जिताने में योगदान दिया। बिग बैश लीग के 9वें और 10वें सीजन में सिक्सर्स ने लगातार दो बार ट्रॉफी जीती थी।

अपने लंबे घरेलू करियर में हेनरिक्स ने न्यू साउथ वेल्स और सिडनी सिक्सर्स के लिए सभी फॉर्मेट में कुल 420 मैच खेले। इनमें 110 फर्स्ट-क्लास, 112 लिस्ट-ए और 198 टी20 मुकाबले शामिल हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415